खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 15 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-164

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर उठाए जा रहे गंभीर सवाल

विमान हादसा तोड़फोड़ की साजिश का नतीजा तो नहीं?

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को सुनियोजित साजिश के एंगल से भी जोड़ा जा रहा है। राजनीतिक दलों की तरफ से यह सवाल उठाया जा रहा है कि विमान हादसा कहीं साइबर अटैक का परिणाम तो नहीं था? बहरहाल, वैमानिकी सुरक्षा को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंत्रालय कार्यालय में आज एक उच्च स्तरीय बैठक की।

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा समेत कई आला अधिकारी मौजूद थे। मीडिया को बताया गया कि दुर्घटना से पहले उस विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर की उड़ान बिना किसी परेशानी के पूरी की थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामदगी के बारे में बताया और कहा कि ब्लैक बॉक्स की डिकोडिंग से हादसे के कारणों की अंदरूनी जानकारी मिल सकती है। यह पता चलेगा कि दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले के क्षणों में वास्तव में क्या हुआ होगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने यह भी कहा कि जो भी थ्योरी इस वक्त चल रही है, जांच में उससे जुड़े हर पहलू का विश्लेषण किया जा रहा है। तीन महीने में विस्तृत रिपोर्ट जारी होगी। जांच में हादसे के अलावा

दो सांसदों और नागरिकों की तरफ से जताया जा रहा संदेह

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विमान रखरखाव का नागरिक उड्डयन मंत्रालय में बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक

भविष्य में ऐसी घटना न हो, इस पर भी अध्ययन किया जाएगा। विमान हादसे की जांच में अब अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) भी शामिल होगी। एनटीएसबी ने बताया कि वह विशेषज्ञों की एक टीम भारत भेज रही है, जो भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के साथ मिलकर इस गंभीर हादसे की जांच में सहयोग करेगी।

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला तो नहीं किया गया था? हाल ही में दुश्मनों ने अपने साइबर हमलों से भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। राउत ने कहा, अहमदाबाद में उड़ान भरने के 30 सेकंड के भीतर एयर इंडिया विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना गंभीर सवाल खड़े करता है। यह संदेह देता है कि कहीं किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला तो नहीं किया गया था? सांसद ने यह भी कहा कि विमान का रखरखाव अत्यंत आवश्यक होता है। अहमदाबाद में विमानों के रखरखाव का ठेका किसके पास है और उसकी जांच हुई या नहीं? इन सारे कोणों से हादसे की गहराई से जांच होनी चाहिए। संजय राउत ने हादसे पर नागरिक उड्डयन मंत्री के व्यवहार पर भी गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विमान के मलबे पर जिस तरह से मंत्री व्यवहार कर रहे थे, वह वाकई दुखद है।

उधर, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भी शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान पर हामी भरते हुए कहा, यह चिंता और संदेह का विषय तो है ही कि विमान के दोनों इंजन एक साथ खराब हो जाएं और 30 सेकंड में यात्रियों से भरा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाए। मुझे लगता है कि इसे सिर्फ तकनीकी कारणों के नजरिए से देखना गलत होगा। इसकी जांच पूरी समग्रता और गहराई से होनी चाहिए और जांच में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी अवश्य लेना चाहिए। ▶10पर

तिरुपति मंदिर के बाद शनि शिगणापुर मंदिर में हुई कार्रवाई

मंदिर से निकाले गए 114 मुस्लिम कर्मचारी

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के बाद शनि शिगणापुर मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई। महाराष्ट्र के अहिल्या नगर (अहमदनगर) जिले में शनि शिगणापुर मंदिर ने शुक्रवार 13 जून को 167 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जिनमें 114 मुस्लिम थे। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि ये लोग अनुशासन नहीं मान रहे थे और कई महीनों से काम पर नहीं आ रहे थे। मंदिर ट्रस्ट का फैसला तब आया जब हिंदू संगठनों ने शनि शिगणापुर मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों के काम करे के खिलाफ 14 जून को बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की थी।

ट्रस्ट ने कहा, 167 अनुशासनहीन कर्मचारी निकाले गए

इस मामले में एक वीडियो भी वायरल हो रहा था, जिसमें कई मुस्लिम कारीगर मंदिर के पवित्र चबूतरे पर काम कर रहे थे। हिंदू संगठनों ने यह सवाल उठाया था कि हिंदू मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों की भर्ती क्यों की गई थी?

शनि शिंगणापुर भगवान शनि का मंदिर है। यहां लाखों लोग दर्शन के लिए आते हैं। हिंदू श्रद्धालुओं के लिए तो तमाम नियम बने हैं, मसलन पुरुषों को खुले बदन प्रवेश करना और महिलाओं को सीधे दर्शन से परहेज करना वगैरह। लेकिन उसी मंदिर में बड़ी तादाद में मुस्लिम कर्मचारी काम कर रहे थे और उनका कहीं भी आना-जाना निर्बाध तरीके से होता था। मंदिर ट्रस्ट ने बढ़ते विरोध के कारण मुस्लिम कर्मचारियों समेत कई अनुशासनहीन कर्मचारियों को भी निकाला, लेकिन निष्कासन का कारण यही बताया कि वे पांच महीने से बिना बताए काम से गायब थे और काम में लापरवाही कर रहे थे। भाजपा के आध्यात्मिक मोर्चे के प्रमुख आचार्य तुषार भोसले ने इसे हिंदुओं की जीत बताया। उन्होंने कहा, हमने मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के लिए आंदोलन किया। मंदिर प्रशासन को झुकना पड़ा। मैं सभी शनि भक्तों और हिंदू समाज को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम कर्मचारियों की मौजूदगी मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचा रही थी। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2024 में मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला दिया था कि तमिलनाडु के हिंदू मंदिरों में गैर-हिंदू लोग कोडिमरम (झंडे वाले खंभे) से आगे नहीं जा सकते। हाईकोर्ट ने कहा था कि मंदिर हिंदुओं की पूजा के लिए हैं, और गैर-हिंदुओं का पवित्र जगहों पर जाना मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचाता है। मद्रास हाईकोर्ट का यह फैसला साफ बताता है कि मंदिरों में हिंदू परंपराओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र में कई मंदिर ट्रस्ट सरकार द्वारा संचालित होते हैं। हिंदू संगठन इसका विरोध करते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि मंदिरों का पैसा धर्म और संस्कृति के लिए इस्तेमाल होना चाहिए, न कि सरकारी खर्चों में। ▶10पर

धुबरी में मंदिर के बाहर गाय का कटा सिर फेंकने से तनाव

उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

अब तक 38 कट्टर इस्लामी उपद्रवी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 14 जून (एजेंसियां)

असम के धुबरी जिले में बांग्लादेश सीमा से सटे मुस्लिम-बहुल कस्बे में एक समूह द्वारा विवादास्पद पोस्टर लगाने और धार्मिक स्थलों के पास गोमांस के टुकड़े फेंके थे, जिसके बाद माहौल गरमा गया। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शूट-एट-साइट यानि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी कर दिया है। अभी तक 38 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, नबीन बांग्ला नामक एक इस्लामी समूह ने धुबरी को बांग्लादेश में मिलाने की मांग करने वाले भड़काऊ पोस्टर लगाए थे। यह स्पष्ट रूप से राष्ट्रद्रोही और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के इरादे से किया गया। ईद के अगले दिन, हनुमान मंदिर के सामने एक गाय का कटा हुआ सिर मिला था, जिसके बाद शहर में तनाव बढ़ गया। रात में पथराव की घटनाएं भी हुईं। मुख्यमंत्री ने इसे गंदे-हथकंडे को माहौल बिगाड़ने की साजिश बताया था। सीएम सरमा ने कहा, जो कोई भी धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाएगा या पथराव करेगा, उसे तुरंत गोली मारी जाएगी। सीएम सरमा ने यह भी घोषणा की कि वे अगले साल ईद पर खुद धुबरी में रहेंगे और जरूरत पड़ी तो मंदिर की पहरेदारी भी करेंगे। सरमा ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में मवेशी अवैध रूप से धुबरी लाए गए थे। सीएम ने इसे भी तनाव की वजह बताते हुए जांच और गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। व्यापारिक और धार्मिक स्थलों पर बड़ी तादाद में सीसीटीवी लगाने का आदेश दिया गया है। सरकार जरूरतमंद मंदिरों और मस्जिदों को कैमरे मुहैया कराएगी। धुबरी जिला असम का मुस्लिम-बहुल इलाका है, जहां लगभग 90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। बांग्लादेश की सीमा से सटा होने के कारण लंबे समय से यह इलाका अवैध घुसपैठ, पहचान और राजनीतिक विवादों का केंद्र रहा है। ▶10पर

वायुसेना प्रमुख ने बताई ऑपरेशन सिंदूर की खासियत

सेना के अद्वितीय पराक्रम का उदाहरण

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की खासियत बताई। हैदराबाद के डुंडीगल वायुसेना अकादमी में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुश्मन पर सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया है। डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय, तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। फ्लाइंग अधिकारी सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायु सेना के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है। इसे वायु सेना के भविष्य के रूप में आपको समझना होगा कि वायु सेना हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली रही है और रहेगी। भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा भारतीय वायु सेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, 10 मई को दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया।

मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने की कवायद जारी

हथियारों का भयानक जखीरा बरामद

इंफाल, 14 जून (एजेंसियां)।

मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने की कवायद जारी है। सुरक्षाबलों ने अपना अभियान जारी रखते हुए हथियारों का भयानक जखीरा बरामद किया है। बरामद किए गए हथियारों में 300 से अधिक राइफलें, हजारों गोलियां, ग्रेनेड और डेटोनेटर शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने कहा लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की साथ ही यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन अपना अभियान नहीं रोकेगा।

मणिपुर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बीती रात को पांच जिलों में एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में 328 से ज्यादा खतरनाक हथियार और हजारों राउंड गोलियां बरामद की गईं। बरामद हथियारों में 151 सेल्फ लोडिंग राइफलें (एसएलआर), 65 इंसास राइफलें, 73 सामान्य राइफलें, 12 लाइट मशीन गन (एलएमजी), 6 एके-47 राइफलें, एमपी-5 गन, मोर्टार, कार्बाइन, पिस्टल और कई दूसरे हथियार शामिल हैं। इसके अलावा हजारों गोलियां, ग्रेनेड और डेटोनेटर भी मिले हैं। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ इलाकों में भारी मात्रा में हथियार छिपाए गए हैं। इसके बाद ही पुलिस, सेना, सीएपीएफ और असम राइफल्स की टीमों ने एक साथ छापेमारी की।

पुलिस ने कहा है कि मणिपुर में शांति बनाए रखना प्राथमिकता है और आम लोगों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत दें। सुरक्षा एजेंसियां अब ऐसे ऑपरेशन लगातार चलाती रहेंगी ताकि राज्य में हालात फिर सामान्य हो सके।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 24^0

सियासी बिसात पर मोदी का अगला तुरुप का पत्ता तैयार

2029 चुनाव तक लागू हो जाएगा 33% महिला आरक्षण

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

मोदी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण लागू कर सकती है। सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिसके तहत अगले चुनाव में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की जाएंगी।

जनगणना की घोषणा हो चुकी है और उसके बाद अन्य कदम उठाए जाएंगे। महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। भाजपा का लक्ष्य अगले चुनाव में इसे लागू करना है। संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 के अनुसार, सितंबर 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण अधिनियम के अधिनियमन के बाद आयोजित पहली जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद प्रभावी होगा। सरकार ने घोषणा की है कि जाति गणना के साथ-साथ जनगणना के लिए आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया

अगले साल शुरू होगी और इससे 1 मार्च, 2027 तक देश की जनसंख्या का एक स्नैपशॉट मिलेगा। अगले लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण को वास्तविकता बनाने के लिए समय रहते परिसीमन पूरा करना होगा ताकि भारत के चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के आधार पर 2029 के चुनाव कराए जा सकें। जनगणना के आंकड़े परिसीमन के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आंकड़े उपलब्ध होने के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों को पुनः समायोजित करने और उनकी क्षेत्रीय सीमाओं को पुनः निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

दक्षिणी राज्यों में इस बात को लेकर चिंता है कि परिसीमन के कारण एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य के संवैधानिक सिद्धांत के अनुरूप लोकसभा में विभिन्न राज्यों को आवंटित सीटों का अनुपात बदल जाएगा, जिससे उत्तरी राज्यों की सीटों में उछाल आएगा, जहां 1971 के बाद से जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, तथा दक्षिणी राज्यों का सापेक्षिक महत्व कम हो जाएगा, जहां इसी अवधि में जनसंख्या दर धीमी रही है। वरिष्ठ मंत्रियों ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं का समाधान किया जाएगा तथा शिकायतों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी जाएगी।

अगली जनगणना के बाद परिसीमन के लिए संसद को परिसीमन अधिनियम पारित करना होगा, ▶10पर

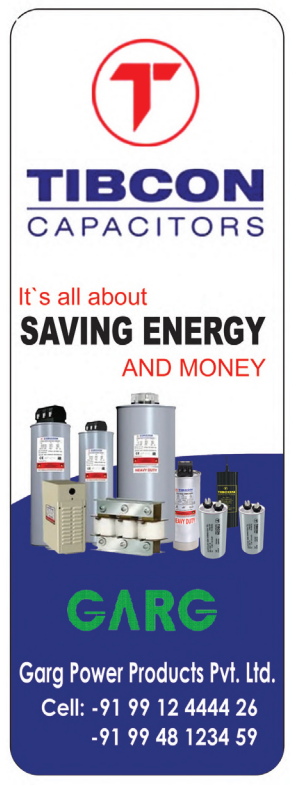

खालिस्तानियों के विरोध के बाद भी आतंकियों पर लगाम लगाने कनाडा-भारत ने कर ली डील

ओटावा, 14 जून (एजेंसियां)।

भारत और कनाडा के बीच हुए एक समझौते का खालिस्तानी जमकर विरोध कर रहे थे। आतंकियों पर लगाम कसने वाली यह डील फिर भी भारत और कनाडा के बीच कर ली गई। दोनों देशों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध और उग्रवादी गतिविधियों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी साझा करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच लगभग दो साल पहले 2023 में शुरू हुए तनाव को कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और ट्रांसनेशनल क्राइम सिंडिकेट्स के संबंध में खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करेंगी। कनाडा के लिए यह पहल उन मामलों में भी महत्वपूर्ण है जहां कथित तौर पर एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग यानी न्यायेतर हत्या की जांच की जा रही है। यहां सबसे खास बात ये है कि कनाडा ने खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद भारत के साथ इस तरह की बड़ी डील की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस समझौते की डिटेल को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है, और यह स्पष्ट नहीं है कि इसे सार्वजनिक रूप से कब घोषित किया जाएगा। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि इसे जी-7 सम्मेलन के दौरान घोषित किया जा सकता है, जहां भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच मुलाकात होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि नया तंत्र पहले से मौजूद व्यवस्थाओं की तुलना में अधिक व्यापक और उच्चस्तरीय होगा। प्रारंभिक चरण में इसमें पुलिस बलों के बीच बातचीत होगी, लेकिन बाद में इसमें अन्य एजेंसियों को भी शामिल किया जा सकता है। हाल के दिनों में दोनों देशों ने आपसी संबंध सुधारने के लिए छोटे-छोटे प्रयास किए हैं, जैसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कार्नी को चुनाव जीतने पर बधाई देना और दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर संवाद। मोदी को जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित करना भी इस बात का संकेत है कि प्रधानमंत्री कार्नी ट्रूडो के कार्यकाल में बिगड़े रिश्तों को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।कार्नी ने कहा है कि उनकी प्राथमिकताओं में विदेशी हस्तक्षेप और ट्रांसनेशनल क्राइम से मुकाबला शामिल है।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप के बड़ेबोल.....भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी खत्म कराऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और वे दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने कहा, हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तब उन्होंने कहा 2,000 साल से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह, यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंततः वे परमाणु हथियारों का रुख करते। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने परमाणु जंग को रोक दिया। मैंने दोनों से बात की, मैं दोनों देशों के नेताओं का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं और मैंने उनसे बात की। मैंने व्यापार के बारे में बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने यह बात उन दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) से कही।

ट्रंप ने ईरान से कहा, हमले में हमारा रोल नहीं, लेकिन इजराइल को पूरी सुरक्षा मिलेगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर जो हमले किए हैं, उससे अमेरिका का कोई लेना देना नहीं हैं। लेकिन उन्होंने यहां स्वीकार किया कि उन्हें पहले ही इजरायल के हमले की जानकारी हो गई थी। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि इजरायल ऐसा कुछ करने वाला है। इस तरह ट्रंप ने साफ किया कि इजरायल के हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ लगे हाथों ईरान को जता दिया कि इजरायल पर हमले का प्रयास होने पर जवाब मिलेगा। अमेरिका ने कहा कि ईरान की ओर से किसी हमले के जवाब में अमेरिका का चुप नहीं बैठेगा और इजरायल का बचाव करेगा। इस तरह ट्रंप के बयान से साफ दिखता है कि अमेरिका डबल गेम खेल रहा है। एक ओर ईरान पर इजरायल की ओर से हमले का विरोध नहीं किया। वहीं उसी अटैक के बहाने ईरान पर दबाव भी बना दिया। ट्रंप ने कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि ईरान के पास परमाणु बम हो। इसलिए हम चाहते हैं कि ईरान बातचीत के लिए टेबल पर आए।

सिंधु जल संधि पर चेतावनी देने के साथ प्रार्थना भी कर रहे पाकिस्तान के नेता

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। पाकिस्तान के चेहरे से आतंकवाद का नकाब नोचे जाने के बाद उसके नेता दुनियाभर में

द्विअर्थी संवादों से जगहंसाई करवा रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमला करने के बाद भारत के सिंधु जल संधि पर वह गरम होने के साथ चिरौरी (प्रार्थना) भी करते नजर आते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रुसेल्स में 13 जून को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कर दिखाया। बिलावल ने देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संसाधनों, खासकर पानी को हथियार में बदलने से क्षेत्र में शांति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी को रोकता है, तो पाकिस्तान के पास इसका कड़ा जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि जैसे समझौतों को कमजोर करने से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंच सकता है और दक्षिण एशिया संघर्ष की ओर बढ़ सकता है। बिलावल ने कहा, भारत की आक्रामकता का जवाब नहीं दिया जाएगा। हम अपनी जमीन पर डटे रहेंगे। बताया गया है कि इससे पहले बिलावल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बेल्जियम के सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और यूरोपीय संसद के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात की।

मध्य पूर्व में बिगड़े हालात के लिए ईरान जिम्मेदार इजराइल की रक्षा करेगा फ्रांस : राष्ट्रपति मैक्रों

इस्तांबुल (तुर्किये)/पेरिस (फ्रांस), 14 जून (एजेंसियां)।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि ईरान के हमला करने पर उनका देश इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने यह जरूर साफ किया कि फ्रांस आक्रामक अभियान में हिस्सा नहीं लेगा। मैक्रों ने ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद बढ़े तनाव के जवाब में राजनयिक मार्ग की वकालत की। इसके अलावा मैक्रों ने साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को स्थगित करने की पुष्टि की।

तुर्किये की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू की खबर में इस पर व्यापक चर्चा की गई है। अनादोलू के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों ने यह घोषणा शुक्रवार को की। मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर हमला करता है, तो फ्रांस इजरायल की रक्षा और बचाव के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा कि बढ़े तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीतिक मार्ग बेहतर विकल्प हो सकता है।

मैक्रों ने कहा, पूरे क्षेत्र में अस्थिरता के बड़े जोखिम का सामना करते हुए फ्रांस अब सभी पक्षों से आग्रह करता है कि वे तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए सबसे अधिक संयम बरतें। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा एक गंभीर मामला है। एक अस्तित्वगत मामला है। इसे अब बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि ईरान ने सीमित निम्न-स्तरीय यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने वाले अमेरिकी प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने कहा, मैं इसे अत्यंत स्पष्टता के साथ कहता हूं कि ईरान के परमाणु हथियारों की ओर बढ़ने का जोखिम क्षेत्र, यूरोप और व्यापक रूप से सामूहिक स्थिरता के लिए खतरा है। हम ऐसी दुनिया में नहीं रह सकते जहां ईरान के पास परमाणु बम हो, क्योंकि यह एक अस्तित्वगत खतरा है और हमारी सुरक्षा के लिए खतरा है।

फ्रांस में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक के बाद मैक्रोन ने यह भी घोषणा की, हमने अपने यहां सभी संभावित खतरों का सामना करने के लिए सेंटिनेल ऑपरेशन को मजबूत करने का फैसला किया है। नागरिकों, सैनिकों और दूतावासों की सुरक्षा की गारंटी के लिए कई उपाय अपनाए गए हैं।

उन्होंने यह भी पुष्टि की कि न्यूयॉर्क में फ्रांस और सऊदी अरब के संयुक्त रूप से आयोजित संयुक्त राष्ट्र समर्थित सम्मेलन को सुरक्षा कारणों से स्थगित कर दिया जाएगा। जल्द से जल्द नई तारीख तय की जाएगी। मैक्रॉन ने कहा, यह स्थगन किसी भी तरह से दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने के हमारे दृढ़ संकल्प को कमजोर नहीं करेगा। चाहे परिस्थितियां कुछ भी हों। मैंने फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। यह पूर्ण है, और यह एक संप्रभु निर्णय है।

फ्रांसीसी प्रसारक बीएफएम टीवी चैनल-13 के अनुसार, ऑपरेशन सेंटिनेल के तहत सेना के 7,000 जवानों को प्रतिदिन पूजा स्थलों और संवेदनशील स्थलों के साथ-साथ स्कूलों, पर्यटन स्थलों, ट्रेन स्टेशनों और हवाई अड्डों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर कहा गया है, इसका उद्देश्य फ्रांसीसी लोगों को रोजमर्रा के खतरों से बचाना है।

ऑपरेशन सेंटिनेल को फ्रांस में जनवरी 2015 के हमलों के बाद प्रभावी किया गया था। राष्ट्राध्यक्ष मैक्रों ने ईरानी सैन्य और परमाणु स्थलों पर इजराइल के बड़े हमलों के कुछ घंटों बाद यह बात कही। शुक्रवार की सुबह मैक्रों ने स्थिति पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि फ्रांस अपने हर नागरिक की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति पहले से है। उसे और सचेत कर दिया गया है।

इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार शाम कहा कि ईरान पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। ईरान परमाणु बम बनाने के महत्वपूर्ण चरण के करीब है। ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने देश के नागरिकों को मध्य पूर्व के देशों की यात्रा न करने की सलाह दी है।

ईरान-इजराइल के बीच हवाई संघर्ष तेज, तेल अवीव और तेहरान में भीषण विस्फोट

तेहरान (ईरान)/तेल अवीव (इजराइल), 14 जून (एजेंसियां)।

इजराइल की सैन्य कार्रवाई से प्रतिशोध की आग में झुलस रहे ईरान के जवाबी हमले से स्थिति और विस्फोटक हो गई है। अब से कुछ देर पहले ईरान की राजधानी तेहरान और इजराइल की राजधानी तेल अवीव पर भीषण विस्फोट हुए हैं। दोनों देशों ने मिसाइल और ड्रोन दागकर लोगों को थर्रा दिया।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण तेल अवीव और तेहरान में और भीषण विस्फोट हुए हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरानी मिसाइलों ने यरुशलम में भारी तबाही मचाई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने माना है कि ईरान की मिसाइलें इजराइल में गरजी हैं। इससे उत्तरी इजराइल में काफी देर तक सायरन बजते रहे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि बीजिंग इजराइल की ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद बने हालात से चिंतित है। बीजिंग का मानना है कि क्षेत्र में तनाव बढ़ाना किसी के हित में नहीं होगा। चीन ने कहा कि इजराइल, ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन न करे। संयुक्त राज्य अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजराइल में ईरानी हमलों में एक महिला की मौत हो गई और लगभग 40 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि आज हमने ईरान से तीन बैलिस्टिक मिसाइलों का सामना किया। कल से अब तक ईरान ने लगभग 150 मिसाइल दागीं। उन्होंने कहा कि ईरान के पास मात्र2,000 बैलिस्टिक मिसाइलें हैं। वह ज्यादा दिन टिक नहीं पाएगा। खबर के अनुसार, ईरान ने अपने परमाणु स्थलों पर हमलों के जवाब में इजराइल पर मिसाइलें दागकर उसकी नाक में दम कर दिया है। इजराइली लड़ाकू विमानों और ड्रोन ने शुक्रवार रात और शनिवार सुबह ईरान के कई हिस्सों में तबाही मचाई और तेहरान के परमाणु स्थलों और सैन्य नेतृत्व पर हमला किया है। हमलों के बाद ईरान की ओर से जवाबी मिसाइलों की बौछार की गई। इनमें से कई मिसाइलें तेल अवीव में इमारतों से टकराईं। इस दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

फलस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन स्थगित

फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया है। इजराइल और फलस्तीन के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान पर अगले हफ्ते प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करनी थी। मैक्रों उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें इस सम्मेलन में हिस्सा लेना था। फलस्तीनी प्राधिकरण को उम्मीद थी कि यह सम्मेलन लंबे समय से बंद पड़ी शांति प्रक्रिया को बहाल करने में मददगार साबित होगा।

शांति पुरुष का सपना देख रहे ट्रंप को इजराइल ने दिया झटका, पुतिन पहले ही दिखा चुके आईना

तेलअवीव, 14 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में वैश्विक मंच पर शांति पुरुष बनने का सपना देख रहे थे। लेकिन उनके इस मिशन को उनके करीबी सहयोगी इजरायल और उससे पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तगड़ा झटका दिया है। इजरायल ने ट्रंप की सलाह को नजरअंदाज कर ईरान पर सैन्य हमला किया, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराकर ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को चुनौती दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से इजरायल से ईरान पर हमला न करने की अपील की थी। ट्रंप ने कहा था कि उनका लक्ष्य शांति स्थापित करना है। लेकिन इसी अपील के कुछ घंटों बाद, ट्रंप के करीबी दोस्त इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भीषण हमले की घोषणा कर दी।यह

हमला ट्रंप के उस उद्देश्य को एक और झटका है, जिसमें वह खुद को शांति पुरुष बता रहे थे। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी ट्रंप की यूक्रेन में युद्धविराम की अपील को खारिज कर दिया था। इसके साथ ही, इजरायल ने गाजा पट्टी में भी एक और बड़ा सैन्य अभियान जारी रखा है। यहां भी ट्रंप प्रशासन की देखरेख में हुआ संघर्षविराम अब टूट चुका है।

ओमान में बातचीत से पहले हमला

ट्रंप के मित्र और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ यूक्रेन-रूस, इजरायल-गाजा और इजरायल-ईरान इन तीनों संकटों में मध्यस्थता कर रहे हैं। वह रविवार को ओमान में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले थे। ऐसे में इजरायल का हमला न केवल चौंकाने वाला प्रतीत हो रहा है, बल्कि अमेरिकी कूटनीति को भी कमजोर करता है।हालांकि ट्रंप ने बाद में खुद को इजरायल से पूरी तरह अलग नहीं किया। कुछ सूत्रों ने कहा कि अमेरिका के सार्वजनिक बयानों का उद्देश्य ईरान को चौंकाना था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान ने उनकी शर्तें मानने से इनकार कर दिया और हमला 60-दिवसीय अल्टीमेटम के एक दिन बाद हुआ, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसके बावजूद विटकॉफ की बातचीत क्यों तय थी।

अमेरिका-इजरायल के रुख में दरार

पूर्व पेंटागन अधिकारी और वॉशिंगटन इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ फेलो डैना स्ट्रौल ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख रहे हैं कि अमेरिका और इजरायल के दृष्टिकोण में अब एक मोड़ आ गया है। उन्होंने कहा कि ये हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कुछ समय के लिए बाधित करेंगे, लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका और इजरायल अब एक साथ मिलकर आगे क्या करेंगे। स्ट्रौल ने यह भी कहा कि ट्रंप और इजरायल के बीच पहले से ही मतभेद उभर रहे थे, खासकर जब ट्रंप ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध हटा दिए थे और पूर्व इस्लामी लड़ाका अहमद अल-शराआ को सत्ता में आने के बाद स्वीकार कर लिया।

मोहम्मद यूनुस राजनीतिक अस्थिरता के बीच लंदन में बीएनपी को साध बांग्लादेश लौटे

ढाका, 14 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में आगामी आम चुनाव की तारीखों की घोषणा पर मची राजनीतिक अस्थिरता के बीच अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस लंदन से आज स्वदेश लौट आए। मुख्य सलाहकार के वरिष्ठ सहायक प्रेस सचिव फोयेज अहमद ने कहा कि वो चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी कर ढाका लौटे। इस दौरान लंदन में प्रो. यूनुस की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान से कल हुई मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों के कान खड़े कर दिए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान आम चुनाव की मांग पर अंतरिम सरकार को घेरते रहे हैं। वह 16

साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं। इस मुलाकात के बाद उनके स्वदेश लौटने की संभावना बढ़ गई है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने लंदन के एक होटल में शुक्रवार को प्रो. यूनुस से मुलाकात की। दोनों के बीच बांग्लादेश के अगले आम चुनाव, सुधार और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। सनद रहे लंदन में दोनों के बीच चर्चा के बाद जारी बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया, %%मुख्य सलाहकार ने घोषणा की है कि चुनाव अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक होंगे। यदि सभी तैयारियां पूरी हो जाती हैं तो चुनाव 2026 में रमजान की शुरुआत से पहले के सप्ताह में भी हो सकते हैं। सनद रहे तारिक रहमान यही मांग करते रहे हैं।

इस बयान में यह भी कहा गया कि बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया का भी मानना है कि अगर चुनाव इसी समय पर कराए जाएं तो बेहतर होगा। राजनीतिक विश्लेष मानकर चल रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के बीच हुई बैठक बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। इस समय खालिदा जिया की बीएनपी बांग्लादेश में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाया चुका है। लंदन में प्रो. यूनुस का ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मुलाकात का भी कार्यक्रम था। स्टारमर ने अवामी लीग की चिंताओं के बाद यूनुस से मिलने से इनकार कर दिया।

खबर के अनुसार, इस दौरान प्रो. यूनुस ने पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन से टेलीफोन पर बातचीत की। 12 जून को उन्हें लंदन के सेंट जेम्स पैलेस में किंग चार्ल्स तृतीय हार्मनी अवार्ड मिला। उन्होंने इंडो-पैसिफिक के लिए यूके संसदीय अवर सचिव कैथरीन वेस्ट, यूके हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल, यूके के व्यापार और व्यापार सचिव और व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स, यूके के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल, एयरबस के कार्यकारी उपाध्यक्ष वाउटर वान वर्श और मेन्जीस एविएशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष चार्ल्स वाइली, राष्ट्रमंडल महासचिव शर्ली अयोर्कर बोचवे और ब्रिटेन के सांसदों के एक समूह से मुलाकात की।

आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर पर कार्रवाई

एनआईए ने पांच स्थानों से आतंकियों को दबोचा

भोपाल, 14 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और राजस्थान के झालावाड़ में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े एक साजिश के मामले में कई लोगों को दबोचा है, जिनके तार आतंकवादियों के साथ जुड़े हुए हैं।

एनआईए की ओर से बताया गया कि भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे विभिन्न आतंकवादी और कट्टरपंथी नेटवर्क और संगठनों को नष्ट करने के अपने प्रयासों के तहत एनआईए ने एक मामला दर्ज किया था। यह मामला कमजोर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की एचयूटी की साजिश से संबंधित है। युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित इस्लामिक राज्य की स्थापना करने के लिए हिंसा फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। एनआईए मामले में अपनी जांच जारी रखे हुई है।

उक्त जांच प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) की साजिश, जिसमें कि कमजोर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की दिशा में कार्य किया गया से संबंधित है। इसी के लिए भोपाल में तीन और राजस्थान के झालावाड़ में दो स्थानों पर गहन तलाशी ली गई। जिसमें कि एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण जब्त किए, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

मामले में ज्ञात हुआ है कि एनआईए की ये पूरी कार्रवाई मध्य प्रदेश एटीएस की मदद से की गई है, जिसमें कि भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र से मोहसिन नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था। एटीएस और एनआईए टीम द्वारा जब पकड़े गए मोहसिन से सख्त पूछताछ की गई तो तमाम नाम सामने आए, जो केंद्र की मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ही भारत में शरिया कानून द्वारा शासित इस्लामिक राज्य की स्थापना करने के लिए हिंसा फैलाने के कार्य में संलिप्त हैं। उसके बाद योजना से एनआईए ने इन सभी को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की, जिसके तहत आज शनिवार को मप्र एवं राजस्थान दोनों राज्यों में धरपकड़ की गई।

उल्लेखनीय है कि भोपाल में मोहसिन खान को पिछले सप्ताह पकड़ा गया था और तब से लगातार उससे पूछताछ एवं अन्य आतंकी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की जा रही थी। न्यायालय द्वारा उसे कोर्ट में प्रस्तुत कर 16 जून तक रिमांड पर लिया गया है। फिलहाल मप्र के अलावा राजस्थान में झालावाड़ जिले के मनोहरथाना कस्बे में एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस की सहायता लेते हुए काजी चौक जामा मस्जिद के पास दबिश दी है और एक कपड़ा व्यापारी की दुकान और घर दोनों पर छापामार कार्रवाई की गई है। इस संबंध में झालावाड़ पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि एनआईए टीम की ओर से सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस को उनके साथ मौके पर कार्रवाई के लिए भेजा गया था, जिसमें कि संदिग्धोंथ पर कार्रवाई की गई।

एक्सिओम -4 मिशन का प्रक्षेपण 19 जून को

चेन्नई, 14 जून (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण अब 19 जून को होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि फाल्कन नौ प्रक्षेपण यान में तरल आक्सीजन रिसाव (एलओएक्स रिसाव) की गड़बड़ी को सफलतापूर्वक ठीक कर लिया गया है।।

इस बीच केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा ''भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन की प्रक्षेपण तिथि को फिलहाल 19 जून के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।''

उधर एक्सिओम स्पेस ने बताया कि वे लोग अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ज़्वेज़्दा सर्विस मॉड्यूल में दबाव विसंगति का आकलन करने के लिए नासा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक्सिओम स्पेस अब एक्स-04 मिशन के प्रक्षेपण के लिए 19 जून को लक्ष्य बना रहा है।

गौरतलब है कि यह मिशन मूल रूप से 29 मई को प्रक्षेपित होना था लेकिन क्रू ड्रैगन मॉड्यूल के विद्युत हार्नेस में गड़बड़ी के कारण इसे आठ जून तक के लिए टाल दिया गया था।

प्रक्षेपण के लिए फाल्कन नौ प्रक्षेपण वाहन की तैयारी में देरी के कारण प्रक्षेपण को फिर नौ जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। बाद में प्रतिकूल मौसम के कारण प्रक्षेपण की तारीख दस जून कर दी गयी जिसे फिर 11 जून के लिये पुनर्निर्धारित किया गया। अब हालांकि प्रक्षेपण की संशोधित तिथि 19 जून तय की गयी है।

नीट यूजी 2025 का परिणाम घोषित

12.36 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी हुए उत्तीर्ण

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया, जिसमें 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

इस साल राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 परसेंटाइल हासिल कर टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। वहीं, मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया को दूसरा स्थान और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी को तीसरा स्थान मिला है। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।

एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के लिए ने सभी श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर भी जारी किया है। इस वर्ष सामान्य और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कटऑफ स्कोर 686 से 144 के बीच निर्धारित किया गया है। वहीं, सामान्य/ आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए यह कटऑफ स्कोर 143 से 127 के बीच है। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर 143 से 113 के बीच निर्धारित है।

उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2025 की परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी। परीक्षाएं देश के 552 शहरों के 5468 केंद्रों पर 13 भाषाओं में आयोजित हुई थी। देश के बाहर यह परीक्षा 14 शहरों में आयोजित की गयी जिसमें आबू धाबी, दुबई, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, कुवैत सिटी, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह और सिंगापुर शामिल हैं।

इस वर्ष 22 लाख 76 हजार 069 अभ्यर्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था जबकि कुल 22 लाख नौ हजार 318 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 12 लाख 36 हजार 531 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।

पिछले वर्ष नीट-यूजी 2024 में 24 लाख छह हजार 079 विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था जबकि कुल 23 लाख 33 हजार 162 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 13 लाख 15 हजार 853 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे।

इस वर्ष अनारक्षित श्रेणी के 689366, अनुसूचित जाति के 333646, अनुसूचित जनजाति के 150224, अन्य पिछड़ा वर्ग के 948507, ईडब्लूएस के 154326 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्रों की संख्या 965996 और छात्राओं की संख्या 1310062 रही। इस वर्ष की परीक्षा में 939 विदेशी अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया जबकि 11 उभयलिंगी (थर्ड जेंडर) शामिल हुए।

इजराइल-ईरान की लड़ाई में फंसे जम्मू कश्मीर के 1300 छात्र

जम्मू कश्मीर के कई घरों में संशय और चिंता का माहौल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 जून।

इजराइल-ईरान की लड़ाई में करीब 1300 जम्मू कश्मीर के छात्र भी फंसे हुए हैं। उनकी सलामती को लेकर जम्मू कश्मीर के कई घरों में चिंता और संशय का माहौल है। परिजन लगातार केंद्र सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि उन्हें वहां से निकाला जाए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला भी इसके प्रति गुहार लगा रहे हैं।

ईरान और इजराइल के बीच लगातार बढ़ते युद्ध जैसे हालात के बीच भारत में चिंता की लहर दौड़ गई है। खासतौर पर जम्मू कश्मीर से ताल्लुक रखने वाले छात्रों के परिवारों में बेचैनी बढ़ गई है, जो फिलहाल इरान में पढ़ाई कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विदेश मंत्रालय से अपील की कि वह ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि इरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा तत्काल सुनिश्चित की जाए। उनके परिवार बहुत चिंतित हैं और हम इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं। हमारे छात्रों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाया जाना चाहिए।

कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने भी केंद्र सरकार से अपील की है कि ईरान में फंसे छात्रों को जल्द से जल्द भारत लाया जाए।

ये छात्र पेशेवर शिक्षा, विशेष रूप से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए ईरान गए थे। छात्र संघ के अनुसार कई कालेज सैन्य ठिकानों के नजदीक हैं, जहां हमलों का खतरा ज्यादा है। गुरुवार रात से हमलों और सायरनों की आवाजें छात्रों को सोने नहीं दे रही हैं। छात्रों ने कहा कि वे पूरी तरह असहाय महसूस कर रहे हैं, और परिवार वाले भारत में लगातार खबरों से बेचैन हैं। कई लोगों ने बताया कि हम बहुत डरे हुए हैं। हमारे माता-पिता घर पर बहुत चिंतित हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान में फारूक अब्दुल्ला ने इजराइल और ईरान से संयम बरतने और तनाव को बातचीत के जरिए हल करने की अपील की। उन्होंने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि ईरान में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

अधिकारियों ने कहा कि एसोसिएशन को सूचित किया गया था कि कई छात्र ऐसे कालेजों और विश्वविद्यालयों में नामांकित हैं जो महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों और रणनीतिक स्थलों के बेहद करीब स्थित हैं। वे लगातार हवाई हमलों, वायु रक्षा सायरन और उनके आसपास बढ़ती सैन्य गतिविधियों की आवाजें सुन रहे हैं। कल रात से, स्थिति तेजी से बिगड़ गई है। कुछ छात्र ऐसे शहरों में भी हैं जहां सीधे इजराइली हवाई हमलों की सूचना मिली है। छात्र डरे हुए हैं और पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहे है।

संघ का कहना था कि तत्काल जोखिम और बढ़ते मनोवैज्ञानिक नुकसान को देखते हुए, हम आपके सम्मानित कार्यालय से इन छात्रों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्काल उपाय शुरू करने का आग्रह करते हैं।

हम विदेश मंत्रालय से अनुरोध करते हैं कि वह ईरान में भारतीय छात्रों और तेहरान में भारतीय दूतावास के बीच समर्पित और उत्तरदायी संचार लाइनें स्थापित करे, और सत्यापित जानकारी, आपातकालीन दिशा-निर्देश और अपडेट प्रसारित करें।

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच भारत ने नई एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

ईरान और इजरायल में संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच, इजरायल स्थित भारतीय दूतावास ने देश में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए शनिवार को नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी की।

किसी भी आपात स्थिति में दूतावास के टेलीफोन नंबर +972-54-7520711 और +972-54-3278392, या ईमेल लेपी1.ेिंशश्रींळींशर.सेंीं.ळप पर संपर्क करने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजरायल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजरायली अधिकारियों तथा होम फ्रंट कमांड की ओर से जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है।

परामर्श में भारतीय नागरिकों से सावधानी बरतने, देश के भीतर सभी अनावश्यक यात्राओं से बचने तथा निर्दिष्ट सुरक्षा आश्रयों के निकट रहने का आग्रह किया गया है।

इसमें कहा गया है, हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सहित उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें ईरान के खिलाफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के सैन्य अभियान शुरू करने के बाद विकसित स्थिति के बारे में जानकारी दी।

फोन कॉल के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे हालात के बारे में जानकारी दी। मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी सहित विश्व के नेताओं से बात की।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कल रात से जर्मन चांसलर, भारतीय प्रधानमंत्री और फ्रांसीसी राष्ट्रपति सहित विश्व नेताओं के साथ बातचीत की है। प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति (ब्लादिमीर) पुतिन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी बात करेंगे।

इसमें कहा गया है, नेताओं ने ईरान के विनाश के खतरे के मद्देनजर इजरायल की रक्षा जरूरतों के प्रति समझ दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह आने वाले दिनों में उनके साथ संपर्क में बने रहेंगे।

इससे पहले शुक्रवार को नेतन्याहू ने आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' शुरू करने की घोषणा की जो इजरायल की सुरक्षा के लिए ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए एक लक्षित सैन्य अभियान है।

देश में कोरोना संक्रमण से नौ मरीजों की मौत, कुल सक्रिय मामले 7400

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से नौ और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 87 हो गयी और 269 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ कुल सक्रिय मामले 7400 हो गये हैं। इससे पहले शुक्रवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7131 थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोराना संक्रमण से चार, केरल में तीन और राजस्थान और तमिलनाडु में एक-एक मरीज की मौत हो गयी है।

राष्ट्रीय राजधानी, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सबसे ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे जो आज बढ़कर 7400 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 11967 मरीज कोरोना के संक्रमण से से ठीक हो गये हैं।

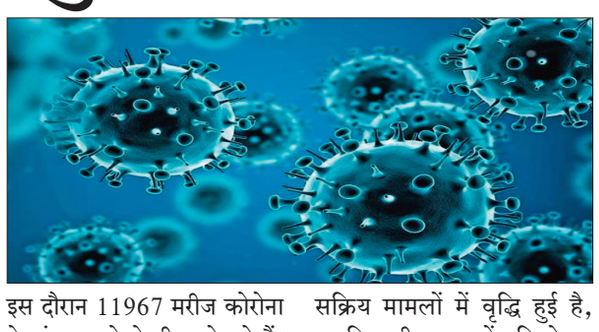

पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले गुजरात से 79, कर्नाटक से 132, केरल से 54 और मध्य प्रदेश से 20 मामले सामने आये है और दिल्ली में 42, आंध्र प्रदेश में 15 और महाराष्ट्र में 16 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, आज सुबह तक 54 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा 2109 तक पहुंच गया है और राष्ट्रीय राजधानी में 42 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 672 रह गई। गुजरात में 79 सक्रिय मामले बढ़ने से कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढकर 1437 पहुंच गयी है।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 527, तमिलनाडु में 232, उत्तर प्रदेश में 248, राजस्थान में 180, हरियाणा में 97, आंध्र प्रदेश में 102, मध्य प्रदेश में 120, छत्तीसगढ में 50, बिहार में 41, ओडिशा में 45, सिक्किम में 50, पंजाब में 29, जम्मू-कश्मीर में नौ, झारखंड में 25, असम में 26, तेलंगाना में आठ, पुड्डुचेरी में 10, मणिपुर और उत्तराखंड में पांच-पांच, गोवा में छह, लद्दाख में तीन, चंड़ीगढ़ और त्रिपुरा में दो-दो सक्रिय मामले हैं।

सरकारी अधिकारियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मास्क पहनना, बार-बार हाथ धोना और भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर जाने से बचने की अपील की है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, मौसमी वायरल बुखार के भी फैलने के साथ, स्वास्थ्य पेशेवरों ने कोविड-19 को अन्य संक्रमणों से अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

प्यार कभी भी कम नहीं करते ...

उनके फिल्में भले हिट या फ्लॉप हो , यह बात उनके प्रशंसकों को कोई मायने नहीं रखती। वह अपने पसंदीदा सुपर-स्टार को बड़े परदे पर देख कर दिलखुश होते। उन लोगों के लिए बस इतना ही काफी हैं। यह अव्याज अनुराग मिथुन चक्रबोरती को बॉलीवुड का अत्यंत प्यार स्वीकार करने वाला शक्स बना दिया। फिल्में फ्लॉप हुए तो भी उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार हैं। कल (यानि कि 16 जून, 2025) को उनकी छिहत्तरवाँ (76th) जन्म-दिन हैं। हैप्पी बर्थ डे टू हिम।

जन्मदिवस पर विशेष...

वैसे गुजरे साल ने मिथुन के मुरीदों को बहुत कुछ दी थी। केंद्र सरकार ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से मिथुन को सम्मानित की। लोग जानते हैं यह अवॉर्ड फिल्म जगत की सब से ऊंची अवॉर्ड हैं। क्यों नहीं भाई मिथुन इस श्रेष्टता के हकदार तो हैं ही। इस संदर्भ में उनसे एक टी वी चैनल वार्ता की तो वह यह बोलने से न हिचकिचाए थे कि वह एक हीरोइन के हमेशा शुक्र गुजार रहेंगे। और वह ज़ीनत अमन हैं। पहली बार एक प्रसिद्ध अभिनेत्री ने मिथुन जैसे सांवले हीरो के अपोजिट हीरोइन बनने को तैयार। 1983 में आईं तकदीर में यह जोड़ी दर्शकों के सामने आईं। उसके बाद मिथुन ने न जाने कितने फेमस , नवोदित नायिकाओं से अपना रंग जमाएँ, यह जग जाहिर हैं। मिथुन ने तो यह भी कह कर अपना कृतज्ञता का परिचय दी कि उनके परिधानों को 'बड़ासाब' के किशोर बजाज चयन कर सौंपते थे। (किशोर बजाज अब हमारे बीच नहीं रहें।)

मिथुन कभी तृणमूल काँग्रेस में थे, बाद में भाजपा में चले गए। अस्तु , इसे हम गौर नहीं करते। हमें हमारे मिथुन जन मानस का सदा बहार अभिनेता, हसीन मुस्कुराहट बिखेरनेवाला, दिल को स्पर्श करने वाले उम्दा अदाकारी से रिझाने वाला, लाजवाब मनमोहक अभिनय शक्ति वा नृत्य प्रतिभा से लाखों सिनेमा प्रेमियों का मन लुभाने वाले मिथुन को, छोटे फिल्म निर्माताओं को सहारा देने वाले मिथुन को, कचरा कुंडी में फेंकी गई एक नवजात बच्ची को गोद ले कर के अपना घर का नाम देने वाले दिलदार मिथुन को, फिल्म जगत के अनिश्चितताओं से परे होटल व्यापार में पदार्पण कर बहुत लोगों को रोजगार दिलाया व्यक्ति मिथुन को, चोटी परदे पर डांस शो में जज बन कर उत्साहिक कलाकारों के हौसला वर्धन करने वाले मिथुन को जी हाँ हम जी जान से सदैव चाहते ही रहेंगे। वह हमारे हृदय का सिंहासन पर विराजमान हैं मिथुन चक्रबोरती बन कर। भगवान उन्हें लंबी उम्र का कटाक्ष करें।

– दिलीप, मियापुर, हैदराबाद

दिशा पाटनी की गुप्त ज़िंदगी, ऐनिमेशन की दीवानी और जानवरों की मम्मी

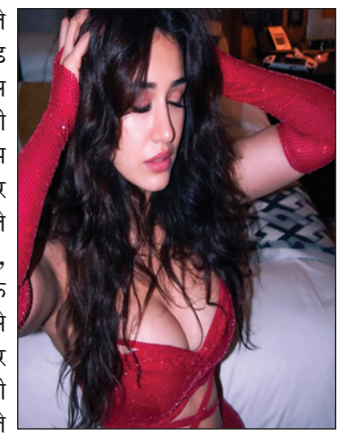

जब आप दिशा पाटनी के बारे में सोचते हैं, तो शायद आपके ज़हन में रेड कार्पेट की शानदार तस्वीरें, तराशे हुए एब्स और धुआंधार एक्शन रोल्स की झलक उभरती है। वो बॉलीवुड की ग्लैम क्वीन हैं, इंस्टाग्राम की स्टार, जिनकी हर फिटनेस पोस्ट और फैशन मूव पर लाखों फॉलोअर्स फिदा रहते हैं। लेकिन अगर आप डिज़ाइनर लेबल्स, क्यूरेटेड फीड्स और कैमरों की चमक को एक तरफ रख दें, तो आपको एक बेहद ज़मीन से जुड़ी हुई लड़की मिलेगी, जिसे पजामा पहनकर ऐनिमेशन देखना ज़्यादा पसंद है। दिशा पाटनी खुद को एक ऐनिमेशन गीक मानती हैं। भले ही उनका ग्लैमर लुक हॉलीवुड का एहसास देता हो, लेकिन उनका आइडियल वीकेंड अक्सर इंस्टेंट रेमन और ऐनिमेशन मैराथन में बीतता है। जापानी ऐनिमेशन के लिए उनका प्यार महज एक फैन का क्रश नहीं है – ये उनकी असल दुनिया का अहम हिस्सा है। दिशा की एक और साइड जो शायद लोगों की नज़रों से छुपी रहती है, वो है उनका जानवरों के प्रति गहरा प्रेम। वो सिर्फ एक पैसिव एनिमल लवर नहीं हैं, बल्कि एक डेडिकेटेड पेट पैरेंट हैं। उनका अपने पालतू जानवरों से रिश्ता सिर्फ क्यूट इंस्टाग्राम स्टोरीज़ तक सीमित नहीं है; वो उन्हें प्यार से पालती हैं, उनका ख्याल रखती हैं और हर रोज़ का हिस्सा मानती हैं।

सुपरस्टार होने के बावजूद, दिशा एक बेहद प्राइवेट और सिंपल लाइफ जीती हैं। उन्हें न तो पार्टीज़ का खास शौक है, न ही हर वक़्त मीडिया में छाए रहना। उनके खाली पल में सुकून होता है, घर की वर्कआउट रूटीन, अपने पेट्स के साथ खेलना, स्केचिंग करना, और हां...ऐनिमेशन देखना। यही विरोधाभास बाहर से ग्लैमरस और अंदर से एक सच्ची, सरल आत्मा-दिशा पाटनी को इतना दिलचस्प बनाता है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन शंघाई फिल्म फेस्टिवल में पहुंची

कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म चंदू चैंपियन 27वें शंघाई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पहुंची है। फिल्म के निर्देशक कबीर खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक साल और चैंपियन अभी भी मजबूती से चल रहा है। चंदू चैंपियन को शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया और इसने दो पुरस्कार जीत लिए।

कबीर खान निर्देशित फिल्म में कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी, जिसने हाल ही में संपन्न न्यूयॉर्क इंडी फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि कार्तिक ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। यह बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा एक असाधारण व्यक्ति की कहानी है, जो अडिग दृढ़ संकल्प के साथ लगातार चुनौतियों का सामना करता है।

उनकी भावना ऐतिहासिक उपलब्धि की राह पर ले जाती है। कबीर की बात करें तो उन्होंने डॉक्यूमेंट्री फिल्मों में काम करके अपना करियर शुरू किया और फिर 2006 में एडवेंचर थ्रिलर 'काबुल एक्सप्रेस' के साथ फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रखा। उन्हें 'न्यूयॉर्क', 'एक था टाइगर', 'बजरंगी भाईजान' और '83' के निर्देशन के लिए जाना जाता है। इस बीच, कार्तिक वर्तमान में अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, जो 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

करण जौहर ने 2 जून को अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें कार्तिक और अनन्या भारतीय पासपोर्ट के पीछे एक-दूसरे को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उन दोनों की यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' के बाद दर्शकों को देखने को मिलेगी। दोनों की आगामी फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमा घरों में आएगी।

किताबों से नहीं, असली अभ्यास से बेहतर होती है एक्टिंग : सौंदर्या शर्मा

हाउसफुल 5 की एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा का मानना है कि एक्टिंग सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, असलियत में एक्टिंग करना। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी किताबें पढ़ लो या बातें सुन लो, लेकिन अभिनय की समझ और कला सिर्फ अभ्यास से ही बेहतर होती है। सौंदर्या ने दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने थिएटर और सिनेमा, दोनों में काम किया है। साथ ही दोनों जगहों के अनुभव को साझा किया।

सौंदर्या ने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में वर्कशॉप किया है। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में ली स्ट्रासबर्ग थिएटर में पढ़ाई की और वहां एनवाईएफए से एक्टिंग का कोर्स भी किया है।उन्होंने कहा कि वह थिएटर और सिनेमा दोनों में अभी नई हैं। वह अभी भी सीख रही हैं कि इस इंडस्ट्री में काम कैसे होता है और चीजें कैसे चलती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, थिएटर और सिनेमा पर काम करना अलग होता है। थिएटर में जब आप एक्टिंग करते हो, तो आपको स्टेज के आखिरी कतार में बैठे लोगों तक अपनी बात पहुंचानी होती है। वहां हर भावना, हर किरदार को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना होता है। उन्होंने आगे कहा, भावनाएं तो वही होती हैं, लेकिन उन्हें दिखाने का तरीका अलग होता है। 'हाउसफुल 5' पूरी तरह से अलग फिल्म है। इसमें ज्यादा अलग-अलग भावनाएं नहीं हैं। इसमें खुशी और मस्ती का माहौल रहता है, जैसे रोजमर्रा की जिंदगी में होता है। लेकिन हां, जब मैं और काम करूंगी, तो बहुत कुछ सीख पाऊंगी। इंसान सिर्फ काम करके ही अच्छा बनता है। एक्टिंग सीखने से नहीं, बल्कि असलियत में करने से आती है और अभ्यास से बेहतर होती है। यह मेरी राय है। इससे पहले आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने बताया था कि उनके लिए 'लाल परी' का खिताब क्या मायने रखता है। उन्होंने अपने जवाब में कहा था, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, 'अरे देखो, लाल परी सौंदर्या', तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। जब उनके 'लाल परी' टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की 'मुन्नी बदनाम' और कैटरीना कैफ की 'शीला की जवानी' से की गई थी, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा था, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

योग को बनाएं जीवन का हिस्सा

विश्व योग दिवस से पहले हेमा मालिनी की अपील

दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने हर साल 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी से योग करने का आग्रह किया है। इस वर्ष विश्व योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग को साझा करते हुए उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग का अभ्यास करने की अपील की।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए योग को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि 21 जून को हर साल 'विश्व योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हमारे मथुरा के लोग भी पूरे उत्साह के साथ इस दिन को मनाते हैं। इस वर्ष की थीम है – 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'। उन्होंने कहा, मेरी सभी से हार्दिक अपील है कि वे विश्व योग दिवस में भाग लें और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मैं भी हर दिन योग का अभ्यास करती हूं।

योग के फायदों का जिक्र करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि योग से हम स्वस्थ शरीर के साथ-साथ खुशहाल मन भी पा सकते हैं। सभी लोग योग करें और स्वस्थ रहें। पिछले महीने मन की बात कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष की थीम की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि अब यह दिन योग के एक भव्य महोत्सव का रूप ले चुका है। यह भारत की ओर से मानवता को दिया गया ऐसा अमूल्य उपहार है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत उपयोगी होने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज योग और हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के प्रति जिज्ञासा पूरी दुनिया में बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा, स्वास्थ्य के उत्कृष्ट माध्यम के रूप में योग और आयुर्वेद को अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामान्य योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे।

निया शर्मा ने शेयर की इंग्लैंड वेकेशन की यादें, स्टाइलिश अंदाज में आईं नजर

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा ने अपनी इंग्लैंड वेकेशन की यादों को ताजा करते हुए प्रशंसकों के साथ कुछ खास तस्वीरें साझा कीं। निया ने सोशल मीडिया पर थ्रोबैक तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनका स्टाइलिश और बिंदास अंदाज देखने को मिला।

निया शर्मा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह सड़क पर पोज देती नजर आईं, जिसमें वह ब्लैक और रेड कलर की स्वेटशर्ट, लेगिंग्स, मैचिंग जूते और हैंडबैग में दिखीं। अपने लुक को और निखारने के लिए निया ने बालों को मेसी बन में बांधा था। इसके साथ ही वह ब्लैक कलर के चश्मे को लगाए नजर आईं।अन्य तस्वीरों में वह दोस्तों के साथ कार में मस्ती करती, बस का इंतजार करती और स्थानीय लोगों के साथ फोटो खिंचवाती दिखीं। एक तस्वीर में उन्होंने लाल स्वेटशर्ट की जगह काली जैकेट पहनी थी।

निया ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, मेरा क्लाउड स्टोरेज मुझसे बोल रहा है 'स्टोरेज मैनेज करो' और मैं अगली छुट्टियों की प्लानिंग कर रही हूं।निया की यह वेकेशन पोस्ट और उनका बिंदास अंदाज प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। इससे पहले, अभिनेत्री निया शर्मा ने अपनी मां के खास दिन यानी बर्थडे की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में अपनी भावनाएं व्यक्त की थी। निया शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के जन्मदिन के जश्न की तस्वीरों का एक एल्बम पोस्ट किया। केक काटने से लेकर शानदार दावत और अकेले फोटो खिंचवाने तक, उनकी इंस्टा पोस्ट में सब कुछ था।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर के दौरान ऐसा समय भी आया जब उन्हें काम की वजह से कई बार मुश्किलों का सामना करना पड़ा। निया शर्मा ने खुलासा किया कि उन्हें सोशल मीडिया पर समय बिताना और फिल्में देखना पसंद है, लेकिन वह अपने स्क्रीन टाइम पर नजर रखती हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो निया इन दिनों रियलिटी कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' में नजर आ रही हैं, जहां उनकी जोड़ी कॉमेडियन सुदेश लहरी के साथ है। इस शो में रुबीना दिलैक, राहुल वैद्य, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, एल्विश यादव, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे सितारे भी हिस्सा ले रहे हैं।

मिथुन राशि में आज प्रवेश करेंगे सूर्य

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। 15 जून को सूर्य देव वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में 1 महीने तक रहेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 15 जून को ग्रहों के राजा सूर्य देव मिथुन राशि में गोचर शुरू करेंगे और 16 जुलाई तक इसी राशि में मौजूद रहेंगे। 15 जून को सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे। जहां पहले से ही गुरु विराजमान हैं। ऐसे में दोनों ग्रहों के एक साथ मिथुन राशि में होने से गुरु आदित्य राजयोग बनेगा। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

गुरु सूर्य की युति

सूर्य गोचर मिथुन राशि में होने जा रहा है। आज सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जहां पहले से ही गुरु विराजमान हैं। ऐसे में ग्रहों के राजा सूर्य की युति भाग्य, समृद्धि, ज्ञान, और सम्मान के कारक ग्रह गुरु के साथ होने वाली है। सूर्य औप गुरु की युति से गुरु आदित्य राजयोग भी बनेगा। ज्योतिष शास्त्र में गुरु और सूर्य के मित्रतापूर्ण संबंध बताए गए हैं। दोनों शुभ ग्रहों के एक साथ मिथुन राशि में होने से कई राशियों को लाभ मिलने वाला है। ऐसे में जून का महीना 5 राशियों के लिए विशेष रूप से फलदायी रहने वाला है।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया पर असर

शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

ज्योतिषाचार्या से जानते हैं सूर्य के मिथुन राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि

भाग्य का भरपूर साथ मिलने वाला है। नौकरी में प्रभाव और प्रतिष्ठा वृद्धि की संभावना है। कार्यक्षेत्र में लाभ की स्थिति रहेगी। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे।

वृषभ राशि

परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सूर्य देव की विशेष कृपा रहेगी, इसलिए प्रयास में कमी न करें। नौकरीपेशा जातकों का प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में सुधार होगा।

मिथुन राशि

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। धन सही कार्यों में खर्च होगा। मन में किसी प्रकार का डर बना रहेगा। किसी को उधार देने से बचें। क्रोध से बचना होगा। स्वभाव में चिड़चिड़पन रहेगा।

कर्क राशि

इस गोचर काल में भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। हालांकि कोट कचहरी से संबंधित मामलों में राहत मिलने की संभावना है। समर्पित परिश्रम से वरिष्ठों को संतुष्ट कर पाएंगे।

सिंह राशि

सूर्य गोचर के दौरान स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना होगा। कामकाज में किसी प्रकार का साथ लाभ की प्राप्ति करवाएगा। कार्य योजनाओं को इच्छानुसार पूरा कर पाएंगे।

कन्या राशि

भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय के लिए सूर्य गोचर उत्तम रहेगा। व्यापारी वर्ग को विशेष रूप से अच्छे फल प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि

खराब स्वास्थ्य आपको बेचैन करेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। नौकरीपेशा ऑफिस में आने वाली बाधाओं से परेशान हो सकते हैं। व्यापारी वर्ग की हालात सामान्य बन रहेंगे।

वृश्चिक राशि

नौकरी में तबादला हो सकता है। मन में क्रोध और निराशा का संचार होगा। धन संबंधित मामले अच्छे रहेंगे। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। सामाजिक जीवन अच्छा व्यतीत नहीं होगा।

धनु राशि

नौकरी में अच्छा धन लाभ होगा। प्रमोशन होने के संकेत मिल रहे हैं। व्यापारियों के लिए लाभ की स्थिति बनी हुई है। निवेश करने से पहले विशेषज्ञ मार्गदर्शन लेना सही रहेगा।

मकर राशि

गोचर काल में घर पर कोई धार्मिक कार्य संपन्न होने का योग रहेगा। जीवन में कई सफलताएं प्राप्त होगी। जिससे आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकता है।

कुंभ राशि

कामकाज के क्षेत्र में लाभदायक स्थिति बनेगी। इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। शैक्षणिक कार्यों में सुखद परिणाम मिलेंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन राशि

नौकरी में परिवर्तन के योग है। किसी दूसरे शहर जाना पड़ सकता है। इस गोचरकाल में वाहन या मकान खरीद सकते हैं। परिवार का ध्यान रखेंगे। उनकी जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।

आज बुधादित्य राजयोग का उत्तम संयोग
विभिन्न राशियों को होगा लाभ

आज यानी 15 जून रविवार है और आज ग्रहों में सूर्यदेव का आधिपत्य रहेगा। इस पर आज सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे जिससे आर्ज शुभ योग का निर्माण होगा। आज आषाढ़ संक्रांति का संयोग बनेगा। इसके साथ ही मिथुन राशि में आज सूर्य पहले से मौजूद बुध और गुरु के साथ त्रिग्रह योग बनाएंगे। इसके साथ ही आज दिन रात चंद्रमा का गोचर श्रवण नक्षत्र में मकर राशि में होगा। इस वजह से आज ऐंद्र योग का भी सुंदर संयोग बनेगा। इसके साथ ही आज रविवार को भद्र और बुधादित्य राजयोग का भी उत्तम संयोग बन रहा है। इस पर आज रविवार होने से आज का दिन सूर्यदेव को समर्पित रहेगा। ऐसे में आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी उपरांत पंचमी तिथि का संयोग बनेगा। ऐसे में आषाढ़ संक्रांति पर सूर्य देव की कृपा और बुधादित्य राजयोग से मिथुन सहित अन्य राशियों के जातकों को आज जमकर लाभ होने वाला है। आज इन राशियों की किस्मत सूर्यदेव के तेज की तरह चमकेगी। इनके कार्य तेजी से पूरे होंगे और आर्थिक रूप से इन्हें मजबूती मिलेगी। परिवार में भी इनके सुख शांति रहेगी। ऐसे में आइये जानते हैं आज 15 जून रविवार का दिन इन 5 राशियों के लिए किन किन मामलों में भाग्यशाली रहने वाला है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। आज चंद्रमा आपकी कुंडली के भाग्य भाव में होंगे और आपको आर्ज मामलों में लाभ देकर जाएंगे। कारोबार में आपके कार्य सफल होंगे। आपको कम मेहनत में अधिक फायदा मिलेगा। आप पर आज सूर्यदेव की ऐसी कृपा होगी कि आपके प्रतिद्वंद्वी आपके कार्यों में अड़चनें पैदा करने से पहले चार बार विचार करेंगे। आज का दिन आपके लिए सुख समृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपका लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है। यात्रा आपके लिए फायदेमंद रहने वाली है। इसके साथ ही आज आपके मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। आपकी उपलब्धियों की गूंज दूर तक सुनाई देगी। धार्मिक कार्यों में आज आपका मन लगेगा। परिवार में पिता का हर कदम पर सहयोग मिलेगा। जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। वैवाहिक जीवन में आज सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज रात को सोने से पहले अपने सिरहाने की तरफ एक बर्तन में दूध रखें। अगली सुबह इसे बबूल के पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें। इससे आपके संकटों का नाश होगा।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके कार्यों में तेजी आएगी। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे। आप कुछ चीजों में आज बदलाव करने का प्रयास कर सकते हैं, जो आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएंगे। इसके साथ ही आज आपको अपनी योजनाओं को पूरा करने में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज के दिन की अच्छी बात यह है कि आपको परिवार की तरफ से कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके अलावा घर के किसी वरिष्ठ सदस्य से आपको पारिवारिक विरासत से जुड़ी कोई चीज मिल सकती है, जिससे आप गौरवान्वित महसूस करेंगे। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। कहीं दान पुण्य करने में संकोच नहीं करेंगे। नौकरीपेशा जातकों को आज मनचाहा ट्रांसफर मिल सकता है। इससे आपका मन काफी प्रसन्न होगा। दांपत्य जीवन की बात करें तो आज का दिन आपके रिश्तों में मधुरता को बढ़ाने वाला होगा। आप एक दूसरे का हर काम में सहयोग करेंगे।

उपाय : आज पीपल को जल दें। इसके बाद पीपल की जड़ के पास चौमुखी दीया जलाएं और 7 बार पेड़ की परिक्रमा करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

सिंह राशि – आज रविवार का दिन सिंह राशि के जातकों के लिए बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको घर से लेकर कार्यक्षेत्र तक में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। आप अपने कार्यों को काफी गंभीरता और मेहनत के साथ पूरा करेंगे जिससे आज आपको मनचाही सफलता मिलने के आसार भी बढ़ जाएंगे। इसके साथ ही आज का दिन पार्टनरशिप के कार्यों में अतिरिक्त लाभ देकर जाएगा। अगर आप साझेदारी में काम करते हैं तो आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। इसके अलावा आप आज कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो आपको पार्टनरशिप में फायदा हो सकता है। आज का दिन निवेश के लिहाज से अच्छा साबित हो सकता है। जीवनसाथी के नाम पर दीर्घकालिक निवेश कर सकते हैं। आपको उनके भाग्य का भी साथ मिलेगा। इसके साथ ही घर में किलकारियां गूंज सकती हैं। संतान पक्ष की तरफ से खुशखबरी मिल सकती है। वैवाहिक रिश्तों में मिठास रहेगी। जीवनसाथी आपके कहे बिना आपकी भावनाओं को समझ लेगा।

उपाय : आज सूर्य नारायण को अर्घ्य दें। इसके बाद बरगद के पेड़ का एक पत्ता लें और उस पर अपनी मनोकामना लिख दें। इसके बाद इसे साफ जल में प्रवाहित कर दें। आपकी इच्छा पूरी होगी।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको कारोबार में मनचाहा मुनाफा मिलने के आसार हैं। आज आप अपनी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता के दम पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति को आकर्षित करने में सफल रहेंगे जिसकी मदद से आपको बेहतरीन सौदा हासिल हो सकता है। इससे आप अच्छा लाभ कमाएंगे और अपने कारोबार का विस्तार भी करेंगे। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आज आप कार्यों को बस यूं ही नहीं निपटाएंगे बल्कि आप अपनी क्रिएटिव सोच का इस्तेमाल करेंगे, जिससे आप बेहतरीन परिणाम हासिल करेंगे। आपकी अलहदा सोच प्रशंसा के पात्र होगी और आपको सम्मान दिलाएगी। आज आपको पूर्व में किया गया निवेश अच्छा लाभ देकर जा सकता है। प्रॉपर्टी से जुडे.काम करने वालों को खरीद फरोख्त में अच्छा लाभ होने के आसार हैं। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन इच्छित सफलता दिलाने वाला हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

उपाय : आज सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें। इसके बाद तांबे के लोटे में रोली और लाल फूल डालकर सूर्यदेव को जल दें और ऊं घृणि: सूर्याय नम: मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन अत्यंत लाभदायक रहने वाला है। आज आपको विदेश से लाभ होने के आसार हैं। अगर आप आयात और निर्यात से जुड़ा काम करते हैं तो आज आपको अतिरिक्त लाभ हो सकता है। इसके साथ ही अगर आप करियर, कारोबार या घूमने के लिए विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज आपको उम्मीद की किरण मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपको आमदनी में इजाफा करने के नए मौके मिल सकते हैं। इन्हें भुनाकर आप अच्छा लाभ जुटा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि आप अपने धन का फिजूल के कार्यों में खर्च नहीं करेंगे, बल्कि उसे सही मद में लगाएंगे। अगर आप अस्पताल, मेडिआज स्टोर या पैथोलॉजी से जुड़ा काम करते हैं तो आज आपको विशेष रूप से लाभ अर्जित हो सकता है। इसके साथ ही आपका रुझान आध्यात्मिकता की ओर बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ आज आपका सामंजस्य बना रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। घर में माहौल अनुकूल रहेगा।

उपाय : आज सुबह स्नान ध्यान के बाद 11 कौड़ियों की विधि-विधान से पूजा करें। फिर इन्हें लाल पोटली में बांधकर धन रखने वाले स्थान पर रख दें। इससे आपकी आर्थिक दिक्कतें दूर होंगी।

रास्ते में पड़ी कुछ विशेष चीजों को लांघने से
व्यक्ति को जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का सामना करना पड़ता

हम अक्सर रास्ते पर चलते समय सड़क पर अजीब-अजीब सी चीजों को पड़ा देखते हैं। वहीं, कई अजीब प्रकार की वस्तुएं चौराहे पर रखी हुई भी नजर आती हैं, जिनके बारे में हमें घर में समझाया जाता है कि उनसे बचकर चलना चाहिए। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल जरूर आता है कि रास्ते में या चौराहे पर पड़ी चीजों को लांघने से आखिर क्यों मना किया जाता है। हमारे शास्त्रों में भी इसे लेकर कई महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रास्ते में पड़ी कुछ विशेष चीजों को लांघने की गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है और जीवन बाधाओं से भर जाता है।

ये वस्तु लांघने से जीवन में आती है नकारात्मकता

अगर रास्ते में जाते वक्त आपको सड़क पर नींबू-मिर्च पड़ी मिल जाए, तो इसे गलती से भी नहीं लांघना चाहिए। अक्सर लोग इसे अपने घर की नकारात्मकता दूर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अगर आप जाने अनजाने में रास्ते में पड़े नींबू-मिर्च को लांघ दें, तो इससे जीवन से सकारात्मकता जाने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है। इसका सीधा असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है और आपको मानसिक तनाव का सामना भी करना पड़ सकता है।

ये चीज लांघने से नकारात्मक शक्तियां दे सकती हैं दस्तक

माना जाता है कि कई लोग अपने जीवन की परेशानियों और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने के लिए चौराहे या रात में सड़क पर टोटके करते हैं। ऐसे में अगर आपको रास्ते में जाते वक्त कहीं बीच में अगरबत्ती या धूपबत्ती की राख और पूजा की सामग्री दिख जाए, तो उसे लांघने की गलती बिल्कुल भी न करें। ऐसा करने से उसी वक्त से आपको कई मामलों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और जीवन में नकारात्मक शक्तियां दस्तक दे सकती हैं।

इसे लांघने से हो सकते हैं कंगाल

हमें रास्ते पर कई बार पैसे या सिक्के पड़े हुए मिल जाते हैं। कई लोग जमीन पर पड़े सिक्कों को लांघकर चले जाते हैं। ऐसी भूल बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। रास्ते पर पड़े सिक्कों या पैसों को लांघना धन की देवी माता लक्ष्मी के अपमान के समान होता है। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। रास्ते में पड़े पैसों को लांघने से व्यक्ति के जीवन में कंगाल भी छा सकती है।

इन चीजों को लांघने से बुरा वक्त हो जाएगा शुरू

शास्त्रों में कुछ चीजों को लांघना वर्जित माना गया है। अगर आपको रास्ते या चौराहे में हल्दी, सिंदूर या चावल जैसी चीजें दिख जाएं तो उन्हें गलती से भी नहीं लांघना चाहिए। माना जाता है कि ये वस्तुएं तंत्र क्रिया का हिस्सा हो सकती हैं, जो अक्सर लोग रात के समय कर सकते हैं। अगर आप इन चीजों लांघ देते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मान्यताओं के अनुसार, चावल, सिंदूर या हल्दी जैसी चीजों को लांघने से व्यक्ति का बुरा वक्त शुरू हो सकता है और जीवन से खुशहाली जाने लगती है।

इसे लांघने से जीवन में आता है दुर्भाग्य

अगर आपको कहीं जाते वक्त सड़क पर दो टुकड़ों में रखा हुआ नारियल या नारियल और उसके साथ पूजा सामग्री दिख जाए, तो उससे तुरंत दूर हो जाना चाहिए। शास्त्रों में रास्ते में रखी इन चीजों को भी तांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना गया है। ऐसे में अगर आप इस नारियल को गलती से लांघ देते हैं तो जीवन में दुर्भाग्य आ सकता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव भी बढ़ सकता है। ऐसे में भूलकर भी रास्ते के बीच पड़ी ऐसी किसी भी चीज को नहीं लांघना चाहिए, जो पूजा की वस्तुओं से संबंधित हों।

जिज्ञासा

रात को क्यों निकलता है चमगादड़

बच्चो, शाम ढलते ही चमगादड़ दिखने लगता है। उन्हें देखकर आपके मन में यह बात जरूर उठती होगी कि आखिर क्या कारण है कि चमगादड़ रात में ही निकलता है, दिन में नहीं?

दरअसल, चमगादड़ के रात में निकलने के दो कारण हैं। रात के समय भोजन के लिए उसे अन्य पक्षियों की अपेक्षा कम मेहनत करनी पड़ती है और आसानी से वह भोजन की व्यवस्था कर लेता है। दूसरी बात कि सांप, उल्लू, बाज और बैट हॉक (एशियन बर्ड) जैसे चमगादड़ को खाने वाले पक्षी दिन के समय सक्रिय रहते हैं। अगर चमगादड़ दिन में निकला, तो उसकी जान की खैर नहीं। ये सारे पक्षी उसका शिकार करने का एक भी मौका नहीं चूकेंगे, और बेचारे चमगादड़ को अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। दिन में चमगादड़ पेड़ के गुच्छों में या गुफाओं में झूलता रहता है।

मक्खी का दिमाग

एक मधुमक्खी का दिमाग बहुत तेज और चमत्कारी होता है। वह पराग कण इकट्ठे करने में खर्च होने वाली ऊर्जा का सटीक अनुमान लगा सकती है। वह देखकर ही दूरी का अनुमान भी लगा लेती हैं।

तबाही का दूसरा नाम सुनामी

सुनामी जापानी शब्द है, जो सू और नामी से मिल कर बना है सू का अर्थ है- समुद्र तट और नामी का अर्थ है- लहरें। सुनामी लहरें समुद्री तट पर खतरनाक ढंग से हमला करती हैं और जान-माल का बुरी तरह नुकसान कर सकती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं...

समुद्र के भीतर अचानक जब बड़ी तेज हलचल होने लगती है, तो उसमें उफान उठता है, जिससे ऐसी लंबी और बहुत ऊंची लहरों का रेला उठना शुरू हो जाता है, जो जबरदस्त आवेग के साथ आगे बढ़ता है। इन्हीं लहरों के रेले को सुनामी कहते हैं। प्राकृतिक आपदाओं में सुनामी तबाही का दूसरा सबसे बड़ा नाम है।

क्या है सुनामी

दरअसल, सुनामी बहुत बड़ी-बड़ी लहरें होती हैं, जिनकी चौड़ाई सैंकड़ो किलोमीटर तक हो सकती है, यानी इन लहरों के निचले हिस्सों के बीच का फासला सैंकड़ों किलोमीटर का होता है। पर जब ये तट के पास आती हैं, तो लहरों का निचला हिस्सा जमीन को छूने लगता है, इनकी गति कम हो जाती है और ऊंचाई बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब ये तट से टकराती हैं, तो तबाही होती है। इन लहरों की गति 400 किलोमीटर प्रति घंटा तक और ऊंचाई 10 से 17 मीटर तक होती है, यानी पानी की चलती दीवार जैसी दिखती हैं और वह भी खारा पानी।

पहले सुनामी को समुद्र में उठने वाले ज्वार के रूप में भी लिया जाता रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल, समुद्र में लहरें चांद, सूरज और ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से उठती हैं, लेकिन सुनामी लहरें इन आम लहरों से अलग होती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं। प्रशांत महासागर में सुनामी की घटनाएं बहुत आम हैं, पर बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर व अरब सागर में सुनामी आमतौर पर कम ही आती हैं। शायद यही कारण है कि भारतीय भाषाओं में सुनामी के लिए विशिष्ट नाम नहीं है।

इसलिए आती है सुनामी

सुनामी लहरों के पीछे वैसे तो कई कारण होते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा असरदार कारण है भूकंप। इसके अलावा जमीन धंसने, ज्वालामुखी फटने, किसी तरह का विस्फोट होने और कभी- कभी उल्कापात के असर से भी सुनामी लहरें उठती हैं।

भूकंप का प्रभाव

जब कभी भीषण भूकंप की वजह से समुद्र की ऊपरी परत अचानक खिसक कर आगे बढ़ जाती है, तो समुद्र अपनी समांतर स्थिति में ऊपर की तरफ बढ़ने लगता है। जो लहरें उस वक्त बनती हैं, वो सुनामी लहरें होती हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं कि हर भूकंप से सुनामी लहरें बनें। इसके लिए भूकंप का केंद्र समुद्र के अंदर या उसके आसपास ही होना जरूरी है।

तट आगमन पर प्रभाव

जब ये सुनामी लहरें किसी भी महाद्वीप की उस परत के उथले पानी तक पहुंचती हैं, जहां से वो दूसरे महाद्वीप से जुड़ा है और जो कि एक दरार के रूप में देखा जा सकता है। वहां सुनामी लहर की तेजी कम हो जाती है। वो इसलिए, क्योंकि उस जगह दूसरा महाद्वीप भी जुड़ रहा है और वहां धरती की जुड़ी हुई परत की वजह से दरार जैसी जो जगह होती है, वो पानी को अपने अंदर रास्ता देती है। लेकिन उसके बाद भीतर के पानी के साथ मिल कर जब सुनामी किनारे की तरफ बढ़ती है, तो उसमें इतनी तेजी होती है कि वो 30 मीटर तक ऊपर उठ सकती है और उसके रास्ते में चाहे पेड़, जंगल या इमारतें कुछ भी आएं, सभी का सफाया कर देती है।

सुनामी की भविष्यवाणी

सुनामी के बारे में भी अंदाजा नहीं लगा जा सकता था, लेकिन महाकाल रूपी सुनामी का डर अब समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को ज्यादा नहीं सताएगा। बिना बताए चुपके से अपनी आगोश में समेट लेने वाली इस जानलेवा लहर के बारे में अब पहले से भविष्यवाणी की जा सकेगी। वैज्ञानिकों ने सुनामी की भविष्यवाणी करने और इसकी विनाशता के बारे में पहले से चेताने का एक गणितीय फार्मूला निकाला है। न्यूकासल यूनिवर्सिटी के मैथ्स के प्रोफैसर रॉबिन जॉन्सन की अगुआई में वैज्ञानिकों ने इस फार्मूले को खोजा है। सुनामी के अब तक के रिकॉर्ड और महाद्वीपों की स्थिति को देखकर वैज्ञानिक कुछ अंदाजा भी लगा सकते हैं।

सुनामी का कहर

26 दिसंबर, 2004 को हिंद महासागर के गर्त में 9.15 की तीव्रता वाले भूकंप के कारण आई सुनामी ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में भारी तबाही मचाई। सबसे ज्यादा इंडोनेशिया प्रभावित हुआ, सबसे ज्यादा लोग सुमात्रा द्वीप पर मारे गए। समुद्र से आती सुनामी लहरों से अपनी जान बचाने के लिए लाखों मछुआरों ने दूर भागने की कोशिश की, लेकिन पलक झपकते ही तेज लहरों ने उन्हें मौत की आगोश में ले लिया। इस आपदा में ढ़ाई लाख से भी ज्यादा लोगों की जान गई। भारत में सुनामी की वजह से 730,000 लोग विस्थापित हुए। सुनामी की एक 65 फुट ऊंची लहर श्रीलंका में ट्रैक पर चल रही एक ट्रेन को ही बहा ले गई और उसमें सवार 1000 लोग बेमौत मारे गए।

इन्हें है खतरा

धरती की जो प्लेट्स या परतें जहां-जहां मिलती हैं, वहां के आसपास के समुद्र में सुनामी का खतरा ज्यादा होता है। जैसे आस्ट्रेलियाई परत और यूरेशियाई परत जहां मिलती हैं, वहां स्थित है सुमात्रा, जोकि दूसरी तरफ फिलीपीनी परत से जुड़ा हुआ है। सुनामी लहरों का कहर वहां भयंकर रूप में देखा जा रहा है।

ये भी जानें

सूरज के साथ सफर

- कमल का फूल सूर्योदय के साथ खिलता है और शाम होते-होते मुरझा-सा जाता है मानो वह पुनः बंद हो गया हो।
- सूरजमुखी के फूल का मुंह सुबह सूर्य की ओर होता है, दोपहर में ऊपर (सूर्य की ओर) तथा शाम को पश्चिम की ओर होता है।
- अफ्रीका के 'आइवरी कोस्ट' के जंगलों में एक ऐसा वृक्ष होता है, जिसके पत्ते दिन में फैलते हैं और रात को सिकुड़ जाते हैं। रात को बंद पत्तों वाला यह वृक्ष एक फुटबॉल की तरह दिखाई देता है।
- अमेरिका में एक ऐसा वृक्ष भी पाया जाता है, जो हिलने पर मनुष्य के हंसने के समान आवाज करता है।
- भारत में छुई-मुइ का पौधा भी मिलता है। इसे छूते ही इसकी पत्तियां सिमट जाती हैं। हाथ दूर करते ही इसकी पत्तियां पुनः धीरेधीरे खुलने लगती हैं। ये पत्तियां इमली की पत्तियों जैसी होती हैं।
- एक ऐसा वृक्ष भी है, जो अलग-अलग जाति व प्रकार के 14 फूल देता है। इन फूलों के रंग, आकार और प्रकार भी अलग-अलग होते हैं।
- बाज पक्षी अपने पंखों को लगभग नौ फुट तक फैला सकता है।
- उल्लू अपनी गर्दन को लगभग 270 डिग्री तक घुमा सकता है।
- न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले पक्षी किवी की नज़र कमजोर होती है, वह केवल 6 फुट की दूरी तक ही देख पाता है।
- आस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला पक्षी ऐमू पत्थर लकड़ी सब हज्म कर जाता है।
- मादा बुलबुल गाती नहीं है, केवल नर ही गाता है।

दोस्ती हो तो ऐसी

नदन वन में रामू हिरण, मिक्की चूहे और कालू बाज की दोस्ती हो गई। जंगल में जिसे भी पता लगा, उसीने उनका मजाक उड़ाया। भीमू भालू ने तो यहां तक कह दिया, 'यह दोस्ती दो दिन से ज्यादा नहीं चलने वाली। देखना, कालू मिक्की को दोस्ती की आड़ में खा जाएगा।'

रामू हिरण के झुंड के एक सदस्य ने उनका मजाक बनाते हुए कहा, 'कहां तू इतना बड़ा और कहां तेरे छोटे-छोटे दोस्त। बाज तो हमेशा से लालची रहे हैं, वो तुम से क्या दोस्ती निभाएगा। और चूहे जैसे छोटे से जानवर से दोस्ती करके तुम्हें क्या फायदा।'

तीनों की दोस्ती पर हर किसी ने ऐतराज जताया, परन्तु उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। तीनों रोजाना सवेरे नदी के किनारे मिलते और मिलकर खेलते। कभी मिक्की रामू के कान में अपनी पूंछ से छेड़छाड़ करता, तो कभी रामू कालू को अपनी पीठ पर घूमाता। इस तरह दिन बीतते गए। एक दिन वन में एक शिकारी आया। उसने शेर को पकड़ने के लिए रात को जाल बिछाया। सवेरे नदी पर पानी पीने निकले रामू हिरण और हिरणों के झुंड का सरदार उसमें फंस गए। सुबह शिकारी अपने बिछाए जाल की ओर निकल पड़ा। उधर, नदी के दूसरे किनारे मिक्की और कालू रामू का इंतजार कर रहे थे। जब बहुत समय बीत जाने के बावजूद रामू नहीं आया, तो मिक्की ने कालू को कहा, 'भाई, तू जाकर देख, कहीं रामू बीमार तो नहीं हो गया। उसने तो आज बहुत देर कर दी, मुझे तो उसकी चिंता हो रही है।'

कालू उड़कर रामू को देखने के लिए निकला। उसने इधर-उधर देखा, पर उसे रामू नजर नहीं आया। तभी उसे रामू केझुंड़ का एक हिरण नजर आया। वह रो रहा था। कालू ने उससे रोने का कारण पूछा, तो उसने बताया, 'कालू, हमारे झुंड़ का सरदार और रामू दोनों शिकारी के जाल में फंस गए हैं।'

हिरण की बात सुनते ही कालू फटाफट उड़कर मिक्की के पास आया और उसे सारी स्थिति के बारे में बताया। मिक्की ने कहा, 'कालू, तुम घबराओ मत। तुम मुझे वह जगह बता दो, जहां रामू शिकारी के जाल में फंसा हुआ है। मैं अभी उसे जाकर बचाता हूं।''वह जगह नदी का दूसरा किनारा है, जहां जानवर पानी पीने आते हैं। तुम जब तक वहां पहुंचोगे, वह शिकारी हमारे दोस्त को मार चुका होगा। इस लिए अगर तुम्हें कोई ऐतराज ना हो, तो मैं तुम्हें अपने पंजों से पकड़ कर वहां ले जाता हूं। ऐसे हम जल्दी वहां पहुंच जाएंगे,' कालू ने कहा।

मिक्की को कालू का आईडिया पसंद आया। कालू ने मिक्की को अपने पंजे से पकड़ लिया और उसको लेकर उड़ चला। रास्ते में जितने भी जानवरों ने देखा उन्होंने यही सोचा कि शायद कालू मिक्की को मार कर खाने के लिए ले जा रहा है।

कालू मिक्की को उस जगह ले गया जहां रामू और उसके झुंड़ का सरदार जाल में फंसे हुए थे। मिक्की ने कालू को कहा, 'यार, तू उड़कर यह देख कि कहीं शिकारी तो नही आ रहा है। तुम उस पर नजर रखो, मैं अपने तीखे दांतों से जाल को काट देता हूं।'

मिक्की ने जाल काटना शुरू किया। जाल बहुत बड़ा था और मिक्की अकेला। फिर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। उधर जाल में फंसे रामू को सरदार मिक्की के साथ दोस्ती करने के लिए धन्यवाद कर रहा था। उसने मिक्की से कहा, 'मुझे तुम लोगों की दोस्ती पर ऐतराज था, परन्तु तुम लोगों ने आज अपनी सच्ची दोस्ती साबित करके दिखाई है।'

तभी कालू ने वहां आकर कहा, 'मिक्की जल्दी कर, थोड़ी दूरी पर मुझे एक इंसान इधर आता हुआ दिखाई दिया है। लगता है कि वही शिकारी है। मिक्की ने जाल को काटने का काम और तेज कर दिया। मिक्की और कालू को रामू और उसके सरदार की मदद करते हुए देख कर दूसरे जानवर भी उनकी मदद के लिए वहां आ गए।

भीमू भालू ने शिकारी पर अचानक हमला कर दिया। अकस्मात हुए हमले से शिकारी डर गया और वहां से भाग गया। मिक्की ने अपने नुकीले दांतों से जाल को काट दिया और रामू व सरदार को आजाद करवाया। अब सभी उनकी दोस्ती की तारीफ कर रहे थे और कह रहे थे, 'दोस्ती हो तो ऐसी।'

हम बताएं, आप बनाएं

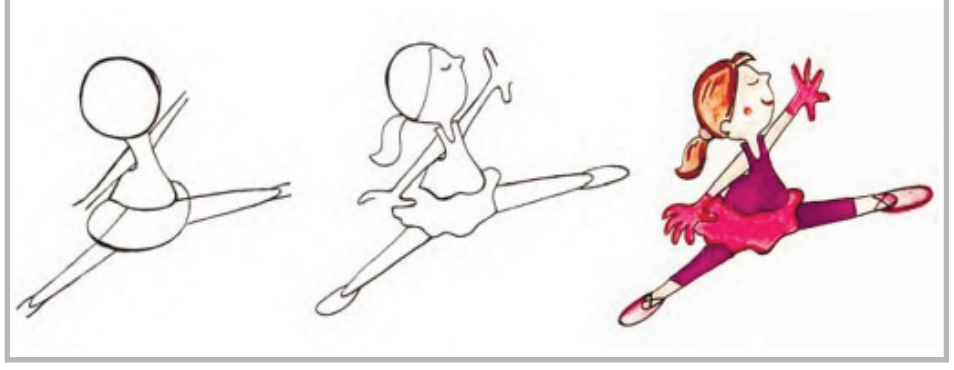

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें-

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आक्सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का चक्कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

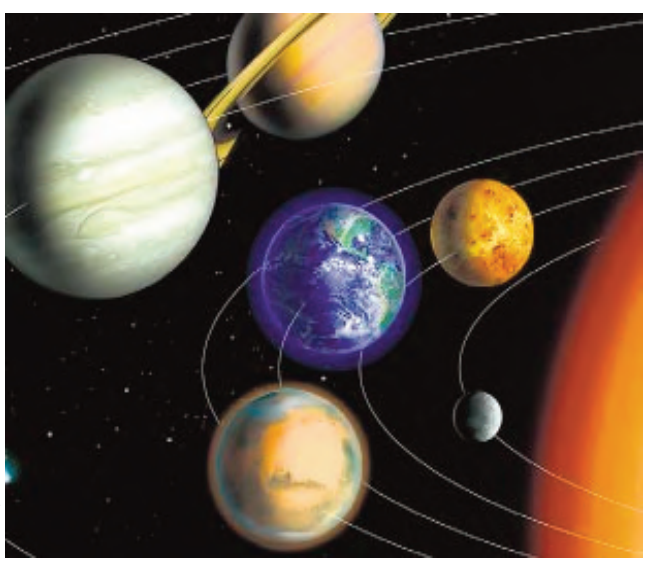

नॉलेज बाइट

बच्चो, पिछले दिनों क्रिकेट का बुखार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा था। पर यहां हम आपको प्राचीन ओलंपिक खेलों के बारे में बताने लगे हैं। आपको बता दें कि सबसे पहले ओलंपिक खेल ग्रीस के ओलंपिया शहर में खेले गए थे, लेकिन आधुनिक ओलम्पिक खेलों का इतिहास शुरू होता है 1896 से जब एक बार फिर ग्रीस में इन खेलों की शुरुआत हुई। तब से लगातार हर चार साल में इन खेलों का आयोजन होता रहा है, बस 1940 और 1944 को छोड़कर जब ये खेल विश्वयुद्ध के कारण नहीं हो पाए। यह विश्व का सबसे बड़ा खेलों का आयोजन होता है, जिसमें दुनिया के कई देश शामिल होते हैं।

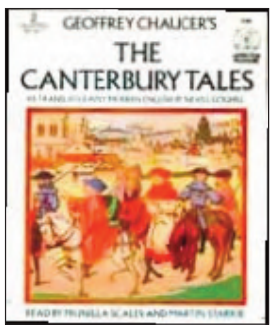

अब किताबों की बात। आपने किताबों के बारे में कई तरह के रोचक तथ्यों के बारे में सुना होगा। सबसे बड़ी, सबसे छोटी किताब आदि के बारे में तो आप सुन चुके होंगे। हो सकता है सबसे महंगी किताब के बारे में भी आपने सुना हो, मगर यहां हम आपको अंग्रेजी के लेखक जैफरी चौसर की लिखी 'कैंटबरी टेल्स' के बारे में बताने लगे हैं। इसे अब तक की सबसे मंहगी पुस्तक माना जा सकता है। सन 1998 में हुई नीलामी में पहले संस्करण की एक प्रति 46 लाख पाउंड में बिकी और इसे खरीदा लंदन के एक पुस्तक विक्रेता मैग्स ब्रदर्स ने। यह पहला संस्करण 1477 में छपा था। प्रतियां थीं सिर्फ एक दर्जन।

अंत में बात शहीद मंगल पांडे की। मंगल पांडेय उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नागवा गांव के रहने वाले थे। वह ईस्ट इंडिया कंपनी की 34 वीं बंगाल नेटिव इंफैन्ट्री रैजिमैंट की पांचवी कंपनी के सिपाही थे। भारतीय सिपाही एक नई तरह की कारतूस के इस्तेमाल का विरोध कर रहे थे, जिस पर कथित रूप से गाय और सुअर की चर्बी चढ़ी थी। चलाने से पहले इसे मुंह से काटना पड़ता था। इसके विरोध में मंगल पांडेय ने कलकत्ता के निकट, बैरकपुर में एक अंग्रेज अधिकारी पर हमला किया, जिसके बाद उनका कोर्ट मार्शल हुआ और उन्हे फांसी पर लटका दिया गया। इस घटना के बाद अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष की आग ऐसी फैली कि उसने गदर का रूप ले लिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताए–गा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। ख़ाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूंकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 03:54 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 01:00 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 12:18 तक
करण : बालव सायं 03:54 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मिथुन संक्रांति प्रातः 06:44 से, संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 01:08 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत

जल संसाधन विभाग को 16.50 करोड़ स्वीकृत

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत हर खेत को पानी अभियान में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जल संसाधन विभाग को 16.50 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि वर्ष 2025–26 की प्रथम किश्त के रूप में अभियान अंतर्गत प्रगतिरत 84 रिपेयर–रिनोवेशन–रेस्टोरेशन (आरआरआर) कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। अब राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत (लगभग 11 करोड़ रुपए) राशि और जोड़ी जाएगी। इस प्रकार कुल 27.50 करोड़ रुपए की लागत से कार्यों को गति मिलेगी। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि आरआरआर योजना अंतर्गत कोटा, बूंदी और टोंक जिलों में सिंचाई सुविधाओं के पुनरुद्धार के लिए 84 कार्य 11 सितम्बर, 2023 को स्वीकृत किए गए थे। इन कार्यों के पूर्ण होने से लगभग 4 हजार 404 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र फिर से क्रियाशील हो जाएगा, जिससे 2.16 लाख से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

विभागीय जानकारी के अनुसार, परियोजना की कुल लागत 142.92 करोड़ रुपए है। इसमें केन्द्र और राज्य का अंशदान 60:40 के अनुपात में है। इसके अंतर्गत केन्द्रांश 85.75 करोड़ रुपए और राज्यांश 57.17 करोड़ रुपए निर्धारित है। इसके तहत विभाग को वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता प्राप्त हुई थी। वर्तमान में कार्यों की भौतिक प्रगति लगभग 65 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी है।

इस योजना की प्रगति से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान को भी गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन मंत्री लगातार विभिन्न जिलों का दौरा कर अभियान के तहत जल संरचनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। आमजन को जागरूक कर अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास कर रहे हैं। जिला प्रशासन प्रशासन स्तर पर भी जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

रावत ने कहा कि हर खेत तक पानी पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के अथक प्रयासों और विभागीय समन्वय से राशि स्वीकृत हुई है, जिससे कार्यों को नई गति मिली हैं। इस अभियान से सिंचित क्षेत्र पुनर्जीवित होगा। कृषि क्षेत्र में विस्तार होने से किसानों की आजीविका में वृद्धि होगी।

आरयूएचएस में सफलतापूर्वक पहली एंजियोप्लास्टी

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में आरयूएचएस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रदेशवासियों को इसका लाभ भी मिलने लगा है। अस्पताल में शनिवार को पहली बार सफलतापूर्वक एक रोगी की एंजियोप्लास्टी की गई। साथ ही, प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा भी अस्पताल में प्रारंभ कर दी गई है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि विगत 2 जून को ही आरयूएचएस अस्पताल में एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी की सुविधा प्रारंभ की गई थी और दो रोगियों की एंजियोग्राफी की गई थी। शनिवार को आरयूएचएस अस्पताल में पहली एंजियोप्लास्टी की गई। साथ ही, अस्पताल में अब प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा भी प्रारंभ कर दी गई है। दो रोगियों की प्लास्टिक सर्जरी सफलतापूर्वक की भी जा चुकी है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल से मरीज भार कम करने एवं प्रदेशवासियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान उपलब्ध करवाने की सोच के साथ आरयूएचएस अस्पताल में लगातार

चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी की सुविधा प्रारंभ होने से अब आरयूएचएस में आने वाले हृदय रोगियों को सवाई मानसिंह अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं। प्रदेशभर से आने वाले रोगियों को अब हृदय रोगों के उपचार के लिए एक बेहतर विकल्प मिल रहा है। साथ ही, सवाई मानसिंह अस्पताल में रोगी भार कम करने की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग से ग्रसित टोंक जिले के पीपलू निवासी 67 वर्षीय पुरुष रोगी को 12 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने लक्षणों के आधार पर उसकी एंजियोग्राफी जांच की, जिसमें ब्लॉकेज पाए जाने पर एंजियोप्लास्टी किए जाने का निर्णय लिया गया। परिजनों की सहमति के बाद रोगी की सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी की गई।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भव्य शुभारंभ

चित्तौड़गढ़, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' से प्रेरित होकर चित्तौड़गढ़ में शनिवार सुबह गम्भीरी नदी पुल पर विशेष जन अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जिला प्रशासन, नगर परिषद, हिन्दुस्तान जिंक चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कई स्वैच्छिक संस्थाओं ने मिलकर भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7:30 बजे अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद मल्होत्रा, जीएम डीआईसी राहुल देव सिंह, नगर परिषद चित्तौड़गढ़ के अधिकारी, एईएन सतीश कुमार एवं उनकी टीम, हिन्दुस्तान जिंक की ओर से हेड एनवायरनमेंट मनीषा भाटी, सीएसओ रविराज शर्मा, सेफ्टी हेड बालचंद पाटीदार, हेड इंजीनियरिंग राकेश दुर्गावत, वाटर मैनेजर दीपक जैन, एनवायरनमेंट व चंदेरिया प्लांट टीम और उनके बिजनेस पार्टनर्स यूरोस्माईल, वामन, एसएस एंड रिसोर्सेस, पावर मेक, एसजीएस एन्वायरो तथा थर्मो फिशर की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी आशीष बुआरसी एवं उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान के दौरान गम्भीरी नदी के घाट क्षेत्र की सफाई की गई, जिसमें जलकुंभी, प्लास्टिक, जंगली घास व अन्य कचरे को हटाया गया। नगर परिषद द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से घाट की सफाई की गई। हिन्दुस्तान जिंक के 150 से अधिक कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रिटायर्ड नर्सिंग अधिकारी के घर से 10 लाख के आभूषण चोरी

भरतपुर, 14 जून (एजेंसियां)। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र स्थित पूस वाटिका कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब रिटायर्ड नर्सिंग अधिकारी रतन शर्मा के घर से अज्ञात चोरों ने करीब 10 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। रतन शर्मा 8 जून को हरिद्वार दवाइयां लेने गई थीं, और शनिवार को जब वे भरतपुर लौटीं तो देखा कि घर के ताले टूटे हुए हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है।

रतन शर्मा के बेटे विनोद शर्मा ने बताया कि उनकी मां कॉलोनी के मकान नंबर 127, विमल कुंज में अकेली रहती हैं। शनिवार सुबह जब वह हरिद्वार से लौटीं तो मेन गेट पर ताला लगा मिला, लेकिन अंदर का दरवाजा खुला हुआ था और उसके ताले टूटे हुए थे। घर के अंदर का नज़ारा देख वह स्तब्ध रह गईं – अलमारी खुली हुई थी और जेवरात नदारद थे।

चोरी की सूचना तत्काल मथुरा गेट थाने को दी गई। सूचना पर सारस चौकी प्रभारी एएसआई राधाकृष्ण मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम व डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया। सिटी सीओ सतीश यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। रतन शर्मा के छोटे बेटे दीपक शर्मा ने बताया कि चोरी के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। परिवार की ओर से पुलिस को जानकारी दे दी गई है, हालांकि अब तक कोई औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।पुलिस अब आस–पड़ोस के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की तैयारी में है और दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।स्थानीय लोगों में भय का माहौलघटना के बाद कॉलोनीवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं और गश्त बढ़ाने की मांग की जा रही है।

पुलिस की अपीलथाना मथुरा गेट पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही, घर छोड़ते समय सीसीटीवी व सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दें।

श्रीगंगानगर में 21 को उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्रीगंगानगर, 14 जून (एजेंसियां)। 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस जिले में 21 जून 2025 को उल्लासपूर्वक आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रदेश में धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर भी योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रीगंगानगर जिले की समस्त 344 ग्राम पंचायतों के साथ सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम हिन्दुमलकोट अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल के ग्राउंड में सुबह आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों की उपस्थिति व संबंधित विभाग का कार्य निश्चित कर आदेश जारी किए गए हैं। जिला मुख्यालय से अधिक से अधिक लोगों से मुख्य कार्यक्रम में पहुँचने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि आयुष मन्त्रालय भारत सरकार के योग संगम पोर्टल के साथ ही राज्य सरकार के आयुष विभाग ने योग पोर्टल विकसित किया है। इस पर सभी ग्राम पंचायत से जिला स्तर के नोडल अधिकारी अपने योग स्थल का ऑनलाइन पंजीयन कर योग दिवस पर अभ्यासियों की संख्या व फोटो अपलोड करेंगे। राज्य सरकार का प्रयास है कि एक साथ योग करवाने का अन्तर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया जा सकें। इसके लिये सभी नोडल अधिकारियों को पंजीयन करवाने के निर्देश दिये गए हैं।

जिले के रायसिंहनगर में गुरुद्वारा बुढ़ाजोहड़, श्रीकरणपुर में नग्गी बॉर्डर, पदमपुर में चानणा धाम हनुमान मंदिर व सूरतगढ़ में खेजड़ी मंदिर पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। अनूपगढ़ के पब्लिक पार्क, घड़साना के करणी माता मंदिर, श्रीविजयनगर के गांधी पार्क व सादुलशहर के व्यापार मंडल में योगाभ्यास का उपखण्ड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिले में आयोजित योग दिवस के समस्त कार्यक्रमों का नोडल अधिकारी आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजकुमार पारीक को नियुक्त किया गया है।

उपनिदेशक पारीक ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित सभी चिकित्सालय, औषधालय एवं आयुष्मान् आरोग्य मंदिरों में योग दिवस आयोजित किया जाएगा। विभाग के सभी नोडल अधिकारियों का पंजीयन करवाया जा चुका है।

शिक्षकों की फिर होगी छंटनी! सरकार ने लिया यू–टर्न

चंडीगढ़, 14 जून (एजेंसियां)। कभी युवाओं को सपने दिखाने वाले आज खुद अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अनुबंध पर तैनात टीजीटी, पीटीआई और कला अध्यापकों को हाल ही में राहत की उम्मीद थी, लेकिन अब उन्हें फिर निराशा का घूंट पीना पड़ रहा है।

एक अप्रैल को जब 679 टीजीटी अध्यापकों को नौकरी से निकाल कर सरप्लस करार दिया गया तो पूरे प्रदेश में निराशा और निराशा का माहौल था। 28 अप्रैल को सरकार ने आदेश पलटते हुए सभी को फिर से समायोजित करने और अनुबंध एक साल बढ़ाने के निर्देश दिए। हालात सुधरते नजर आए। लेकिन, अब शिक्षा विभाग ने उस समर्थन को ठुकरा दिया है। मौलिक शिक्षा महानिदेशालय ने साफ निर्देश दिए हैं। 30 जून के बाद अतिरिक्त अध्यापकों की सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी। इसका मतलब यह है कि स्कूलों के दरवाजे तो खुले रहेंगे... लेकिन ये अध्यापक नहीं होंगे।

इनमें से कई शिक्षक एक ही स्कूल में 4–5 साल तक रहने के बाद समुदाय की उम्मीद बन गए थे और छात्रों के साथ उनका जुड़ाव हो गया था। अब अचानक उन्हें कहना पड़ रहा है: मैं अब आपका शिक्षक नहीं हूँ। एक ऐसे युवा के बारे में सोचें जो अपने सबसे अच्छे कला शिक्षक से प्यार करता है। एक माँ के बारे में सोचें जो घर के खर्चों को पूरा करने के लिए इस नौकरी पर निर्भर थी।

हरियाणा में भाजपा राज नहीं, बल्कि गुंडा राज चल रहा है : हुड्डा

चंडीगढ़, 14 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा'राज' नहीं, बल्कि गुंडा'राज' चल रहा है। यही वजह है कि गुंडे–बदमाश बेखौफ होकर वारदातों का अंजाम दे रहे हैं और आम जनता डर के साए में जीने को मजबूर है। जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह खुद सत्ता की मदमस्त नींद में सो रही है और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है। रोहतक में बदमाशों ने शराब के ठेके पर की फायरिंग, इंस्टाग्राम पर डाला वीडियो। हांसी में व्यापारी से मांगी 50 लाख की फिरौती। टोल प्लाजा पर फायरिंग, खाद की दुकान पर भी गोलियां चलाई। फैक्ट्री मालिक से मांगी 50 लाख की फिरौती। कुरुक्षेत्र में शराब ठेकेदार की गोलियां मारकर हत्या। पिंजौर में धमकी देकर 2 दिन बाद कर दी हत्या।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि ये पिछले कुछ दिनों में छपी अखबारों की सुर्खियां है। रोज अखबार ऐसी खबरों से भरे मिलते हैं। लेकिन बीजेपी सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा। क्योंकि कानून व्यवस्था व जनता की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता नहीं रही। यही वजह है कि जब भी भाजपा सत्ता में आती है, प्रदेश में गुंडाराज स्थापित हो जाता है। इससे पहले जब साल 2000 से 2005 तक बीजेपी और इनेलो की सरकार थी, तब हरियाणा में ऐसी ही गुंडागर्दी और माफियाराज था। आए दिन गोलीबारी,

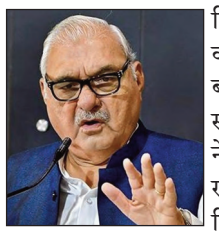

फिरौती और डकैती की वारदातें होती थीं। एक बार फिर हरियाणा में वही सब हो रहा है। इस सरकार ने हरियाणा को माफिया राज और गैंगवॉर में धकेल दिया है।

हुड्डा ने कहा कि खुद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सामाजिक प्रगति सूचकांक (डझख) रिपोर्ट में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया गया है। एन–सीआरबी की रिपोर्ट भी चीख–चीखकर यही गवाही देती है। 2022 में एक साल के भीतर प्रदेश में 1020 हत्याएं यानी रोज 3 हत्याएं हुई। 2022 के दौरान ही हरियाणा में 1786 रेप की वारदातें हुईं यानी रोज 4–5 रेप हुए।

पंचायत चुनाव घोषित : पंचायत आम चुनाव और रिक्त सीटों के उप चुनाव आज

पंचकूला, 14 जून (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने चरखी दादरी और झज्जर जिलों में ग्राम पंचायतों के आम चुनाव और राज्य भर में पंचायत समिति व जिला परिषद सदस्यों के उप चुनावों की घोषणा कर दी है। हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि ये चुनाव आज यानी 15 जून, 2025 को आयोजित किए जाएंगे। चरखी दादरी जिले के बाढड़ा ब्लॉक में बाढड़ा और हंसावास खुर्द ग्राम पंचायतों के पंचों और सरपंचों के लिए आम चुनाव होंगे। इसी तरह, जिला झज्जर के बादली ब्लॉक में बादली, मोहम्मदपुर माजरा और फैजाबाद ग्राम पंचायतों में भी पंचों और सरपंचों के आम चुनाव निर्धारित हैं।

राज्य में विभिन्न कारणों जैसे मृत्यु, त्यागपत्र, बर्खास्तगी या अन्य कारणों से रिक्त हुई ग्राम पंचायतों के पंचों और सरपंचों, पंचायत समितियों के सदस्यों और जिला परिषदों के सदस्यों की सीटों पर उप चुनाव भी

इसी दिन होंगे। पहले पंचों की 829 सीटों, सरपंचों की 81 सीटों, पंचायत समिति सदस्यों की 17 सीटों और जिला परिषद सदस्य की 1 सीट पर उप चुनाव होने थे। हालांकि, बड़ी संख्या में सीटें निर्विरोध भर दी गई हैं। अब 56 पंचों, 61 सरपंचों, पंचायत समिति के 8 सदस्यों और जिला परिषद के 1 सदस्य के लिए उप चुनाव होंगे।

धनपत सिंह ने बताया कि इन चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान केंद्रों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से इन चुनावों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राम मंदिर निर्माण पर अब तक 1621 करोड़ खर्च हुआ

अप्रैल 2026 तक पूरा हो जाएगा मंदिर का निर्माण

अयोध्या, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अभी जारी है। अब तक इस मंदिर के निर्माण में 1621 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। मंदिर का करीब 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। वित्तीय सत्र 2024-25 में मंदिर निर्माण समेत अन्य योजनाओं पर 652 करोड़ का खर्च आया है।

सात जून को मणिराम दास की छावनी में हुई ट्रस्ट की बैठक में आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया था। इसमें मंदिर निर्माण पर हुए खर्च का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, सप्त मंडपम, पुष्करणी का भी निर्माण कार्य पूरा है, अब केवल फिनिशिंग चल रही है। राम मंदिर के चारों ओर आयताकार परकोटा बन रहा है। इसके निर्माण का अभी 20 फीसदी काम बाकी है। इसी तरह शेषावतार मंदिर का भी

करीब 20 फीसदी निर्माण कार्य शेष है। मंदिर निर्माण की शुरुआत पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी। पिछले साढ़े चार सालों में मंदिर निर्माण पर करीब 1200 करोड़ व अन्य योजनाओं पर 400 करोड़ से अधिक खर्च किए जा चुके हैं।

मंदिर परिसर में अभी दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार का निर्माण चल रहा है। इसके बाद गेट नंबर तीन पर द्वार का निर्माण होगा। दक्षिण दिशा में ही संग्रहालय, विश्रामालय व ट्रस्ट कार्यालय भवन का भी निर्माण किया जाना है। इसके अलावा सरयू तट स्थित रामकथा संग्रहालय के सौंदर्यीकरण का काम लगातार जारी है। इन सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने की समय सीमा अप्रैल 2026 तय की गई है। मंदिर समेत परिसर में निर्माणाधीन अन्य प्रकल्पों के निर्माण में कुल दो हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान राम मंदिर ट्रस्ट ने लगाया है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने मार्च से मई के बीच तीन माह में कुल 10, 433 वर्ग फीट जमीन एक करोड़ 55 लाख 40 हजार 800 रुपए में खरीदी है। बाग बिजेसी में कुल 3060 स्क्वायर फीट जमीन 47 लाख 20 हजार 800 रुपए में खरीदी गई है। बाग बिजेसी में ही विश्व मोहिनी से 6691 वर्ग फीट जमीन 98 लाख 20 हजार 800 रुपए में ट्रस्ट ने खरीदा है। इसके अलावा कोट रामचंद्र में 68.74 वर्ग फीट जमीन 10 लाख में खरीदी गई है।

बिजली कटौती से हाहाकार 31 हजार मेगावाट की मांग

गांवों में रोस्टर से बहुत कम मिल रही बिजली

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

गर्मी बढ़ने के साथ पूरे उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती से हाहाकार मचा हुआ है। गांवों के साथ शहरों में भी यह समस्याएं बनी हैं। केबल जलने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। प्रदेश में पारे में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली कटौती का दौर भी तेज हो गया है। शहरों में ट्रिपिंग और लो वोल्टेज से लोग परेशान हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में रोस्टर से करीब एक घंटे कम बिजली मिल रही है। बिजली कटौती बढ़ने की वजह से उमसभरी गर्मी में उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर उपकेंद्र घेरने और धरना- प्रदर्शन की भी सूचनाएं आ रही हैं। बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों के कल-कारखाने भी ठप्प हो गए हैं। सिंचाई न हो पाने की वजह से सब्जी की खेती भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली आती है तो बीच-बीच में कटौती का दौर जारी रहता है। पावर कारपोरेशन के आंकड़े भले आधे घंटे की कटौती का दावा कर रहे हैं, लेकिन लोकल फॉल्ट घंटों तक बना रहता है। इतना ही नहीं जहां ट्रांसफार्मर जल गए हैं, उन्हें बदलने में कई दिन लग रहा है। कई अवर अभियंता तो इस वजह से भी ट्रांसफार्मर बदलने में आनाकानी करते हैं क्योंकि उनके क्षेत्र में ट्रांसफार्मर जलने की घटना से जुड़े आंकड़े अधिक होने पर कार्रवाई की धमकी दी गई है।

कई अभियंताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि उनके सामने दोहरी समस्या हो गई है। ट्रांसफार्मर जलने की घटना पर कार्रवाई के साथ ही उपभोक्ताओं के गुस्से का भी शिकार होना पड़ता है। अभियंताओं ने बताया कि एक तरफ तापमान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ बिजली की मांग अधिक है। ऐसे में ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाते हैं। उन्हें ठंडा रखने के इंतजाम भी पूरे नहीं हैं। ऐसे में कुछ देर के लिए फीडरवार कटौती की जाती है ताकि ट्रांसफार्मर जलने की संख्या नियंत्रित रहे।

सड़कों से गायब हैं रोडवेज की 3000 बसें, यात्री परेशान

लखनऊ की 30 प्रतिशत एसी बसें भी रूट से लापता

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

यूपी रोडवेज की तीन हजार बसें सड़कों से गायब हैं। लखनऊ की 30 प्रतिशत एसी बसें भी रूट से लापता हैं। उत्तर प्रदेश में रोडवेज की 3,000 बसें सड़कों पर नहीं चल पा रही हैं। इन बसों की हालत खराब है या फिर उन्हें चलाने के लिए स्टाफ की कमी है। लिहाजा, ये बसें डिपो में खड़ी हैं और यात्रियों को निजी या डग्गामार वाहनों से सफर करना पड़ रहा है। इससे यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है और रोडवेज को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

लखनऊ में ही 190 बसें खड़ी हैं। परिवहन निगम के पास कुल 13,599 बसें हैं। इनमें से रोजाना लगभग 11,000 ही चल पा रही हैं। बाकी बसें खराबी या स्टाफ की कमी के कारण डिपो से बाहर नहीं निकल पा रहीं। सबसे ज्यादा बसें गाजियाबाद में खड़ी हैं, उसके बाद लखनऊ का नंबर है। बसों के संचालन की बात की जाए तो वहीं, कानपुर, देवीपाटन, मेरठ और चित्रकूट जैसे इलाकों में हालात और भी खराब हैं। संख्या के आधार पर सबसे ज्यादा बसें खड़ी रहने के मामले में लखनऊ चौथे स्थान पर है। रोडवेज के पास कुल 700 एसी बसें हैं, जिनमें से रोजाना करीब 230 बसें रूट पर नहीं चल रही हैं। कानपुर, मेरठ, सहारनपुर और गोरखपुर परिक्षेत्र में एसी बसों की हालत ज्यादा चिंताजनक है। लखनऊ में 30 प्रतिशत से ज्यादा एसी बसें नाकाम खड़ी हैं। सहारनपुर में आधे से ज्यादा एसी बसें डिपो में ही खड़ी हैं।

डिपो में खड़ी बसों की वजह खराबी से अधिक अधिकारियों की लापरवाही है। अधिकारी न डिपो का निरीक्षण करते हैं और यात्रियों की शिकायतों पर ध्यान देते हैं। परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने कहा कि रोडवेज बसों के सड़कों पर नहीं उतर पाने का मामला गंभीर है। शिकायतों को देखते हुए तीन महीने का आकलन करते हुए रिपोर्ट मांगी गई है। खराब प्रदर्शन करने वाले अफसरों पर कार्रवाई होगी।

गाय के दूध के साथ गोबर और मूत्र की भी मिलेगी कीमत

गौशालाओं में लगेंगे कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

यूपी में अब गाय का दूध ही नहीं, उनका गोबर, मूत्र और पैर से कुचले गए खरपतवार की भी कीमत मिलेगी। इसके लिए गोशालाओं में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट लगेंगे। यहां पंचगव्य भी बनाया जाएगा। पहले चरण में आठ मंडलों में ये प्लांट लगाए जाएंगे। शुरुआत बरेली से होगी।

गो सेवा आयोग और पशुपालन विभाग मिलकर इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहे हैं। प्रदेश के हर जिले में गोशालाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। गोशालाओं में लगने वाले सीबीजी प्लांट में आसपास के किसान भी गाय का दूध, दही, गोबर व मूत्र आदि बेच सकेंगे। इससे न सिर्फ गोशालाओं की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि आसपास के गांवों के किसानों की भी आमदनी बढ़ेगी। साथ ही गोवंशों का संवर्धन भी होगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में गोशालाओं में सीबीजी प्लांट चल रहे हैं। प्लांट को ऑयल और गैस कंपनियों के सहयोग से स्थापित किया गया है। ग्वालियर के लालटिपारा गोशाला के स्वामी देवानंद ने बताया कि प्लांट लगने के बाद गोबर और गोमूत्र से गाय के खाने का खर्चा निकल जाता है। दूध अतिरिक्त लाभ में है।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के लालटिपारा गोशाला में चल रहे सीबीजी प्लांट और पंचगव्य प्लांट के बारे में स्वामी देवानंद और सिलीगुड़ी के प्रभु गुप्ता गो सेवा आयोग आए थे। इन्होंने वहां चल रहे प्लांट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दोनों ने कम्प्रेस्ड बायो गैस और पंचगव्य उत्पादों के संबंध में नवीन प्राद्योगिकी एवं मॉडल साझा किया। बताया कि सीबीजी संयंत्र गाय के गोबर को बायो सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) और जैविक खाद में बदल देता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए स्थायी विधियों को बढ़ावा मिलता है।

गाय के दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर को पानी में मिलाकर पंचगव्य बनाया जाता है। यह मिश्रण हिंदू धर्म में धार्मिक अनुष्ठानों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद विभाग के पूर्व निदेशक प्रो पीसी सक्सेना ने बताया कि पंचगव्य के उपयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। इससे कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन की पूर्ति होती है। शरीर की शुद्धि होती है। खेत की उर्वरता बढ़ाने और कीटनाशक के रूप में किया जाता है। अभी कुछ कंपनियों द्वारा पंचगव्य तैयार किया जाता है। औषधीय पंचगव्य आधा लीटर करीब एक से डेढ़ हजार रुपए में है, जबकि खेती से जुड़ा पंचगव्य दो सौ से लेकर एक हजार रुपए तक मिलता है।

कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के क्षेत्र में पूरे भारत में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है। प्रदेश में स्टेट लेवल कमेटी द्वारा अनुमोदित 47 बायो सीबीजी परियोजनाएं हैं, जिनकी क्षमता 407 टीपीडी और लागत 2589 करोड़ रुपए है। सबसे बड़ा सीबीजी प्लांट मथुरा में स्थापित है , जिसकी कुल क्षमता 42.6 टीपीडी है। जबकि 25 कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट चल रहे हैं, जिनकी क्षमता 213 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है। प्रदेश में पूरे देश के सर्वाधिक 19 प्रतिशत सीबीजी प्लांट्स स्थापित हैं। इसके बाद गुजरात (16 प्रतिशत), महाराष्ट्र (9 प्रतिशत) का नंबर आता है।

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा, गौ सेवा आयोग और पशुपालन विभाग इस परियोजना पर काम कर रहा है। पहले चरण में आठ मंडल की गौशाला में प्लांट स्थापित कराया जाएगा। फिर अन्य मंडलों में इसे पहुंचाया जाएगा। शुरुआत बरेली से करने की तैयारी है। इससे गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को बढावा मिलेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यावरण शुद्धता की दिशा में भी काम हो सकेगा।

गौसेवा आयोग ने बताया कि बरेली के मझगवां विकासखंड स्थित खनगवां श्याम गांव की गौशाला को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाते हुए गौ-आधारित खेती के लिए मॉडल बनाएंगे। यूपी की यह पहली गौशाला होगी, जहां पर पांच रुपए प्रति लीटर गौ-मूत्र खरीदा जाएगा। गौमूत्र से कीटनाशक जीवामृत, बीजामृत और घनजीवामृत तैयार होंगे। प्रस्तावित मॉडल को लागू करने के लिए गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्यामबिहारी गुप्ता ने शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभाकक्ष में गौ संरक्षण के लिए बनी मंडल स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक में मंडलीय अधिकारियों को पूरा प्रारूप समझाया। खनगवां श्याम की गौशाला का स्थलीय निरीक्षण भी किया। अध्यक्ष ने बताया कि खनगवां श्याम की गौशाला को गौ-आधारित खेती के लिए केंद्र बनाकर विकास खंड के 92 गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रत्येक गांव के उन किसानों को भी प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करेंगे, जिनके पास गाय है। जिन किसानों के पास गाय नहीं है उन्हें भी प्राकृतिक खेती के फायदे समझाए जाएंगे।

घर-घर शौर्य सम्मान महोत्सव

करगिल शहीद यशवीर सिंह की पत्नी सम्मानित

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। मध्य कमान की ओर से करगिल शहीद यशवीर सिंह की पत्नी मुनेश देवी को शुक्रवार को मेरठ स्थित उनके आवास पर सम्मानित किया गया। मध्य कमान के जनसम्पर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय सेना 26वां करगिल विजय दिवस समारोह 26 जुलाई को मनाएगी। इसके उपलक्ष्य में घर-घर शौर्य सम्मान महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत शहीदों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया जा रहा है। शहीदों के परिजनों को सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया जा रहा है।

इसी क्रम मेरठ में फजलपुर रोहटा रोड निवासी मुनेश देवी को सम्मानित किया गया। उनके पति यशवीर सिंह करगिल युद्ध में जांबाजी का परिचय देते हुए शहीद हो गए थे। उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। मुनेश देवी को सम्मानित करने के दौरान उनकी आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली गई। साथ ही उनकी समस्याओं को त्वरित गति से निस्तारित करवाने का आश्वासन भी दिया गया।

सीबीआई ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री का किया औचक निरीक्षण

ऑर्डनेंस फैक्ट्री में वित्तीय अनियमितता का मामला

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

सीबीआई ने कानपुर की ऑर्डनेंस फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सेना के अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से जांच की। औचक निरीक्षण में सीबीआई लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच शामिल थी। सीबीआई की टीम देर रात तक फैक्ट्री में दस्तावेजों की समीक्षा कर रही थी। सेना के अधिकारी भी सीबीआई की टीम के साथ औचक निरीक्षण में शामिल हैं।

सीबीआई ने कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए औचक निरीक्षण किया है। हालांकि अधिकारी इस मामले में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सीबीआई का औचक निरीक्षण शनिवार को भी जारी रहा। इसके बाद जांच में सामने आए तथ्यों की जानकारी सामने आ सकती है। कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्टरी में तोप और गोलों का एक साथ निर्माण करती है। साथ ही सैनिकों के लिए जूते समेत तमाम अन्य सामग्री का निर्माण भी होता है। सीबीआई ऑर्डनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितता की पड़ताल कर रही है।

बीते मार्च महीने में कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री में कार्यरत जूनियर वर्क्स मैनेजर (जेडब्लूएम) विकास कुमार को पाकिस्तानी के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फैक्टरी से अहम जानकारियां और दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट को भेज रहा था। वह पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से फेसबुक के जरिए सम्पर्क में आया था। इसके बाद हनी ट्रैप का शिकार हो गया था।

पहलगाम हमले पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

रॉबर्ट वाड्रा पर एफआईआर का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की अर्जी हाईकोर्ट में दाखिल की गई है। सीजेएम हृषिकेश पांडे ने इस अर्जी की पोषणीयता पर सुनवाई के लिए 20 जून की तारीख तय की है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के राष्ट्रीय संयोजक कुलदीप तिवारी की ओर से उनके अधिवक्ताओं ने अर्जी दी। कोर्ट के संज्ञान में लाया गया कि रॉबर्ट वाड्रा ने पहलगाम घटना के लिए पूरे हिंदू समाज को जिम्मेदार ठहराया था। रॉबर्ट वाड्रा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि सरकार हिंदुत्व की बात करती है इसलिए अल्पसंख्यक मुसलमान असहज और परेशान रहते हैं। अगर आतंकवादी लोगों की पहचान देख रहे हैं तो वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। ऐसी घटनाओं से आतंकी संगठनों को यह लगता है कि हिंदू लोग मुसलमान के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। वाड्रा ने यह भी कहा था की पहचान देखना और किसी को मार देना, यह प्रधानमंत्री के लिए एक संदेश है क्योंकि मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं।

चीन के जालसाजों से जुड़े हैं साइबर ठगों के तार

10 करोड़ की साइबर ठगी में 15 गिरफ्तार

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)।

रेड्डी अन्ना एप के जरिये करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के तार चीन के साइबर जालसाजों से जुड़े हैं। पुलिस की प्रारंभिक छानबीन में इसका खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सरगना गन्नी की तलाश की जा रही है। सरगना के पकड़े जाने के बाद कई अहम राज उजागर होंगे।

डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक गिरफ्तार किए गए 15 आरोपियों में सर्वाधिक बिहार के हैं। वहीं, एक मध्य प्रदेश का रहने वाला है। आरोपियों से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक गिरोह से जुड़े जालसाज अभी भी मध्य प्रदेश और बिहार में सक्रिय हैं। अलग-अलग शहरों में गिरोह दफ्तर खोलकर फर्जीवाड़ा कर रहा है। इसके पीछे चीन के साइबर अपराधियों का हाथ है, जो आर्थिक व्यवस्था को चोट पहुंचाना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी कई चाइनीज एप का भी इस्तेमाल करते थे। बताया जा रहा है कि सरगना गन्नी दुबई में है। पुलिस आरोपी को वापस भारत लाने के लिए पत्राचार करेगी।

आरोपियों के पास बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन और लैपटॉप मिले हैं। जल्दबाजी के कारण पुलिस टीम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खंगाल नहीं पाई। अब कोर्ट से अनुमति लेकर आरोपियों के लैपटॉप और मोबाइल फोन का डेटा खंगाला जाएगा। डेटा एनालिसिस से पता चलेगा कि गिरोह की जड़ें कहां-कहां हैं। गिरोह ने किन-किन बैंकों में कहां पर खाते खुलवाए हैं, इसका ब्योरा भी मिलेगा। इसके बाद इन खातों को बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी। साइबर थाना, साइबर सेल और पीजीआई थाने की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को 10 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले गिरोह का राजफाश किया था। 15 आरोपियों को वृंदावन योजना स्थित एक फ्लैट से पकड़ा था। आरोपी गेमिंग एप और निवेश में मुनाफे का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे।

ईरान- इजराइल जंग से भारत सहित दुनियाभर के बाजार में हड़कंप

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागी, जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव और भयावह दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट आई और तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला।

अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट

भारत समेत दुनिया भर के बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिकी शेयर बाजार इंडेक्स एसएंडपी 500 में 1.1 फीसदी की गिरावट आई, जिससे एक हफ्ते की तेजी बंद हो गई। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स में 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो मार्च 2022 के बाद सबसे तेज उछाल है। भारत में भी शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में करीब 0.7 फीसदी की गिरावट आई, निफ्टी शुरुआत में करीब 1 फीसदी से ज़्यादा टूट गया था। तेल शेयरों में गिरावट हुई, जबकि ओएनजीसी और आइल इंडिया ने कच्चे तेल की तेजी से लाभ कमाया।

अडानी पोर्ट में 3 फीसदी की गिरावट हुई, जिसका कारण इजराइल के हाइफा पोर्ट से जुड़े होने के कारण हुआ। व्यापक बाजार दबाव में था और विदेशी निवेशक भारतीय इक्विटी में शुद्ध विक्रेताएं हैं।

सोमवार को बाजार में उथल-पुथल दिखाई दे सकती है, तेल की कीमतों में और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो सकती है अध्यापक बाधा।

तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार निफटी के 24,500 एक महत्वपूर्ण समर्थन स्तर है जिसका उलंघन और नुकसान ला सकता है। अगर ये युद्ध जारी रहता है तो बाजार में और उथल-पुथल आ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट का मुनाफा तीन गुना होकर 325 करोड़ पहुंचा

मुंबई। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 119 करोड़ रुपये था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपये से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपये रह गया ।

भारत में तेज रफ्तार कारें बनी अब हकीकत

नई दिल्ली। भारत में अब तेज रफ्तार कारें अब सपना नहीं बल्कि हकीकत है। देश की सबसे तेज कारें अब इलेक्ट्रिक हैं और वो भी मेड-इन-इंडिया। टाटा हैरियर ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 9ई और महिंद्रा बीई 6 जैसी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी अब सिर्फ 6.3 से 6.7 सेकेंड में 100 की रफ्तार पकड़ लेती हैं। इनकी कीमत 18.90 लाख से 30.50 लाख रुपये के बीच है, जो आम खरीदारों की पहुंच में है। टाटा हैरियर ईवी सबसे तेज टाटा कार है जो 6.3 सेकंड में 100 की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें 65 और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प, 627 किमी तक की रेंज और ड्यूल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव जैसी खूबियां हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 9ई 6.7 सेकेंड में 100 की स्पीड पकड़ती है और इसकी रेंज 656 किमी तक जाती है। इसमें इंग्लो प्लेटफॉर्म, फास्ट चार्जिंग और कूपे जैसा स्टाइल है। वहीं महिंद्रा ब्ध 6 भी 6.7 सेकेंड में 0-100 की स्पीड तक पहुंचती है, इसका डिज़ाइन बोल्ड है और 683 किमी तक की रेंज देती है। अब ईवी सिर्फ पैसे और पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और थ्रिल का भी दूसरा नाम बन चुकी हैं। इन मेड-इन-इंडिया कारों ने दिखा दिया है कि अब बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कंपनियों की रफ्तार को टक्कर देने के लिए बैटरी से चलने वाली भारतीय कारें भी तैयार हैं। बता दें कि कुछ साल पहले तक 7 सेकेंड से कम समय में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार हासिल करना केवल महंगी लग्जरी सेडान या हाई-एंड एसयूवी का सपना होता था। लेकिन अब यह सपना भारत में बना हकीकत है।

भारतीय बाजार में टाटा की एसयूवी हैरियर ईवी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी को लॉन्च कर दिया है। टाटा मोटर्स ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 21.49 लाख रुपये तय की है। टाटा हैरियर ईवी को लेकर ग्राहकों में लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई थी, और अब इसके लॉन्च के साथ कंपनी ने एक बार फिर भारतीय ईवी मार्केट में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है। इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग 2 जुलाई से शुरू होगी। यह एसयूवी एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है, जो इसे लंबी यात्राओं के लिए बेहद उपयुक्त बनाता है। इस ईवी में कंपनी ने कई आधुनिक और यूनीक फीचर्स जोड़े हैं। इसमें दिया गया नया 540-डिग्री कैमरा सिस्टम पारंपरिक 360-डिग्री कैमरे से अलग है, क्योंकि यह ट्रांसपेरेंट मोड में सड़क के नीचे की स्थिति भी दिखा सकता है, जिससे खराब रास्तों और गड्ढों में चलाना आसान होता है। टाटा हैरियर ईवी में छह मल्टी-टेरेन ड्राइविंग मोड दिए गए हैं जो विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर ट्रैक्शन और कंट्रोल प्रदान करते हैं। इस गाड़ी में 14.5 इंच का नियो क्यूएलईडी इंफोटेनमेंट सिस्टम लगा है, जो टाटा की किसी भी कार में अब तक का सबसे बड़ा डिस्प्ले है। इसके अलावा डिजिटल रियर व्यू मिरर की सुविधा भी दी गई है, जो कैमरे की मदद से रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम के तौर पर काम करता है। हैरियर ईवी इन सभी खूबियों के साथ एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के रूप में सामने आई है।

एसबीआई ने लोन दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की, नई दरें 15 जून से प्रभावी

एसबीआई का होम लोन 0.50 फीसदी हुआ सस्ता, अब 7.50 फीसदी पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में संशोधन के करने के बाद कई बैंकों ने अपने लेंडिंग रेट में कटौती की है। इसी कड़ी में देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी प्रमुख लोन दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। नई दरें 15 जून से लागू होंगी। स्टेट बैंक ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि लोन की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो जाएगा। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना आधार 7.50 फीसदी से शुरू होंगी। ये नई दरें 15 जून, 2025 से प्रभावी होंगी।

इस कटौती के बाद एसबीआई होम लोन की ब्याज दर उधारकर्ता के सिबिल स्कोर के आधार पर 7.50 फीसदी से 8.45 फीसदी तक होगी। एसबीआई होम लोन मैक्सगेन ओडी ब्याज दर 7.75 फीसदी से 8.70 फीसदी के बीच है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन के लिए ब्याज दर 8 फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच है। इससे पहले यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.50 फीसदी तक घटाई है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बैंक है। रेपो दर में कटौती से विभिन्न ऋण-लिंक्ड बेंचमार्क प्रभावित होते हैं, जिनमें बाहरी बेंचमार्क दर (ईबीआर), बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) और रेपो लिंक्ड उधार दर (आरएलएलआर) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि रिपो रेट में कटौती करने से बैंकों को केंद्रीय बैंक से कम ब्याज दरों पर लोन मिलता है, जिसके चलते बैंक ग्राहकों को होम लोन सस्ती दरों पर देते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.50 फीसदी पर आ गई है। आरबीआई के रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों ने भी अपने लोन दरों में कटौती शुरू कर दी है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की विदेशी मुद्रा कमाई में भारत हिस्सा ज्यादा

मुंबई (ईएमएस)। भारत में मेक इन इंडिया नीति के प्रयासों ने देश के स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को विदेशी बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है। चीन की बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर निर्मित उत्पादों के साथ भारतीय कंपनियां अब विश्वभर में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए हैं। इन कंपनियों के साथ ही भारतीय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बना रही हैं। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत कुछ कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल रही है। ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए चीन पर लगे टैरिफ और तनावों ने चीनी कंपनियों को भारत की ओर मोड़ने पर मजबूर किया है, जिससे भारत वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण निर्यात केंद्र बन सकता है। इस उत्थान से मानव समुदाय को नये उत्पादों और तकनीकी उन्नति में लाभ होगा, जिससे भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है।

भारत आईआरईएल के साथ 13 साल पुराना निर्यात समझौता रोकेगा

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी

भारत सरकार ने अपनी रेयर अर्थ मेटल्स को घरेलू जरूरतों के लिए बचाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इसके तहत, सरकार ने स्टेट-रन कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) से जापान के साथ 13 साल पुराने निर्यात समझौते को रोकने के लिए कहा है। जापान का यह इस्तेमाल होता है इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर में। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में आईआरईएल को रेयर अर्थ, खासकर नियोडिमियम, का निर्यात रोकने को कहा है।

इससे भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी। यह भी उजागर करना जरूरी है कि भारत की जरूरतें हों तो उन्हें अपने अंदर ही पूरा किया जा सके। आईआरईएल की ओर से यह कदम भारत की स्वायत्तता और उसकी मजबूती का प्रतीक है। आने वाले समय में हमें देखने को मिलेगा कि कैसे यह फैसला भारतीय रेयर अर्थ उद्योग को एक नई दिशा देगा। बता दें कि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रेयर अर्थ मेटल्स रिजर्व है, जो 6.9 मिलियन मीट्रिक टन है, लेकिन अभी मैग्नेट प्रोडक्शन की कोई घरेलू व्यवस्था नहीं है। मार्च 2025 तक भारत ने 53,748 मीट्रिक टन रेयर अर्थ मैग्नेट आयात किए, जो ज्यादातर चीन से आए। आईआरईएल ओडिशा में एक एक्सट्रैक्शन प्लांट और केरल में एक रिफाइनिंग यूनिट चलाता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की आयकर विभाग कर रहा जांच

मुंबई। अगर आपने क्रिप्टोकरेंसी से कमाई की है और उसे आयकर रिटर्न में नहीं दिखाया है, तो आपको अब सतर्क रहने की आवश्यकता है। आयकर विभाग ने ऐसे हजारों लोगों को ई-मेल भेजकर उनकी क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की जानकारी देने के लिए साधारित किया है। माना जा रहा है कि कुछ लोग बिना हिसाब की आय को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं और टैक्स चोरी या मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका भी है। आयकर विभाग ने इन लोगों से उनके आय से संबंधित जानकारी देने के लिए योग्यता की मांग की है। यह कार्रवाई क्रिप्टो एक्सचेंजों से मिले टीडीएस डेटा और करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर के बीच मिलान के आधार पर की जा रही है।

पंजाब के दूध, घी और पनीर के 1162 में से 415 सैंपलों में मिलावट: रिपोर्ट

पंजाब में भोजन सुरक्षा विभाग ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में बिकने वाले दूध, पनीर, और घी में सब कुछ ठीक नहीं है। विभाग ने लिए गए 1162 सैंपलों से पता चला कि 415 सैंपलों में मिलावट थी। रिपोर्ट के अनुसार इन नमूनों में प्राकृतिक वसा की बजाय रिफाइंड ऑयल, वैजिटेबिल ऑयल, पनीर में एसिड, सोया की अत्यधिक मौजूदगी, तेल, डिटर्जेंट, और यूरिया मिला हुआ था। कुछ नमूनों में ग्लूकोज को भी मिलाया गया था। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट ने खुलासा किया कि 26.71 प्रतिशत दूध, 21.62 प्रतिशत घी, और 48.02 प्रतिशत पनीर के सैंपल मानवीय उपयोग के लिए असुरक्षित पाए गए हैं। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई आंकड़ों के मुताबिक इन असुरक्षित सैंपलों का सेवन करने से व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

इजराइल -ईरान तनाव: भारत सरकार सतर्क अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)।

इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ते जा रहे हैं और इसके विभागीय असर को लेकर भारत सरकार सतर्क है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था पर इस संघर्ष का बड़ा प्रभाव अभी तक नहीं पड़ा है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की संभावना है जो भारतीय शेयर बाजार, रुपए की कमजोरी और समुद्री मालवाहन खर्चों में वृद्धि को प्रेरित कर सकती है। वित्त मंत्रालय और अन्य संबंधित संस्थाएं बाजार की स्थिति पर नजर रख रही हैं और अब भी विश्वास है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और जटिलताओं से निपटने में सक्षम है। यदि कोई असर पड़ता है, तो यह अस्थायी होगा और दीर्घकालिक प्रभाव की संभावना कम है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो वैश्विक बाजारों की चल रही गिरावट का परिणाम था। निवेशकों में भय का माहौल बनने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट आई। इजरायल द्वारा ईरान पर हमले की खबर से कच्चे तेल की कीमतों में 12 फीसदी की तेजी आई, लेकिन बाद में पता चला कि हमला परमाणु प्रतिष्ठानों पर हुआ था।

भारत जापान के बीच दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर हालात गंभीर

आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)।

भारत और जापान के बीच 13 साल पुराने समझौते के मध्यम से परिष्कृत दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर बड़े परिवर्तन की संभावना खड़ी हो गई है। चीन से मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा होने से गृहित स्टॉक और निर्यात को लेकर मामले में तनाव बढ़ रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब वह यह दावा करे हैं कि जापान के ऊपर भारत को सीमित करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, वे विश्वस्त भारत-जापान समझौते को ध्यान में रखकर यदि दुर्लभ खनिज की बेहतर आपूर्ति के लिए उचित समझौते की मांग कर रहे हैं। वाहन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संकटकाल में हमें आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत है। वे कहते हैं कि भारत के साथ तकनीकी सहयोग करके मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देना आवश्यक है। सरकारी स्त्रोतों के अनुसार सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता सेध्यान दे रही है ।

बजाज फायनेंस ने की 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने की घोषणा, रिकॉर्ड डेट 16 जून तय

नई दिल्ली। सोमवार को बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिसमें कंपनी एक बड़ी खुशखबरी भी लाई है। बजाज फाइनेंस ने एक हिस्सों में अपने शेयरों का बंटवारा किया है और इसके साथ ही 4 शेयर बोनस भी देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट को 16 जून तय किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बजाज फाइनेंस ने एक्स-बोनस ट्रेड की है। कंपनी ने पहले भी 2016 में ऐसा किया था। एक्स-बोनस ट्रेड के माध्यम से निवेशकों को एक शेयर पर 4 शेयर बोनस मिलेगा। बजाज फाइनेंस के शेयरों की कीमतों में पिछले वर्ष में 28 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी का 52 हफ्ते का हाई 9785.90 रुपये और निम्नतम स्तर 6426.05 रुपये है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की रौनक बढ़ाएंगे सांसद मनोज तिवारी, आज दिल्ली में होगा आयोजन

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) ।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता-गायक मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की शान बढ़ाएंगे। यह आयोजन 15 जून को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा, जो फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।

इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में पीईएफआई अध्यक्ष डॉ. एके बंसल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कोच), 1992 एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोडारा, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़ के प्रोफेसर व निदेशक (खेल) डॉ. त्रिभुवन राम नारायण और सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब सोसाइटी दिल्ली के स्विमिंग कोच मनजीत शेखावत शामिल होंगे। इस साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां, साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, साई ट्रेनिंग सेंटर्स, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया सेंटर्स भी शामिल हैं। इस मुहिम में 15,000 से अधिक नागरिकों के भाग लेने की संभावना है। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा की गई थी। तब से यह अभियान देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 3.5 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। इससे पहले आयोजित कार्यक्रमों में भारतीय सेना के जवान, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, भारतीय रेल और लवलीना बोरगोहेन, संग्राम सिंह, नीतू घंघास, सावित्री बूरा, पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता नितेश कुमार, मनीषा रामदास, रुबिना फ्रांसिस, सिमरन शर्मा जैसी खेल हस्तियां और राहुल बोस, अमित सियाल, शारवरी वाघ, मधुरिमा तुली और गुल पनाग जैसी फिल्मी हस्तियां भी भाग ले चुकी हैं। यह पहल युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, माय बाइक्स और माय भारत के सहयोग से आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य भारत में फिटनेस को बढ़ावा देना है।

न्यूज ब्रीफ

एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप : भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने वॉल्ट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के जेचियोन जिमनैजियम में चल रही एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप

2025 में भारत की प्रणति नायक ने वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। शनिवार को हुए फाइनल में 30 वर्षीय प्रणति ने 13.466 स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने स्वर्ण और वियतनाम की गुयेन थी क्विन्ह न्हु ने रजत पदक जीता। वहीं भारत की ही एक और प्रतिभागी प्रतिष्ठा सामंता 13.016 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। यह कांस्य पदक प्रणति नायक के एशियाई चैंपियनशिप करियर का तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 (उलानबातार) और 2022 (दोहा) में भी वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने दीपा करमाकर के दो पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली जिम्नास्ट बन गई हैं। इस साल मार्च में भी प्रणति ने तुर्की के अंताल्या में हुए आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक अप्परैटस वर्ल्ड कप में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनका यह निरंतर प्रदर्शन भारतीय जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-2 से हराया, अभिषेक का डबल गोल गया बेकार

एंटवर्प। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपियन चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में कमजोर पड़ती डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर पर मिली गोलों की मार ने भारत को 3-2 से हार का स्वाद चखाया। 2-0 की बढ़त गंवाकर भारत को मिली लगातार पांचवीं हार टीम इंडिया के लिए अभिषेक (8', 35') ने दो शानदार गोल किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एफराम्स (42'), जोएल रिंटाला (56') और टॉम क्रेग (60') ने गोल कर अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई। भारत की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। 8वें मिनट में मनप्रीत सिंह (जो अपने 399वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेल रहे थे) के मिडफील्ड से मिले शानदार पास को अभिषेक ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दो मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर से वापसी की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार सेव कर भारत की बढ़त बरकरार रखी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी लय बनाए रखी और ऑस्ट्रेलियाई हमलों को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत की रणनीति सतर्कता की रही। मनदीप सिंह द्वारा मनप्रीत को दिए गए तेज पास से भारत गोल करने के करीब पहुंचा लेकिन गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन इसी बीच 35वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार असिस्ट पर अभिषेक ने एक और गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 42वें मिनट में नाथन एफराम्स के गोल से खाता खोला। इसके बाद अंतिम क्वार्टर भारत के लिए चुनौतीभरा साबित हुआ। सूरज करकेरा ने कई बेहतरीन बचाव किए, लेकिन 56वें मिनट में जोएल रिंटाला ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

हार से गुस्साएं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन ने फैंस से तू-तड़ाक शुरु की

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में हार की कगार पर

है। इंग्लैंड के लॉर्ड्स में एडन मारक्रम की यादगार सेंचुरी और कप्तान तेंबा बवूमा की शानदार पारी ने कंगारू गेंदबाजों की दम निकल दी है। लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीदों पर पानी फिरता देखकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बुरी तरह से बौखला हुए हैं। 3 दिन का खेल खत्म होने के बाद जब फैंस ने कंगारू टीम के खिलाड़ियों की हूटिंग करनी शुरु की हैं, तब मार्नस लाबुशेन फैंस से उलझ गए और बुरा बर्ताव किया। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका की टीम इतिहास रचने के कगार पर है। टॉस जीतकर कप्तान बवूमा ने पहले गेंदबाज चुनी और पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका को 138 रन पर ऑल आउट कर कंगारू टीम ने जोरदार वापसी लेकिन दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी खस्ता हाल दिखी। महज 207 रन पर पूरी कंगारु टीम निपट गई और साउथ अफ्रीका को 282 रन का लक्ष्य दिया।

कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसला : कल्याण चौबे

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को कहा है कि भारत की पुरुष फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर निर्णय 29 जून को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड मनोलो मार्केज़ एक अनुभवी और भारतीय फुटबॉल को समझने वाले कोच हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे कई कॉल्स आ रही हैं कि क्या वह कोच बने रहेंगे या नहीं। इस पर अंतिम निर्णय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। हालांकि, यह सोचना अवास्तविक है कि बिना गोल किए हम जीत सकते हैं।वर्ल्ड मार्केज़ ने इगोर स्टिमाक की जगह भारतीय टीम के कोच का पद संभाला था, लेकिन अब तक वह एक भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच जीतने में नाकाम रहे हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 0-1 से हार और बांग्लादेश से गोलरहित ड्रॉ ने आलोचनाओं को जन्म दिया है और कोच को हटाने की मांग तेज हो गई है।

ओसीआई खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल करने की कवायद - कल्याण चौबे ने बताया कि एआईएफएफ उन भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों यानी ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) को टीम में शामिल करने के लिए कई सरकारी विभागों के संपर्क में है।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड हमने इस विषय पर सरकार के कई मंत्रालयों से संवाद शुरू किया है और शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। हम 33 ऐसे खिलाड़ियों से संपर्क में हैं जिनमें से कुछ के पास ओसीआई कार्ड है और कुछ आवेदन की प्रक्रिया में हैं। हम उन्हें इस प्रक्रिया में सहायता भी दे रहे हैं।

आईएसएल में भारतीय स्ट्राइकरों की कमी चिंता का विषय - भारतीय सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय स्ट्राइकरों की भागीदारी कम होने को लेकर भी सवाल उठे।

कल्याण चौबे ने कहा, वर्ल्ड विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में कटौती पर एआईएफएफ अकेले निर्णय नहीं ले सकता। सभी हितधारकों को मिलकर निर्णय लेना होगा।

एआईएफएफ द्वारा की गई एक प्रस्तुति के अनुसार, भारत के तीन हालिया कोचों — स्टीफन कॉन्स्टैन्टाइन, इगोर स्टिमाक, और मनोलो मार्केज़ — के कार्यकाल में टीम के प्रदर्शन की तुलना की गई:

कॉन्स्टैन्टाइन: प्रति मैच गोल - 1.64 7 जीत प्रतिशत - 57प्रतिशत

स्टिमाक: प्रति मैच गोल - 1.01 7 जीत प्रतिशत - 35प्रतिशत

मार्केज़: प्रति मैच गोल - 0.75 7 जीत प्रतिशत - 13प्रतिशत

इसके अलावा यह भी बताया गया कि भारतीय स्ट्राइकरों को उनके क्लबों में नियमित रूप से सेंटर फॉरवर्ड की भूमिका नहीं मिलती, जिससे राष्ट्रीय टीम में उन्हें नए पोजीशन में खेलने में मुश्किल होती है।

चौबे ने कहा, वर्ल्ड हमने पिछले 10 सालों में अच्छे स्ट्राइकर तैयार नहीं किए हैं। सुनील छेत्री का समर्पण और फिटनेस काबिले-तारीफ है, लेकिन अब नए फॉरवर्ड्स की जरूरत है।

2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी पर भारत की नजर - कल्याण चौबे ने बताया कि भारत ने 2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी के लिए 'इच्छा पत्र' जमा कर दिया है। इसके अलावा भारत भविष्य में एएफसी बीच सॉकर और फूटसाल टूर्नामेंट की मेजबानी की योजना भी बना रहा है। उन्होंने कहा, वर्ल्ड हम नीचे से ऊपर की ओर काम करने की रणनीति पर चल रहे हैं। 2031 एशियन कप की मेजबानी के साथ हम भविष्य में किसी फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी के बारे में भी सोच सकते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कानूनी मामलों और अदालती कार्यवाहियों में एआईएफएफ का काफी समय और पैसा खर्च हो रहा है, जिसे फुटबॉल के विकास में लगाया जाना चाहिए।

सगाई के बाद पहली बार ससुराल पहुंचे रिंकू सिंह...शर्म से लाल हो गई प्रिया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की सगाई चर्चा के केंद्र में है। हर ओर सिर्फ इस खूबसूरत जोड़ी को लेकर ही बातें की जा रही है। सगाई के बाद पहली बार रिंकू सिंह के ससुराल पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सास दरवाजे पर उनके लिए फूलों से भरा थाल लेकर आई। वहीं पत्नी प्रिया शर्म से लाल हो गई। सोशल मीडिया पर रिंकू सिंह का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने 8 जून को सांसद प्रिया सरोज के साथ लखनऊ में सगाई की। दोनों की सगाई में क्रिकेट जगत की हस्ती सहित बड़े नेता शामिल हुए। 3 साल से दोनों एक दूसरे को जानते हैं। जानकारी के मुताबिक रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की मुलाकात किसी दोस्त ने कराई थी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पहली बार ससुराल पहुंचने उनका बहुत ही शानदार स्वागत हुआ। दरवाजे पर पहुंचने पर उनके लिए सास गुलाब की पंखुड़ी से भरी थाल लेकर पहुंची। रिंकू ने सबसे पहले सास के पैर छुए और फिर उन्होंने होने वाले दामाद को टीका लगाया। इसके बाद गुलाब की पंखुड़ी को रिंकू के ऊपर छीटा।

फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैंपियनशिप

अर्जुन एरिगैसी की अगुवाई में टीम एमजीडी1 ने रैपिड खिताब जीत रचा इतिहास

लंदन, 14 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय शतरंज के इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब पुणे स्थित टीम एमजीडी 1 ने अर्जुन एरिगैसी की कप्तानी में फिडे वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज़ टीम चैंपियनशिप 2025 का रैपिड खिताब जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय-प्रायोजित टीम बन गई है।

टीम एमजीडी1 केवल एक शतरंज टीम नहीं बल्कि एक शतरंज प्रबंधन और निवेश संस्था है, जो प्रतिभाओं को संवारने, टूर्नामेंट आयोजित करने और अपनी फ्लैगशिप टीम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतारने का कार्य करती है। इस टीम की खासियत यह रही कि यह पूरी तरह भारतीय प्रतिभाओं पर आधारित रही, जिसमें अर्जुन एरिगैसी के अलावा पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन ल्यूक मेंडोंका, प्रणव वी और अथर्व पी. तायड़े शामिल रहे।

आखिरी दौर में रोमांचक जीत - फाइनल राउंड में एमजीडी1 का मुकाबला माल्कम्स मेट्स से हुआ, जहां अर्जुन एरिगैसी, प्रणव वी और अथर्व तायड़े ने निर्णायक जीतें दर्ज करते हुए टीम को ऐतिहासिक खिताब दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमजीडी1 का मुख्य मुकाबला हेक्सामाइंड टीम से रहा, जिसमें लेवोन अरोनियन, विदित गुजराती और दिव्या देशमुख जैसे सितारे शामिल थे। हेक्सामाइंड ने अंततः 1 मैच प्वाइंट से पीछे रहकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली फ्रीडम टीम ने 17 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले दिन की मुख्य झलकियां टूर्नामेंट के पहले दिन चार राउंड के बाद एमजीडी1 ने 4 में से 4 मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारू नाकामुरा और अलेक्ज़ांद्रा कोस्टेनियुक जैसे दिग्गजों वाली डब्ल्यूआर चेस टीम ने विश्वनाथन आनंद की फ्रीडम टीम से ड्रॉ खेला और दूसरे स्थान पर रही। इस बार टूर्नामेंट में दो प्रमुख नाम मैग्नस कार्लसन और इयान नेपोमनियाची - शामिल नहीं हो सके।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा। पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है। शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा। अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है। इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था। पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी। पुरुष क्रिकेट में आईसीसी चार कैटेगरी में वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करती है। वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी। इन सभी को मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 10 खिताब जीते हैं। उसके नाम ही सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 6 वनडे वर्ल्ड कप और एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है। साथ ही एक-एक चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी टाइटल भी जीता है। लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका मैच जीत जाता हैं तब 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम करेगा।

मेसी फीफा क्लब विश्व कप में इंटर मियामी का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक

मियामी, 14 जून (एजेंसियां) ।

फुटबॉल महानायक लियोनेल मेसी ने कहा है कि 2025 में अमेरिका में होने वाले फीफा क्लब विश्व कप के लिए उनकी उम्मीदें पहले के मुकाबलों से अलग होंगी, जब वह बार्सिलोना की ओर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेते थे।

मेसी 2009, 2011 और 2015 में बार्सिलोना के साथ क्लब विश्व कप जीत चुके हैं। इस बार यह टूर्नामेंट विस्तारित 32 टीमों के फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो चार सप्ताह तक चलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित होगा। फीफा से बातचीत में मेसी ने कहा,वर्ल्ड इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का मौका बेहद खास है। इस बार की उम्मीदें अलग हैं, लेकिन मैं उत्साहित हूं और दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तत्पर हूं। इंटर मियामी अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में अल अहली के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम पाल्मेइरास और पोर्टो से भिड़ेगी। मेसी ने कहा कि फीफा के सभी छह महाद्वीपों की टीमों की भागीदारी इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए खास अनुभव बनाएगी। उन्होंने कहा,वर्ल्ड दुनिया भर से बड़ी टीमें आ रही हैं और इससे दुनियाभर के लोगों की दिलचस्पी जुड़ी है। यह हमारे लिए एक नया और अलग अनुभव है। अमेरिका में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलते देखना एक अद्भुत अवसर है। हालांकि उन्होंने माना कि यूरोपीय क्लब खिताब के प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन उन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अन्य क्षेत्रों की टीमों को भी हल्के में नहीं आंका। मेसी ने कहा,वर्ल्ड यह दक्षिण अमेरिकी और उभरती हुई टीमों के लिए भी बड़ा मौका है कि वे यूरोपीय दिग्गजों के खिलाफ खेलें। वे टीमें जिनके पास दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और जिन्हें देखने के लिए लोग बेताब रहते हैं।यह खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। 2025 क्लब विश्व कप की शुरुआत इस शनिवार से हो रही है और यह टूर्नामेंट 2025 गर्मियों में अमेरिका में आयोजित होने वाले सबसे बड़े फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विमान हादसा...

विमान हादसे की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठन किया गया है। यह समिति 12 जून 2025 को अहमदाबाद से गैटविक हवाई अड्डे (लंदन) के लिए एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच करेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक, जांच समिति ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए जारी मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और दिशानिर्देशों की भी जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशा निर्देश सुझाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह भी बताया है कि समिति संबंधित संगठनों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का विकल्प नहीं होगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए एसओपी तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

विमानन नियामक डीजीसीए ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दे रखा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने भी अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया और प्राथमिक जांच पड़ताल की थी। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) भी दुर्घटना की जांच कर रहा है। एएआईबी ही भारतीय हवाई क्षेत्र में परिचालन करने वाले विमानों से जुड़ी सुरक्षा घटनाओं को दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं में वर्गीकृत करने के लिए जिम्मेदार है।

दूसरी तरफ एयर इंडिया ने ऐलान किया है कि हादसे में हताहत हुए लोगों के परिवार को तत्काल 25 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। यह मदद एक करोड़ के मुआवजे से अलग होगी। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को 1 करोड़ की सहायता राशि देने की घोषणा पहले ही कर चुका है।

मंदिर से निकाले...

2018 में महाराष्ट्र सरकार ने शनि शिंगणापुर मंदिर को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की थी, लेकिन हिंदू संगठनों ने इसे रुकवाया था। इस बार आचार्य तुषार भोसले और उनके संगठन ने मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने की मांग की। वे कहते हैं कि कुछ लोग इसे राजनीति कह सकते हैं, लेकिन हिंदू भक्तों के लिए ये मंदिर की पवित्रता की लड़ाई है। जैसे अयोध्या के राम मंदिर में हिंदू अधिकारियों को अहम जगह दी गई, वैसे ही शनि शिंगणापुर में भी हिंदू कर्मचारी ही होने चाहिए। शनि शिंगणापुर देवस्थान के सीईओ गोरक्षनाथ दरंदाले ने बताया कि यहां करीब 2400 कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से कई काम पर नहीं आते। ऐसे लोगों की सैलरी भी रोकी गई है। इसके बाद ही ये कार्रवाई की गई। कई कर्मचारियों की सैलरी 5-5 माह से रुकी है। ट्रस्टी अप्पासाहेब शेटे का कहना है कि कर्मचारियों का निष्कासन धर्म की वजह से नहीं, बल्कि खराब काम और गैर-हाजिरी की वजह से हुआ है। शनि शिंगणापुर मंदिर पहले भी विवादों में रहा है। 2016 में महिलाओं को मंदिर के गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं थी। तब कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने आंदोलन किया, और बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कोई कानून महिलाओं को मंदिर में जाने से नहीं रोक सकता। इस फैसले के बाद 400 साल पुराना नियम टूटा।

उपद्रवियों को...

सीएम सरमा ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि जो भी सांप्रदायिकता फैलाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

2029 चुनाव तक...

जिसके तहत परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा जिससे लोकसभा सीटों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रत्येक जनगणना के बाद सीटों के पुनर्समायोजन का प्रावधान है। वर्तमान लोकसभा में जनसंख्या के आंकड़े 1971 की जनगणना के अनुसार हैं क्योंकि 1976 में सीटों का परिसीमन 25 वर्षों के लिए स्थगित कर दिया गया था। 2001 में संविधान संशोधन के माध्यम से अगले 25 सालों के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2002 में वाजपेयी सरकार ने कहा था कि इससे परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं, 2026 तक संसद द्वारा एक और संवैधानिक संशोधन पारित नहीं किया जाता है तो परिसीमन पर रोक खुद-ब-खुद समाप्त हो जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 15 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना के इंजीनियर पर एसीबी का शिकंजा

करोड़ों की अवैध सम्पत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई विभाग में काम करने वाले एक बड़े अफसर नूने श्रीधर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बताया कि इंजीनियर ने अपनी सैलरी से कहीं ज्यादा सम्पत्ति जमा कर रखी है।

एसीबी ने श्रीधर और उनके करीबियों के 13 ठिकानों पर पिछले दिनों छापा मारा। छापामारी में इंजीनियर की अकूत सम्पत्ति उजागर हुई। इनमें हैदराबाद में एक शानदार विला, 19 कीमती प्लॉट, 3 इमारतें, 16 एकड़ खेती की जमीन, 2

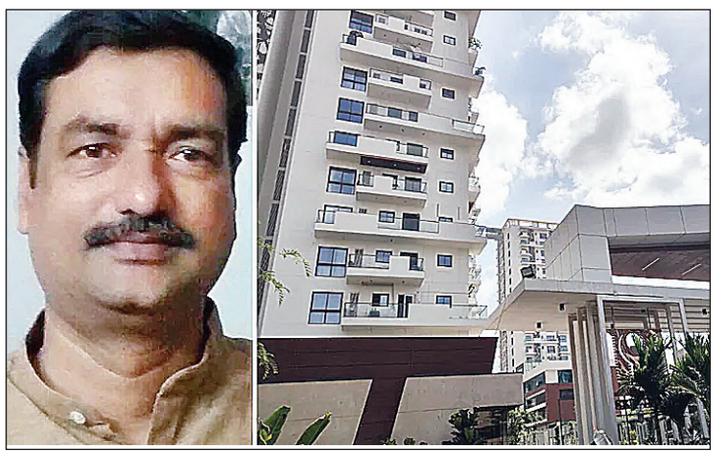

लग्जरी गाड़ियां, सोने के जेवर, बैंकों में भारी रकम वगैरह शामिल है। श्रीधर करीमनगर जिले के एसआरएसपी प्रोजेक्ट के डिवीजन नंबर 8 में इंजीनियर थे। एसीबी का कहना है कि उन्होंने ये सारी सम्पत्ति गैरकानूनी और संदिग्ध तरीकों से जमा की है। एसीबी को श्रीधर की बेटे की थाईलैंड में हुई शाही शादी पर शक हुआ। कहा जा रहा है कि इस शादी में कई करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसके बाद ही एसीबी ने जांच शुरू की। श्रीधर का नाम तेलंगाना के बड़े सिंचाई प्रोजेक्ट कालेश्वरम से भी जुड़ा है, जिसमें पहले से ही गड़बड़ियों की जांच चल रही है। एसीबी ने इंजीनियर के हैदराबाद के मलकपेट स्थित एक घर, करीमनगर स्थित एक कार्यालय तथा वारंगल और सिद्दीपेट स्थित रिश्तेदारों के घरों पर छापेमारी की गई। कई दस्तावेज, पैसे, जमीन के कागज और लेनदेन के रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। एसीबी ने श्रीधर को करीमनगर से गिरफ्तार किया और उसे हैदराबाद ले आई। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत केस दर्ज हुआ और उन्हें अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जगन्नाथ मठ में रथ यात्रा महोत्सव 26 से

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ माधव दास जिरा, सीताराम बाग में रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें शहर के अनेक सामाजिक धर्मार्थ सेवा करने वाले भक्त जुड़कर रथ यात्रा महोत्सव को सफल बनाते हैं ।

इस बार जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत दि. 26 जून को प्रातः बेला में श्री जगन्नाथ भगवान के प्रथम दर्शन कराए जाएंगे। तदुउपरांत सायंकाल मेला में छप्पन भोग भगवान को समर्पित की जाएगी और भक्तों के लिए दर्शन उपलब्ध रहेंगे। जिसमें सभी भक्त श्री जगन्नाथ भगवान की दर्शन कर सकते हैं। दि. 27 जून को प्रातः बेला में ध्वज पूजा एवं श्री जगन्नाथ भगवान की झांकी एवं दर्शन मध्याह्न तक उपलब्ध कराया जाएगा। अपराह्न 3:00 बजे के उपरांत विष्णु सहत्रम एवं पूजा अर्चना कर रथ यात्रा की पूजा-अर्चना आदि कर 5.00 बजे रथ का पूजन कर भगवान श्री जगन्नाथ रथ पर विराजमान होंगे। 5:21 के बाद भगवान नगर भ्रमण निकलेगे।

इस अवसर पर भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था मठ परिवार की ओर से की जाती है।

सभी भक्तों से उक्त कार्यक्रमों में भाग लेकर जगन्नाथ भगवान का प्रसाद ग्रहण करने एवं पुण्य के भागी बनने का आग्रह किया गया।

रथ यात्रा मठ प्रांगण से ज्ञान बाग कॉलोनी के लिए प्रस्थान करेगी। भगवान वहां पर सभी भक्तों को दर्शन देंगे। रात्रि बेला में वहां पर आरती पूजा की जाएगी। दि. 28 जून को ज्ञान बाग रथ यात्रा श्री श्री जगन्नाथ ज्ञान बाग रथ सेवा समिति जो कि ननिहाल पक्ष की तरफ से वहां पर भगवान श्री जगन्नाथ जी का उत्सव चलेगा। जिसके अंतर्गत सायंकाल में सुंदरकांड का आयोजन, भजन कीर्तन और भगवान की आरती पूजा कर सबको महाप्रसाद वितरण किया जाएगा।

दि. 29 को सायंकाल श्री जगन्नाथ भगवान राधा रोड होकर उल्टी यात्रा श्री जगन्नाथ मठ के लिए प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया जाएगा और दर्शन के लाभ मिलेगा।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य श्री जगन्नाथ पाठ माधव दास जिरा द्वारा बताया गया कि ज्ञान बाग कॉलोनी में रथ के संदर्भ में एक छोटी सी सेवा प्रयोजन हेतु कार्य को बढ़ाने के लिए संदर्भ में बैठक की गई। जिसमें सुरेश कुमार अग्रवाल, घनश्याम दास राठी, ब्रजमोहन बजाज, विष्णु खंडेल, राजेंद्र जवर, गोकुल चंद उपाध्य, बृजमोहन बजाज एवं सभी ज्ञानबागवासी उपस्थित थे।

बिहार अग्रवाल संघ की सावन की सैर लोनावाला में 14 अगस्त से

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार अग्रवाल संघ तेलंगाना इस वर्ष सावन की सैर का कार्यक्रम लोनावाला व खंडाला में आयोजित करने का निर्णय लिया है। संघ के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक संतोष टाटिया द्वारा दी गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सावन की सैर का प्रारंभ हैदराबाद से रेलगाड़ी से दि. 14 अगस्त की रात्रि को रवाना होकर 18 अगस्त की प्रातः वापस हैदराबाद पहुंचेंगे। उक्त कार्यक्रम में संघ के सदस्य व उनके परिजन ही भाग ले सकेंगे ।

उक्त कार्यक्रम में लोनावाला के

प्रसिद्ध नारायणी धाम मंदिर, विख्यात मोम संग्रहालय व इमेजिका वाटर पार्क के साथ ही लोनावाला व खंडाला के मधुर मौसम व मार्मिक दृशयों का आनंद लिया जा सकेगा। संघ के पास अब तक 30 सदस्यों ने उक्त भ्रमण कार्यक्रम में अपना नाम पंजीकृत कराया है । संयोजक ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि स्थान की सिमितता को ध्यान में रखते हुए पहले आओ के आधार पर शीघ्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण शीघ्र अतिशीघ्र कराने की कृपा करे। इस अवसर पर अध्यक्ष विकास केशान, मंत्री भीम फिटकारीवाला, उपाध्यक्ष व संयोजक संतोष टाटिया, कोषाध्यक्ष बिकि सराफ, सीए रवि लाडिया, मनीष अग्रवाल, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, विनय जैन, मनीष फिटकरिवाला,अर्जुन फिटकरीवाला, मनीष सराफ व हरी मोहन सराफ उपस्थित थे।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 189वां निःशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर आज

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी करके जानकारी दी कि मंच का 189वां विशाल निशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर का आयोजन 15 जून 2025 रविवार सुबह 10 से दोपहर 2.00 बजे तक किया जा रहा है। यह शिविर में एम एम सी सी टेलेंट स्कूल में सम्पन्न होगा। इस शिविर में स्थानीय सहयोग गुरुद्वारा साहिब श्री रामदास जी प्रबंधक कमेटी का रहेगा।इस शिविर में स्वरुप आई सेंटर,आबिड, बंजारा हिल्स हैदराबाद के नेत्र जांच विशेषज्ञ नेत्र संबंधी रोगीयों को सेवा प्रदान करेगें। जो रोगी जांच में मोतियाबिंद से पीड़ित पाया जायेगा,उसका मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेशन स्वरूप आई सेंटर में संघन जांच के बाद होगाएनकेडेंटलक्लिनिक,हनुमान टेकडी,आबिड, हैदराबाद के डॉ नितिन तोशनीवाल दंत रोगीयों के रोग निवारण हेतु सेवा प्रदान करेंगें । स्थानीय निवासियों से मंच और गुरूद्वारा कमेटी का निवेदन है कि भारी संख्या में आकर इस शिविर का लाभ उठायें ।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, अशोक गुप्ता एस.जे, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, ई जगन (चंपा पालतू), कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा आचार्य श्री तुलसी का 29वें महाप्रयाण विसर्जन दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा दिनांक 14 जून 2025 को गणाधिपति गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस पर विसर्जन से नव सृजन की ओर विषय कार्यशाला का आयोजन साध्वी श्री डाक्टर गवेषणाजी ठाणा 4 के सानिध्य में तेरापंथ भवन,हिमायत नगर में किया गया।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कार्यक्रम से पूर्व श्रामान दुलीचंद जी नाहटा के निवास स्थान से साध्वी श्री जी का पदार्पण विसर्जन रैली के रूप में तेरापंथ भवन, हिमायत नगर में हुआ।जिसमें अच्छी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की सहभागिता रही।कार्यक्रम की शुरूआत नमस्कार महामंत्र से की गई तत्पश्चात मंडल की बहनों द्वारा तुलसी अष्टकम् का भाव पूर्ण संगान किया गया ।महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा ने समस्त श्रावक समाज का स्वागत व अभिनंदन करते हुए बताया कि,'विसर्जन दिवस' केवल श्रद्धांजली नहीं है अपितु यह आचार्य तुलसी की विचारधारा को अपने भीतर उतारने का संकल्प है आइए. विसर्जन से नवसृजन की ओर एक क़दम और बढ़ाएं।सिकंदराबाद सभा मंत्री हेमंत जी संचेती, युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन जी नाहटा एवं अणुव्रत समिति अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने कार्यक्रम के लिए महिला मंडल को शुभकामनाएं प्रेषित की। संगठन मंत्री हर्षलता जी दुधोडिया के निर्देशन में विसर्जन दिवस पर बहुत सुंदर लघु नाटिका की प्रस्तुति दी गई। सभी सभा संस्था ने संयुक्त रूप से गणाधिपति के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए गीतिका का संगान किया।साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री ने कहा- आचार्य श्री तुलसी की जीवन-गाथा भारतीय चेतना का एक अभिनव उन्मेष है, आश्चर्यों की वर्णमाला से आलोकित एक महालेख है। आपने समाज में अनेक नए उन्मेष व नए आयाम दिये है। धार्मिक जगत् के इतिहास में एक नया किर्तिमान आपने स्थापित किया उसमें एक है- अपने पद का विसर्जन विसर्जन धन का, समय का, ज्ञान का, वस्तु का अनेक प्रकार का हो सकता है किन्तु सारी सक्षमता होते हुए अपने पद का विसर्जन' करना बहुत बड़ी बात है।साध्वी मयंकप्रभा जी ने कहा - विश्व के इतिहास में इन शताब्दियों का दुर्लभ व्यक्तित्व है- आचार्य श्री तुलसी । आचार्य श्री तुलसी का व्यक्तित्व और कर्तृत्व अमाप्य है। जिसे शब्दों में बांधना और गीतों में उकेरना असंभव है।साध्वी मेरुप्रभा जी ने सांसों में तुलसी का नाम गितिका प्रस्तुत की। साध्वी दक्षप्रभा जी ने भी सुमधुर गितिका प्रस्तुत की।श्रावक समाज द्वारा विसर्जन पत्र भरे गए।महेंद्र जी भंडारी, लक्ष्मीपत जी बैद, तिलोक जी सिपानी, राजेंद्र जी बोथरा, लक्ष्मीपत जी डुंगरवाल, सुशीला जी संचेती, विमलेश जी सिंघी, संपत जी सिंघी,चंद्रा जी सुराणा,चंदा जी जैन आदि अन्य गणमान्य व्यक्तियों की विशेष उपस्थिति रही ।मंत्री सुशीला जी मोदी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम की संयोजिका हर्षलता जी दूधोडिया, रूबी दुगड थे।अंत आभार ज्ञापन प्रचार प्रसार मंत्री मीनाक्षी सुराणा ने किया।

स्नेह सुगन्ध क्लब द्वारा कौन बनेगा करोड़पति आयोजित

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्नेह सुगंध लेडीज क्लब की लिली ग्रुप की मासिक गोष्ठी सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में प्रभा दुग्गड़ ने बताया कि लिली ग्रुप की आशा केडिया, वीना रूंगटा, श्यामा बागडी, इंदू गिड़िया, रेखा सिंघल एवं मधु सुराना ने आशा केडिया के निवास पर कौन बनेगा करोड़पति टीवी शो थीम पर मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यक्ष नीता पटेल ने सभी का स्वागत किया। सचिव संगीता सिंघवी ने पिछले महीने के कार्यक्रम के बारे में बताया। इंदू गिडिया एवं आशा केडिया ने फादर्स डे पर आधारित थाट ऑफ़ द डे पढ़ा। संगीता सिंघवी ने मई और जून महीने में आने वाले जन्मदिन और शादी के सालगिरह की बधाइयां दी। अंजू बाफना ने सितंबर माह में होने वाले हॉलीडे ट्रिप के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर कौन बनेगा करोड़पति की थीम पर गेम खिलाया गया। जिसमें 6 ग्रुप बनाए गए। सोनल, प्रीती और अन्वी ने अमिताभ बच्चन स्टाइल में ज्ञान वर्धक प्रश्नों के साथ गेम खिलाते हुए पूरे माहौल को रोमांचक बना दिया।गली गुरुज टीम की कुसुम अग्रवाल, मंजू शर्मा, मधु अग्रवाल, राजेश्वरी कोठारी एवं पिंकी केड़िया विजेता रही । तत्पश्चात् स्वादिष्ट भोजन का सभी ने आनंद लिया। सचिव संगीता सिंघवी ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

तेलंगाना राजीव स्वगृह नीलामी

मध्यम वर्ग के लिए खुशखबरी! हैदराबाद में बाजार मूल्य से कम में फ्लैट खरीदने का मौका

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार लंबे समय से खाली पड़े राजीव स्वगृह अपार्टमेंट की नीलामी करने की तैयारी कर रही है , जो मूल रूप से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बनाए गए थे। एक दशक से भी पहले बने ये फ्लैट प्रशासनिक बदलावों और पिछली सरकारों द्वारा उचित अनुवर्ती कार्रवाई की कमी के कारण काफी हद तक खाली पड़े हैं।

राज्य आवास विभाग ने बंदलागुडा, गजुलारामरम, पोचारम (हैदराबाद क्षेत्र) और खम्मम जिले के पोलेपल्ली में स्थित राजीव स्वगृह फ्लैटों को बेचने का फैसला किया है । आवास निगम आयुक्त गौतम ने इच्छुक खरीदारों से किफायती कीमतों पर फ्लैट खरीदने के इस

दुर्लभ अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

खम्मम के पोलेपल्ली राजस्व प्रभाग में, राजीव स्वगृह अपार्टमेंट का निर्माण 2008 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार के दौरान किया गया था। 15 एकड़ में फैले इन अपार्टमेंट में 8 ब्लॉक शामिल हैं । प्रति ब्लॉक 9 मंजिलें, कुल 576 फ्लैट हैं ।

हालांकि अधिकांश निर्माण कार्य कई वर्ष पहले पूरा हो चुका था, लेकिन राजनीतिक बदलावों और समय पर बिक्री की पहल न होने के कारण फ्लैट खाली पड़े हैं।इससे पहले, सरकार ने ऑनलाइन बोली के ज़रिए इन फ्लैटों को ब्लॉक-वार नीलाम करने का प्रयास किया था। हालाँकि, उचित मार्केटिंग की कमी और ब्लॉक-वार उच्च मूल्य निर्धारण के कारण, खरीदारों की ओर से बहुत कम या कोई दिलचस्पी नहीं थी। मध्यम वर्गीय परिवारों और सरकारी कर्मचारियों ने पहले रुचि व्यक्त की थी यदि फ्लैट पूरे ब्लॉक के बजाय व्यक्तिगत रूप से पेश किए जाते।

तैयार हो चुके अपार्टमेंट के पास ही करीब 6 एकड़ खाली जमीन भी उपलब्ध है। सरकार अब इस जमीन को प्लॉट में बदलने और उन्हें बेचने की योजना बना रही है, जिससे संभावित मकान मालिकों और निवेशकों को और अवसर मिलेंगे।सूत्रों से पता चला है कि तेलंगाना सरकार 20 जून को आधिकारिक नीलामी अधिसूचना जारी कर सकती है । इन अपार्टमेंट और खाली जमीनों की बिक्री से राज्य को 3,500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिलने की उम्मीद है ।

संभावित खरीदारों के लिए एक बड़ा फायदा यह है कि ये राजीव स्वगृह फ्लैट और प्लॉट मौजूदा बाजार मूल्य से काफी कम कीमतों पर पेश किए जा रहे हैं । चूंकि संपत्तियां विवाद-मुक्त क्षेत्रों में स्थित हैं, इसलिए नीलामी को कई मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए घर के मालिक होने के अपने सपने को पूरा करने के लिए एक शानदार अवसर के रूप में देखा जाता है।

हाल ही में, जब कुकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड ने अपने खाली प्लॉट की नीलामी की, तो कुछ प्लॉट की कीमत 3 लाख प्रति वर्ग गज तक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह अच्छी लोकेशन वाली हाउसिंग बोर्ड की संपत्तियों की मजबूत मांग को दर्शाता है, जो आगामी राजीव स्वगृह नीलामी में भी महत्वपूर्ण रुचि पैदा कर सकता है।

उपचुनाव से पहले जुबली हिल्स में अंतिम मतदाता सूची की तैयारियां जारी

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

चुनाव अधिकारियों ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जहां विधायक मगंती गोपीनाथ के असामयिक निधन के बाद जल्द ही उपचुनाव होने की उम्मीद है। तैयारियों के तहत, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव), मंगतयारू पिछले दो दिनों से निर्वाचन क्षेत्र का सक्रिय रूप से दौरा कर रहे हैं और अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर के काम की समीक्षा कर रहे हैं।आसन्न उपचुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अधिकारी मतदाता सूची को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चुनाव के लिए औपचारिक अधिसूचना जल्द ही जारी होने की उम्मीद है, और निर्बाध क्रियान्वयन की सुविधा के लिए चुनाव-पूर्व व्यवस्थाएं पहले से ही की जा रही हैं।यूसुफगुडा में जीएचएमसी सर्किल 19 कार्यालय

में, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) जकिया सुल्ताना , सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) और खैरताबाद तहसीलदार नईमुद्दीन के साथ , बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर रही हैं। मतदाता सूची की तैयारी में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए साप्ताहिक सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं।मतदाता सूचियों को शुद्ध करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जाकिया सुल्ताना की देखरेख में, उन मतदाताओं के नाम व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे हैं जो या तो पलायन कर गए हैं (विशेष रूप से पिछली बीआरएस सरकार के दौरान डबल बेडरूम आवास आवंटन के कारण) या जिनकी मृत्यु हो गई है। साथ ही, पात्र नए मतदाताओं को शामिल करने के प्रयास चल रहे हैं, जो 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष के हो गए हैं, जो सालाना आयोजित किए जाने वाले चार अनुसूचित मतदाता पंजीकरण चक्रों का हिस्सा हैं।

इस वर्ष अब तक प्राप्त आवेदनों का सत्यापन जोरों पर है। अधिकारी प्रविष्टियों को सही तरीके से शामिल करने और हटाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि एक साफ और अद्यतन अंतिम सूची तैयार की जा सके।अभी तक जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में 3,90,864 पंजीकृत मतदाता हैं , जिनमें 2,03,406 पुरुष , 1,87,434 महिलाएँ और 24 अन्य शामिल हैं, जो 329 मतदान केंद्रों पर फैले हैं । अधिकारी सावधानीपूर्वक बूथ-स्तरीय सत्यापन पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उम्मीद है कि चुनाव अधिसूचना तक नामांकन और सुधार प्रक्रिया जारी रहने के साथ ही मतदाताओं की संख्या में वृद्धि होगी।

भाजपा नेता माधवी लता ने विवादित संपत्ति पर मंदिर का निर्माण कराया !

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता माधवी लता ने शनिवार, 14 जून को मलकपेट स्थित एलीट अपार्टमेंट का दौरा किया और इमारत के बाहर एक छोटा सा मंदिर बनवाया। उन्होंने परिसर की दीवार पर गणेश की मूर्ति रखी और पूजा-अर्चना की, जबकि मौके पर पुलिस भी मौजूद थी। उनका यह कदम फ्लैट मालिकों के बीच विवाद के बाद उठाया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए।

कुछ फ्लैट मालिकों और बिल्डरों के बीच पार्किंग के मुद्दे पर विवाद चल रहा है, जिससे मलकपेट इलाके में तनाव पैदा हो गया । दो दिन पहले एलीट अपार्टमेंट में इस मुद्दे को लेकर दो समूहों में झगड़ा हो गया था, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। फ्लैट मालिकों ने कहा कि कुछ लोग अदालत के आदेश के बावजूद अपार्टमेंट बिल्डिंग के स्टिल्ट एरिया में अवैध रूप से फ्लैट का निर्माण कर रहे हैं। माधवी लता ने आरोप लगाया कि स्थानीय एमआईएम विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला ने अवैध निर्माण कर रहे कुछ लोगों को रोकने के बजाय फ्लैट मालिकों को समझौता करने के लिए बुलाया था।माधवी लता ने मालकपेट के फ्लैट मालिकों से कहा, आप सभी किसी भी बैठक में भाग लेने नहीं जाते हैं। विधायक से कहिए कि वे मेरे सामने अपार्टमेंट में आकर इस मामले पर चर्चा करें।दो दिन पहले अपार्टमेंट बिल्डिंग में निर्माण मुद्दे को लेकर हुई झड़प में कथित तौर पर दो लोग घायल हो गए थे। माधवी लता ने हमले की निंदा की, उन्होंने कहा कि यह इमारत में रहने वाले हिंदू परिवारों पर किया गया था, और उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई करने और इमारत में रहने वालों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। यह देखना होगा कि माधवी लता की कार्रवाई के बाद मूर्ति या मंदिर को स्थानांतरित किया जाएगा या नहीं।

पवन कल्याण ने आध्यात्मिक स्थल कुर्मा में आग दुर्घटना की जांच के आदेश दिए

विजयवाड़ा, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के पवन कल्याण ने 10 जून को श्रीकाकुलम जिले के कुर्मा गांव में प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल पर हुई आग दुर्घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

शनिवार को यहां एक बयान में उपमुख्यमंत्री और पंचायत राज मंत्री पवन कल्याण ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुर्मा गांव, जिसे आधुनिक सुविधाओं के बिना आध्यात्मिक विचारों के साथ रहने के लिए डिज़ाइन किया गया था, आग से नष्ट हो गया।मैंने संबंधित अधिकारियों को श्रीकाकुलम जिले के हीरामंडलम के पास कुर्मा गांव में हुई आग दुर्घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। ऐसे समय में जब इस घटना को लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है, उस कोण से भी जांच

की जानी चाहिए। हम कुर्मा गांव की मौजूदा स्थिति के बारे में जिला अधिकारियों से बात करेंगे और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे, उन्होंने कहा।

कुर्मा गांव की स्थापना पारंपरिक धार्मिक जीवन के लिए इस्कॉन के तत्वावधान में की गई थी। कुरमा गांव के निवासी मिट्टी से बने घरों में रहते हैं और मशीनी जीवन शैली के विपरीत प्राकृतिक खेती करते हैं। वैदिक शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चे संस्कृत, तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी धाराप्रवाह बोलते हैं। पवन कल्याण ने जोर देकर कहा कि इस गांव के पुनरुद्धार पर ध्यान दिया जाना चाहिए, जो वर्तमान समय में अद्वितीय है।

विजयवाड़ा, 14 जून (यूएनआई) आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के पवन कल्याण ने 10 जून को श्रीकाकुलम जिले के कुर्मा गांव में प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल पर हुई आग दुर्घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं।शनिवार को यहां एक बयान में उपमुख्यमंत्री और पंचायत राज मंत्री पवन कल्याण ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुर्मा गांव, जिसे आधुनिक सुविधाओं के बिना आध्यात्मिक विचारों के साथ रहने के लिए डिज़ाइन किया गया था, आग से नष्ट हो गया।मैंने संबंधित अधिकारियों को श्रीकाकुलम जिले के हीरामंडलम के पास कुर्मा गांव में हुई आग दुर्घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। ऐसे समय में जब इस घटना को लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है, उस कोण से भी जांच की जानी चाहिए। हम कुर्मा गांव की मौजूदा स्थिति के बारे में जिला अधिकारियों से बात करेंगे और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे, उन्होंने कहा।

कुर्मा गांव की स्थापना पारंपरिक धार्मिक जीवन के लिए इस्कॉन के तत्वावधान में की गई थी। कुरमा गांव के निवासी मिट्टी से बने घरों में रहते हैं और मशीनी जीवन शैली के विपरीत प्राकृतिक खेती करते हैं। वैदिक शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चे संस्कृत, तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी धाराप्रवाह बोलते हैं। पवन कल्याण ने जोर देकर कहा कि इस गांव के पुनरुद्धार पर ध्यान दिया जाना चाहिए, जो वर्तमान समय में अद्वितीय है।

हैकप्रिक्स सीजन-2 में देशभर के विभिन्न संस्थानों की 150 से अधिक लड़कियों सहित 550 से अधिक छात्र भाग ले रहे हैं। हैकप्रिक्स सीजन-2 एथिकल हैकिंग में महिलाओं की भूमिका को और बढ़ाता है। लड़कियां महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशन बनाने वाले ऐप्स, कोड बना रही हैं। हैकप्रिक्स सीजन-2 लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डखएढ) द्वारा आयोजित किया जा रहा अपनी तरह का अनूठा 36 घंटे लंबा हैकथॉन है। हैकप्रिक्स सीजन-2 में देशभर से 3000 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिससे यह किसी इंजीनियरिंग संस्थान द्वारा आयोजित सबसे बड़े हैकथॉन इवेंट में से एक बन गया। शनिवार को हैदराबाद में पुलिस अकादमी के पास, हिमायतसागर, अप्पा जंक्शन स्थित लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 36 घंटे लंबा हैकथॉन आयोजित किया गया।

डायल 112 ने तेलंगाना में एक ही दिन में 4 बड़े अपराधों को रोका

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की आपातकालीन हेल्पलाइन डायल-112 ने एक ही दिन में राज्य भर में चार बड़े अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) से प्रबंधित एकीकृत आपातकालीन सहायता प्रणाली को एक ही नंबर - 112 के तहत सभी आपात कालीन सेवाओं को कारगर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें पुलिस 100, अग्निशमन 101, एम्बुलेंस 108, महिला सुरक्षा 181, बाल संरक्षण 1098 और आपदा प्रतिक्रिया 1077

शामिल हैं।13 जून को राज्य के विभिन्न हिस्सों से आई संकटपूर्ण कॉलों ने डायल 112 टीम को चार गंभीर घटनाओं के बारे में सूचित किया, जिसमें एक लापता बच्चा, छेड़छाड़ का प्रयास, हत्या का प्रयास और बलात्कार का प्रयास शामिल था। प्रत्येक मामले में, प्रतिक्रिया तत्काल थी। टीजी आईसीसी ने संबंधित स्थानीय पुलिस स्टेशनों को सूचित किया, और क्षेत्र के अधिकारियों ने अपराधों को रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई की। नरसिंगी पुलिस सीमा के अंतर्गत कोकापेट में लेबर कॉलोनी से लापता हुए एक बच्चे को तुरंत ढूंढ निकाला गया और उसकी मां से मिलवाया गया।

एक अन्य मामले में, एक व्यक्ति को एक महिला की बिना सहमति के उसका वीडियो बनाते हुए पकड़ा गया और उसे अंबरपेट पुलिस ने हिरासत में ले लिया।नलगोंडा जिले में एक व्यक्ति ने अपने पिता पर हमला करने की कोशिश की, जिससे हत्या की कोशिश टल गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और संदिग्ध को केथेपल्ली पुलिस के हवाले कर दिया।

बीएनए में कलाकारों के चयन की प्रक्रिया शुरू

रंगमंच के दिग्गजों ने परखी कला की समझ

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। भारतेंदु नाट्य अकादमी में इन दिनों परास्नातक की प्रवेश परीक्षा चल रही है। दूसरे चरण की परीक्षा के दौरान शुक्रवार को भी अभ्यर्थियों के ऑडिशन लिए गए। इस दौरान फिल्म, टीवी और रंगमंच से जुड़े कई मशहूर कलाकार भी पहुंचे और उन्होंने छात्र-छात्राओं से सवाल पूछे। सभी कलाकारों ने प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति से भी मुलाकात की।

अकादमी के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि पद्मश्री वामन केंद्रे, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित डॉली अहलूवालिया, वरिष्ठ अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी, अभिनेता एवं रंगकर्मी राजीव वर्मा, अभिनेता राकेश श्रीवास्तव और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भारतीय रंगमंच विभाग की अध्यक्ष प्रो. नवदीप कौर शुक्रवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां चल रही प्रवेश परीक्षा के तहत देश के कोने-कोने से पहुंचे अभ्यर्थियों का ऑडिशन भी लिया। उनसे सवाल जवाब हुए। किसी से गाना सुनाने को तो किसी से अभिनय और नृत्य करने को कहा गया। कलाकारों ने अभ्यर्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व को परखने वाले सवाल पूछे और उनकी कला के प्रति समझ की परख की।

निदेशक की मौजूदगी में सभी कलाकारों ने प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम से भी मुलाकात की। इस दौरान अभिनेता राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि देश के 22 राज्यों के प्रतिभागी बीएनए में प्रवेश चाह रहे हैं, यह बहुत सुखद संकेत है। अब बीएनए को भी एनएसडी दिल्ली की तरह पूरे देश में पहचान मिल रही है। अन्य राज्यों की संस्थाओं के साथ एमओयू भी काफी कारगर हो रहे हैं। पद्मश्री प्रो. वामन केंद्रे ने कहा, मैं इससे पहले भी अकादमी में आया हूं लेकिन पिछले तीन वर्षों में यहां काफी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने प्रमुख सचिव को प्रादेशिक ग्रामीण रंगमंडल की शुरुआत करने का भी सुझाव दिया।

अभिनेत्री डॉली अहलूवालिया और राजीव वर्मा ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान और महाकुंभ में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। हिमानी शिवपुरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कलाकारों के प्रति सकारात्मक माहौल बना है।प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि अकादमी में प्रशिक्षण के लिए दस सीटें और बढ़ाए जाने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही शोधपरक प्रशिक्षण को भी बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने बताया कि बहुत जल्द प्रदेश में संचालित विद्यालयों में एक नाट्य विधा का शिक्षक और एक ललित कला का शिक्षक रखे जाने संबंधी प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने सभी कला विभूतियों से भविष्य में अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए भी कहा।

रेजोनेंस हैदराबाद ने नीट में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता साबित की

हैदराबाद, जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

रेजोनेंस हैदराबाद ने एक बार फिर मेडिकल प्रवेश परिदृश्य में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता साबित की है नीट 2025 में उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ। संस्था के छात्रों ने असाधारण रैंक हासिल की है, जिससे रेजोनेंस भारत के भविष्य के मेडिकल पेशेवरों में शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक बन गया है।

नीट में हरिनी श्रीराम ने अखिल भारतीय स्तर पर 72 रैंक हासिल की। रेजोनेंस के हर 3 छात्रों में से 1 ने इस साल मेडिकल सीट हासिल की।

हरिनी के साथ, रेजोनेंस के कई अन्य छात्रों ने शीर्ष रैंक हासिल की है और एम्स, जेआईपीएमईआर और शीर्ष राज्य मेडिकल कॉलेजों सहित प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त की है।

नीट 2025 के परिणाम समारोह के अवसर पर, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेजोनेंस एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक और प्रबंध निदेशक पूर्ण चंद्र राव ने कहा कि हम अपने छात्रों को उनकी अथक मेहनत और दृढ़ता के लिए हार्दिक बधाई देते हैं। पिछले दो वर्षों में उन्होंने जो समर्पण और निरंतर प्रयास किया है, वही इन परिणामों के पीछे की असली प्रेरणा शक्ति है। नीट 2025 के परिणाम केवल आँकड़े नहीं हैं - वे सपनों के पूरे होने और उन परिवारों की खुशी की कहानियाँ हैं जिनकी उम्मीदें हकीकत में बदल गई हैं।

उन्होंने कहा कि सफलता हमारे छात्रों के अटूट प्रयासों के प्रति सम्मान का प्रतीक है और उनके माता-पिता, गुरुओं, शिक्षकों और रेजोनेंस हैदराबाद की पूरी टीम के सामूहिक समर्थन का परिणाम है।

हमने हमेशा माना है कि जब कड़ी मेहनत सही दिशा में की जाती है, तो सफलता अवश्यंभावी होती है। रेजोनेंस हैदराबाद में हमारा मुख्य मिशन प्रत्येक नीट उम्मीदवार को उनके सपने को प्राप्त करने की दिशा में मार्गदर्शन करना है।

रंगारेड्डी में ट्रक पलटने के बाद स्थानीय लोग आम लेकर भागे

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

रंगारेड्डी के निवासी शनिवार की सुबह आम लेकर भागे, जब कोथुर मंडल के थिम्मापुर गांव की सड़क के पास राजमार्ग पर फलों से भरा एक ट्रक पलट गया। वाहन शहर की ओर जा रहा था, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह दुर्घटना हुई। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आमों को इकट्ठा करना शुरू कर दिया, उन्हें थैलों और टोकरियों में भरकर ले गए। इसका एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हालांकि किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन पुलिस को आम चोरों को खदेड़ना पड़ा। पत्रकारों से बात करते हुए कोथुर इंस्पेक्टर नरसिम्हा राव ने कहा कि दुर्घटना के कारण राजमार्ग की दोनों लेनों में भारी यातायात जाम हो गया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

बालाघाट में नक्सलविरोधी अभियान में सफलता, चार नक्सली ढेर

भोपाल, बालाघाट, 14 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलनिरोधक अभियान के तहत बड़ी सफलता पाते हुए चार नक्सलियों को ढेर कर दिया।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने बताया कि बालाघाट जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच कल रात से मुठभेड़ जारी थी। इसी बीच सुरक्षा बलों ने चार नक्सलियों को ढेर कर दिया, जिनमें एक पुरुष और तीन महिला नक्सली शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल से हथियार भी बरामद हुए हैं।

पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार घटना स्थल पर लगातार बारिश के बीच भी नक्सलनिरोधक अभियान जारी है।

श्री मकवाणा ने सुरक्षाबलों को इस सफलता पर बधाई दी है।

मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास : प्रेमसागर राव

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव ने कहा कि मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

उहोंने जिला केंद्र में बाजार की सड़क के विस्तार के लिए विश्वनाथ मंदिर व दुकानों को ध्वस्त करने का निरीक्षण किया इस अवसर पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि शहर के लोगों और अधिकारियों के सहयोग से आगम शास्त्र के विद्वानों की सलाह से आंतरिक सुधार प्रयास किए जाएंगे उन्होंने कहा कि शहर में सड़कों के चौड़ीकरण आईटी पार्क लक्ष्मीटॉकीज से रंगमपेट तक चार लेन की सड़क़ का निर्माण और शहर में एक प्रसूति अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू होर चुका है उन्होने स्पष्ट किया कि अगले पांच से छह महीनों में सभी काम पूरे हो जाएंगे।

जीआरपी और आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन पर फोन चोरी के आरोप में महाराष्ट्र के दो लोगों को पकड़ा

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) सिकंदराबाद ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर रेल यात्रियों को निशाना बनाकर फोन छीनने और चोरी करने के कई मामलों में शामिल महाराष्ट्र के दो लोगों को गिरफ्तार किया गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्ति – अशोक चौरड्या (70) और सचिन गायकवाड़ (35) – दिन में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते है रात में वे अक्सर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और वेटिंग हॉल में सो रहे यात्रियों से मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चुराने के लिए आते है हाल ही में वे एक डकैती के मामले में भी शामिल थे सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों ने संदिग्धों को पकड़ लिया और उनसे चोरी की संपत्ति बरामद कर ली।

अन्तापुर आंगनवाड़ी केंद्र में अंडे के कमी से छोटे बच्चे व गर्भवती प्रस्तुति महिलाओं को पौष्टिक आहार की कमी

मदनूर, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्र व तेलंगाना सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्र में छोटे बच्चे गर्भवती, प्रस्तुति महिला को पौष्टिक आहार मिलने के उद्देश्य से अंडे पूर्ति कर रही है लेकिन अन्तापुर आंगनवाड़ी केंद्रों में अंडे की कमी एक गंभीर समस्या है जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण को प्रभावित करती है। आंतापुर गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में एक सप्ताह से अंडे कमी है ऐसा स्थानिक आंगनवाड़ी अध्यापक ने शुक्रवार के दिन बताया है विशेष रूप से सुदूर क्षेत्रों में, स्थानीय स्तर पर अंडे की उपलब्धता एक चुनौती है। इसके अतिरिक्त, बड़े आपूर्तिकर्ताओं से पूर्ति करना भी ठेकेदार अंडे पूर्ति करने में लापरवाही बरत रहा है आंगनवाड़ी अध्यापक ने उच्च अधिकारियों से अंडे वितरण करने की मांग।

पुलिस ने स्वयंभू बाबाओं के गिरोह का भंडाफोड़ कर 15.30 लाख बरामद किए

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रामीण पुलिस ने पूजा-पाठ के नाम पर भोले-भाले लोगों को ठगने वाले पांच सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया है स्वामीजी की वेशभूषा में आए इस गिरोह ने एक पीड़ित से 15.30 लाख रुपए ऐंठ लिए और दावा किया कि अनुष्ठान के लिए यह जरूरी है अधिकारियों ने आरोपियों से 15.30 लाख रुपए नकद सोने के गहने तीन कारें और सात मोबाइल फोन बरामद किए है करीमनगर ग्रामीण एएसपी शुबम प्रकाश ने यहां अपने कार्यालय में आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया और गिरोह की कार्यप्रणाली के बारे में बताया गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की

पहचान चंद्रगिरि के एर्नाला राजू, अग्रहारम के मिरियाला दुर्गैया के रूप में की गई है जबकि तीन अन्य, पेनुगोंडा राजू, चल्ला अजय और एर्नाला सतीश चेरलावंचा के है पुलिस अधिकारी के अनुसार कोथापल्ली थाना क्षेत्र के श्रीरामुलपल्ली निवासी पीड़ित गज्जी प्रवीण संकट में था और उसके माता-पिता स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे उस की स्थिति का फ़ायदा उठाते हुए गिरोह के सदस्यों ने दो हफ़्ते पहले स्वामीजी की वेशभूषा में प्रवीण से संपर्क किया और विशेष पूजा करके उसकी समस्याओं का समाधान करने का वादा किया।

उन्होंने दावा किया कि उसके घर के पास एक सोने की छड़ दबी हुई है और उसे पूजा करके उसे निकालने की इजाज़त देने के लिए राज़ी किया उन्होंने उसे यह भी चेतावनी दी कि अगर उसे ऐसे ही छोड़ दिया गया तो उसके पिता एक महीने के भीतर मर जाएँगे पूजा-पाठ करने के लिए आरोपियों ने प्रवीण से तीन चरणों में 15.30 लाख रुपए वसूले पूजा-पाठ के नाम पर उन्होंने एक गड्ढा खोदा और जमीन पर सिंदूर और हल्दी छिड़की और एक बक्सा निकालकर दावा किया कि यह सोने से बना है इसके बाद उन्होंने प्रवीण से कहा कि वह पूजा के कमरे में डिब्बा रख दे बाद में गिरोह ने अतिरिक्त पैसे की मांग की और धमकी दी कि अगर वह ऐसा नहीं करेगा तो उसके पिता को मार दिया जाएगा और गड्ढे में दफना दिया जाएगा उनकी चेतावनी से डरकर पीड़ित ने पड़ोसियों से उधार लेकर पैसे का इंतजाम किया जब प्रवीण को अहसास हुआ कि वह ठगा गया है तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और शुक्रवार को चिंताकुंटा चौराहे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सीसी रोड निर्माण में आधिकारियों की लापरवाही व ठेकेदार की मनमानी !

मदनूर, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल केंद्र में जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मीकांत राव के सहयोग से 55 लाख रुपए निधी से सी सी रोड निर्माण के लिए कुछ महा पहिले मंजूर किया ज्याने ने के बाद तीन महा पहिले गांधी चौक से लेकर आर्य समाज तक सी सी रोड निर्माण किया गया था आज शनिवार के दिन ठेकेदार ने फिर से आर्य समाज से लेकर एल्मा गली तक सी सी रोड निर्माण कार्य प्रारंभ किया लेकिन स्थानिक जनता ने

अधिकारीयो पर आरोप लगाते हुए बता रहे है कि आधिकारियों की लाप्रवाही व नजर अंदाज के कारण ठेकेदार ने कम दर्जा मेट्रल मिलकर सी सी रोड निर्माण कर रहा है उन्होंने आगे बताए कि तीन महा पहिले गांधी चौक से लेकर आर्य समाज व सोनला एक्स रोड से लेकर रथ गली तक निर्माण किया सी सी रोड बरसात शुरू नहीं होने से पहिले ही कंकर निकलने लगे है स्थानिक जनता बता रही है कि इस में विधायक का कोही कसूर नहीं उन्होंने तो उत्तम दर्ज्या का सी सी रोड निर्माण करने के लिए मंडल केंद्र में लाखों रुपए निधी मंजूर की लेकिन ठेकेदार व अधिकारियों के लापरवाही के कारण ही सी सी रोड निर्माण में कम दर्ज्या का मैट्रिक मिलकर धांधलियां कर रहे है एक मजे की बात यह है कि पूर्व की तेलंगाना सरकार मंडल के हर एक ग्राम पंचायत को गांव का कचरा साफ करने झाड़ों को पानी डालने के लिए एक ट्रैक्टर व एक पानी टैंक मजूर किया लेकिन ठेकेदार ने आपने सी सी रोड निर्माण के लिए सब नियम बाजूमे रख कर ग्राम पंचायत पानी टंकी का उपयोग सी सी रोड निर्माण के लिए कर रहे है स्थानिक जनता ने उच्च अधिकारियों से जांच पड़ताल करने की मांग की।

चोरी मामले में दो गिरफ्तार,25 तोला सोना चांदी मोटरसाइकिल मोबाइल जब्त

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला पुलिस ने एक चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और इसके दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से 25 तोला सोना 25 तोला चांदी, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन जब्त किया पुलिस आयुक्त गौश आलम ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान गजुला हेमंत और कोम्मू नवीन कुमार के रूप में हुई है जो कोनारावपेट के निवासी है उनके तीन साथी अभी फरार हैंकमिश्नर के मुताबिक शुक्रवार सुबह गंगाधर चौराहे पर वाहनों की जांच के दौरान ये गिरफ्तारियां की गई मोटरसाइकिल पर जगतियाल की ओर जा रहे हेमंत को संदेह के आधार पर रोका गया पूछताछ करने पर उसने कई चोरियों में शामिल होने की बात कबूल की उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर नवीन को भी हिरासत में लिया गया पुलिस ने बताया कि गिरोह ने 8 जून को गंगाधर मंडल के वेंकटैयापल्ली में एक घर में चोरी की थी उन्होंने 3.75 लाख रुपये के 33 तोले सोने के गहने 12,500 रुपये की चांदी और 25,000 रुपये नकद चुरा लिए घर के मालिक उप्पुगंडला गंगा रेड्डी की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया बाकी फरार संदिग्धों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

संयुक्त मदनूर मंडल में खरीफ फसल उगाने के तैयारी में किसान

मदनूर, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हर वर्ष की तरह मार्ग नक्षत्र प्रारंभ होने के बाद मदनूर मंडल में 8 जून से लेकर 11 जून तक बारिश होने के बाद संयुक्त मंडल के किसान मानसून को ध्यान में रख ते हुए खरीब की फसल की खेती करने में मग्न आ रहे है । जून के पहले सप्ताह में हुई बारिश के कारण किसानों ने खरीब की फसल की उत्पन्न के लिए खेती की तैयारी कर ली है। संयुक्त मदनूर मंडल के किसान सोयाबीन, तुवर, मूंग , उड़द, कपास, बीज जमीन में बोई कर के खेती करने में व्यस्त हैं। हाल ही में हुई बारिश के कारण जमीन गीली है, और कुछ किसान इसकी खेती कर रहे हैं क्योंकि जमीन धान की खेती के लिए उपयुक्त है। वे ट्रैक्टरों से जमीन को समतल कर रहे हैं।

चित्रकार कर्मचारी संघ की आम सभा आयोजित

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला चित्रकार कर्मचारी संघ की आम सभा की बैठक शुक्रवार को रामनगर बढ़ई संघ भवन में हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुतारी संगम के अध्यक्ष पदला रमन्ना, बीसी समाज के संयुक्त जिला अध्यक्ष नरेदला श्रीनिवास, टीयूसीआई के जिला सचिव जारी देवराज, चित्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष बद्री नायक और एमडी सैयद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पदला रमन्ना ने कहा कि मंचेरियाल जिले की नई चित्रकला समिति का चुनाव किया गया।जिला चित्रकला अध्यक्ष मंचरला सदानंदम, उपाध्यक्ष एस.के. जमीर भाषा, कोयदा हरिकृष्ण गौड़, महासचिव मोहम्मद रफी, सहायक सचिव भुक्या वेंकन्ना नायक, कोषाध्यक्ष मोलुगुरी श्रीनिवास, कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद मजीद, माननीय अध्यक्ष मोहम्मद सादिक, कानूनी सलाहकार राजेश गौड़ सलाहकार वेलपुला राजेंदर, एमडी सादिक, शंकर,अभियान सचिव नियाज़, नारायण, तगाराम रमेश, वेलपुला सुरेंद्र, बब्लू, शेखर, समिति सदस्य वेलपुला स्वामी, कुंता संतोष, मलयाला संपत, चित्तवेनी हरीश, श्रीधर, लोकेश, चंदू, श्याम, बंदा रवि का चुनाव 150 कार्यकर्ता भाइयों की उपस्थिति में हुआ।जिला चित्रकला संघ के अध्यक्ष मनचरला सदानन्दम ने कहा:मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि श्रमिक भाइयों को मिलने वाली कल्याणकारी योजनाएं सभी श्रमिकों को मिलें।मैं 55 वर्ष की आयु पूरी कर चुके प्रत्येक मजदूर भाई के लिए 5000 रुपये की पेंशन योजना लागू करने के लिए संघर्ष करूंगा।मैं तब तक लड़ता रहूंगा जब तक मंचेरियल जिले में श्रमिक बीमा कार्ड वाले प्रत्येक श्रमिक को ईएसआई अस्पताल में आवास उपलब्ध नहीं कराया जाता।मैं तब तक लड़ता रहूंगा जब तक मेरे बेघर चित्रकार श्रमिकों को घर के लिए जगह नहीं मिल जाती,हर श्रमिक को मुफ्त श्रम बीमा उपलब्ध कराने की बात कही गई।कहा गया कि वे मंचेरियल जिले में श्रमिक भवन के निर्माण तक संघर्ष करेंगे।कल्याण बोर्ड के लिए अध्यक्ष नियुक्त करने की मांग की गई।कार्यक्रम का समापन सभी श्रमिक भाइयों को इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए नाम लेकर धन्यवाद देकर किया गया।

जगतियाल जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन

जागतियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जागतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार ने किया। विधायक ने कहा, खेल में हार-जीत स्वाभाविक है... आज के समाज में शिक्षा के साथ-साथ खेल भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। जगित्याला क्लब इंडोर स्टेडियम के निर्माण में कुछ सहयोग दिया गया है। राज्य बैडमिंटन अध्यक्ष मंत्री श्रीधर बाबू ने जागतियाल जिला केंद्र में बैडमिंटन स्टेडियम के विकास का आश्वासन दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में खेल एक बड़ी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य तेलंगाना राज्य के खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। मुख्यमंत्री यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं कि तेलंगाना के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि वह जगित्याला निर्वाचन क्षेत्र में खिलाड़ियों और खेल मैदानों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।जागतियाल जिले के क्लब के सचिव राम गोपाल रेड्डी, अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण, सचिव राममोहन राव, संयुक्त सचिव रमण, केडीसीसी जिला सदस्य रामचन्द्र राव, नेता मुस्कु नारायण रेड्डी, कुसारी अनिल, सत्यम, नक्कला रविंदर रेड्डी, बाला मुकुंदम, किशोर नवीन विजय बुमन्ना, सीआई करुणाकर, चेतपल्ली सुधाकर, थोटा मल्लिकार्जुन, बेटी राजेश, बेटी शेखर, दुमाला राज कुमार, एलजी रमेश, मुलसापु महेश, रंगु महेश, चितला मनोहर, जंगिली शशि। इस कार्यक्रम में संके महेश, वामसी बाबू, आरिफ, प्रवीण राव, गंगाधर, वेंकन्ना, खिलाड़ी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

अम्मा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मेटुपल्ली में जीवन रक्षक रक्तदाता कटुकम गणेश को सम्मानित किया

जागतियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अम्मा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मेटुपल्ली में जीवन रक्षक रक्तदाता कटुकम गणेश को सम्मानित किया जगतियाल जिले कोरुटला विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जगतियाल जिले के मेटुपल्ली कस्बे में अम्मा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा समाजसेवी, रक्तदाता मध्यस्थ और जीवन रक्षक रक्तदाता कटुकम गणेश को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मेटुपल्ली इंडियन मेडिकल असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. गंगासागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुवे

इस अवसर पर डॉ. गंगासागर ने कटुकम गणेश को बधाई दी, जो पिछले कुछ वर्षों से कोरुटला के आसपास के गांवों में आपातकालीन समय में रक्त उपलब्ध कराने में आगे है और

उन्होंने इसे खुशी की बात बताया कि कटुकम गणेश न केवल कोरुटला क्षेत्र के लिए बल्कि तेलंगाना राज्य के लिए भी एक प्रकाश स्तंभ बन गए हैं।

उन्होंने कटुकम गणेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे एक महान व्यक्ति हैं, जिन्होंने 2007 में कोरुटला में रक्तदान आंदोलन की शुरुआत की और 18 वर्षों में 4250 रक्तदाताओं के साथ रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया है उन्होंने कहा कि कई बार रक्त की कमी के कारण कई लोगों की जान चली जाती थी और अब पिछले 18 वर्षों से रक्तदान आंदोलन शुरू करने वाले समाजशास्त्री, रक्तदान समन्वयक और जीवनदाता कटुकम गणेश की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि कोरुटला में ही नहीं बल्कि आसपास के इलाकों में भी रक्तदान की कमी नहीं देखी जा रही है।

उन्होंने आग्रह किया कि भविष्य में और भी लोग रक्तदान करें, लोगों की जान बचाएं, ऐसे कई और कार्यक्रम करें, बेहतर सेवाएं दें और अधिक रक्तदाता तैयार करें। इस कार्यक्रम में अम्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक पुल्ला श्रीनिवास गौड़, डॉ. रविंदर, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य, युवा संगठनों के सदस्य और अन्य लोग शामिल हुए।

सरकारी स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा : दीपक

मंचेरियाल,14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरकारी स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा जिला कलेक्टर कुमार दीपक छात्रों के लिए साक्षरता जयपुर: जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने मंडल के इंदाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टेकुमतला, किष्टापुर प्राथमिक उच्च माध्यमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया। विद्यार्थियों की संख्या, उपस्थिति तालिका, रजिस्टर और कक्षाओं का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान कराया गया। उन्होंने तहसीलदार वनजा रेड्डी के साथ संबंधित गांवों में आयोजित भूभारती राजस्व सम्मेलनों का दौरा किया और आवेदन प्रक्रिया का किया। आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान कराया गया। उन्होंने तहसीलदार वनजा रेड्डी के साथ संबंधित गांवों में आयोजित भूभारती राजस्व सम्मेलनों का दौरा किया और आवेदन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में संबंधित स्कूलों के शिक्षक, आंगनबाड़ी शिक्षक और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हुए। हर किसी के पास आधार कार्ड होना चाहिए।

राज्यपाल ने किया विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का उद्घाटन

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को विश्व रक्तदाता दिवस 2025 के अवसर पर राजभवन सामुदायिक हॉल, संकृति में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल जो भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआर-सीएस), तेलंगाना राज्य शाखा के अध्यक्ष भी हैं, ने सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं को उनकी जीवन रक्षक सेवा के लिए धन्यवाद दिया और इसे मानवता के लिए पवित्र सेवा का कार्य बताया। उन्होंने कहा कि उनका निस्वार्थ योगदान न केवल जीवन बचाता है बल्कि संकट में फंसे अनगिनत परिवारों के लिए आशा भी जगाता है।उन्होंने सुरक्षित और कुशल रक्त संग्रह सुनिश्चित करने में डॉक्टरों और रेड क्रॉस स्वयंसेवकों की भूमिका की भी सराहना की। राजभवन परिवार के सदस्यों और सुरक्षा कर्मियों ने शिविर के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया और रक्तदान किया।

राज्यपाल ने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा समाज सेवा और सीएसआर सहयोग के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान देने वाले गैर सरकारी संगठनों और संस्थागत प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

कांग्रेस नेता दानम नागेंदर और विजया रेड्डी के बीच तनाव बढ़ा

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार को बंजारा हिल्स के लेक व्यू में आयोजित कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय बैठक के दौरान खैरताबाद के विधायक दानम नागेंदर और जीएचएमसी पार्षद व पूर्व मंत्री पी. जनार्दन रेड्डी की बेटी विजया रेड्डी के बीच एक बार फिर तनाव उत्पन्न हो गया। खैरताबाद निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई इस बैठक में मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी , पार्टी के पर्यवेक्षक और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। विजया रेड्डी और उनके समर्थक कार्यक्रम स्थल पर देर से पहुंचे। जब उन्हें बोलने के लिए आमंत्रित किया गया, तो पार्षद ने अपने समर्थकों को माइक्रोफोन सौंप दिया, जिससे उनमें से कुछ ने सभा को संबोधित किया। इस पर नागेंद्र के खेमे ने आपत्ति जताई, जिन्होंने पार्टी प्रोटोकॉल का पालन करने पर जोर दिया।असहमति मौखिक झड़प में बदल गई, दोनों गुटों ने एक दूसरे के खिलाफ नारे लगाए, जिससे कार्यवाही बाधित हुई। जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष रोहिन रेड्डी ने हस्तक्षेप किया और शांति की अपील की, पार्टी की मर्यादा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी। उनके प्रयासों के बावजूद, कुछ समय तक तीखी नोकझोंक जारी रही।

अंततः नागेन्द्र ने विजया रेड्डी को बोलने के लिए आमंत्रित किया, जिसके बाद बैठक पुनः शुरू हुई।यह पहली बार नहीं था जब दोनों नेताओं के बीच तनाव पैदा हुआ । हाल ही में उचित मूल्य की दुकानों पर बढ़िया चावल वितरण के दौरान भी ऐसी ही घटना हुई थी, जब कार्यक्रम में बैनर पर विजया रेड्डी की तस्वीर न होने पर उनके समर्थकों के बीच झड़प हो गई थी।

तेलंगाना सरकार ने 4 वर्षों में 20 लाख घर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा

हैदराबाद, 14 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों में 20 लाख घर बनाना है। 22,500 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के साथ , यह आवास पहल तेलंगाना भर में वंचित परिवारों के उत्थान को लक्षित करती है।

पेद्दापल्ली में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि इंदिराम्मा आवास योजना के तहत प्रत्येक गांव में लगभग 60 पात्र लाभार्थी हैं , लेकिन वर्तमान में प्रति गांव केवल 25 घरों को ही मंजूरी दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी पात्र परिवारों को जल्द ही घर मिले। मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ, श्रीनिवास रेड्डी ने रामागुंडम कमिश्नरेट क्षेत्र में चार नए पुलिस स्टेशनों का उद्घाटन किया, जिसमें एक ट्रैफिक पुलिस स्टेशन, महिला पुलिस स्टेशन, पेड्डापल्ली में ग्रामीण पुलिस स्टेशन और एलीगेड पुलिस स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने पेड्डापल्ली शहर में 4.20 करोड़ के एकीकृत बाजार परिसर की भी नींव रखी , जिससे स्थानीय व्यापार और पहुंच को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

श्रीनिवास रेड्डी ने मौजूदा सरकार के प्रयासों की तुलना पिछली बीआरएस सरकार से करते हुए बताया कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस ने 25.5 लाख घर मुहैया कराए , जबकि बीआरएस सरकार ने केवल 92,000 घर स्वीकृत किए और करीब दस साल में 60,000 घर पूरे किए। बीआरएस के तहत ठेकेदारों के भुगतान संबंधी मुद्दों के कारण कई परियोजनाएं अधूरी रह गई हैं।उन्होंने भूमि अभिलेखों के खराब प्रबंधन के लिए पूर्ववर्ती प्रशासन की भी आलोचना की तथा कहा कि किसानों को विवादों के समाधान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, जिसे वर्तमान कांग्रेस सरकार सक्रिय राजस्व अधिकारियों के माध्यम से सक्रियतापूर्वक हल कर रही है।

मंत्री ने नागरिकों से कांग्रेस सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कल्याणकारी उपायों को पहचानने का आग्रह किया और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जनता के समर्थन का आह्वान किया ।

इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों के लिए खुशखबरी

मुफ्त रेत और 1 लाख रुपए ऋण सहायता!

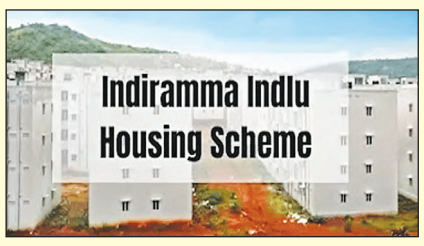

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए घर के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिष्ठित इंदिराम्मा आवास योजना को सक्रिय रूप से लागू कर रही है । सत्ता में आने के बाद से, कांग्रेस सरकार ने इन घरों के निर्माण के लिए कई चरणों में धनराशि जारी की है।

हाल ही में एक घोषणा में, तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने साझा किया कि सरकार अब घर निर्माण के लिए मुफ़्त रेत उपलब्ध कराएगी । प्रत्येक लाभार्थी को निर्माण प्रक्रिया में सहायता के लिए 8 ट्रैक्टर तक रेत मुफ़्त मिलेगी। इस कदम से लाभार्थियों पर वित्तीय बोझ काफी कम होने की उम्मीद है।सरकार प्रत्येक लाभार्थी को किस्तों में 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है । जो लोग अभी भी वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, वे महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से अतिरिक्त 1 लाख रुपये के ऋण के लिए पात्र होंगे , जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी को अपना घर बनाने का अवसर मिले।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्पष्ट किया कि इंदिराम्मा घरों का निर्माण 400 से 600 वर्ग फीट के भीतर किया जाना चाहिए , जो प्रत्येक लाभार्थी के भूखंड के आकार पर निर्भर करता है। लाभार्थी स्वयं निर्माण की देखरेख करेंगे, जबकि सरकारी पर्यवेक्षण गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करेगा।अब तक, तेलंगाना सरकार ने इंदिराम्मा आवास योजना के लिए कुल 98.64 करोड़ जारी किए हैं:

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के अनुसार, 2 जून से 9 जून के सप्ताह के लिए 22.64 करोड़ रुपये जारी किए गए। अब तक 1,549 घर बेसमेंट चरण तक पहुंच गए हैं , 481 दीवार निर्माण तक पहुंच गए हैं , और 117 घर स्लैब पूर्णता चरण तक पहुंच गए हैं । सरकार ने घर निर्माण में सुचारू प्रगति सुनिश्चित करने के लिए हर सोमवार को धनराशि जारी करने की प्रतिबद्धता जताई है । अब तक तेलंगाना भर में: 9,877 घर बेसमेंट चरण तक पहुंच चुके हैं ।1,839 घरों की दीवार का निर्माण पूरा हो चुका है। 388 घरों में स्लैब का काम पूरा हो चुका है।

पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने एक समर्पित वेबसाइट शुरू की है: indirammaindlu.telangana.gov.in । लाभार्थी इस पोर्टल पर जाकर निम्न कार्य कर सकते हैं:

जाँच करें कि क्या उनके मकान को मंजूरी मिल गई है। निधि जारी करने पर निगरानी रखें। उनके बैंक खातों में सीधे धनराशि जमा होने की पुष्टि करें।

सामाजिक न्याय के लिए ओबीसी को राजनीति से परे एकजुट होना चाहिए : महेश गौड़

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) महेश कुमार गौड़ ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बीच एकता की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि इन समुदायों के लिए राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठने और समाज के सभी क्षेत्रों में अपना उचित हिस्सा हासिल करने का समय आ गया है। श्री गौड़ ने यहां गांधी भवन में ओबीसी पोरुबता पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा कि आज के ओबीसी न्याय और प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं। 'हमारा हिस्सा हमारा है।' उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता की सराहना की और जाति जनगणना कराने के केंद्र के फैसले को एक प्रमुख राजनीतिक मील का पत्थर और कांग्रेस के प्रयासों का स्पष्ट परिणाम बताया।

इसके साथ ही उन्होंने जाति-आधारित सर्वेक्षण को पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से लागू करके तेलंगाना को राष्ट्रीय मॉडल बनने के

लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की प्रशंसा की।गौड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जाति सर्वेक्षण की अवधारणा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के दृष्टिकोण से उपजी है, जिससे उन्हें पूरे भारत में जमीनी हकीकत को समझने में मदद मिली। तेलंगाना जाति सर्वेक्षण पर एक विस्तृत प्रस्तुति पहले 450 से अधिक कांग्रेस प्रतिनिधियों के समक्ष दी गई थी, जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी शामिल थे।उन्होंने कहा कि कामारेड्डी घोषणा के तहत, कांग्रेस सरकार ने शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में अपने हालिया मंत्रिमंडल विस्तार और पीसीसी पुनर्गठन में बीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों के लिए 68 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है - जो राज्य के इतिहास में पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, जिसने पहले जाति जनगणना का विरोध किया था, ने अब आम जनगणना के साथ-साथ इसे आयोजित करने की अपनी मंशा की घोषणा की है - जो कांग्रेस के समानता के प्रयास के प्रभाव को दर्शाता है।एकजुट कार्रवाई का आह्वान करते हुए गौड़ ने सभी ओबीसी समुदायों से बीसी विधेयक को कानूनी समर्थन देने और इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दबाव बनाने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, बीसी विधेयक के लिए आंदोलन को जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर समानता और न्याय के लिए सामूहिक भावना से प्रेरित होना चाहिए।

तेलंगाना में 2 लाख से अधिक नए राशन कार्ड के साथ 80% परिवार पीडीएस के अंतर्गत शामिल

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। खाद्य सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तेलंगाना सरकार ने 2,03,156 नए राशन कार्डों को मंजूरी दी है , जिससे कुल संख्या बढ़कर 91,98,438 हो गई है। हाल ही में जाति जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार , इसके साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अब राज्य के लगभग 80% घरों और आबादी को कवर करती है ।अब तक, राज्य भर में 3,54,75,554 की कुल आबादी में से 3,11,75,554 व्यक्ति पीडीएस लाभार्थी हैं । इस विस्तार से पहले, तेलंगाना में 89,95,282 राशन कार्ड थे, जिनके अंतर्गत 2.81 करोड़ लाभार्थी थे। मौजूदा कार्डों में 29.81 लाख नए नाम शामिल करने से पीडीएस कवरेज का और विस्तार हुआ है।मीडिया से बात करते हुए, नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पुष्टि की कि नए जारी किए गए कार्ड जुलाई 2025 में विधानसभा क्षेत्र स्तर के कार्यक्रमों में वितरित किए जाएंगे। मंत्री और स्थानीय विधायक वितरण की देखरेख करेंगे, आगामी राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में सटीक तारीखों को अंतिम रूप दिया जाएगा ।तेलंगाना सरकार गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के लिए तिरंगा राशन कार्ड और गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) परिवारों के लिए हरे राशन कार्ड शुरू करेगी ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.